शर्मा হার্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 157 | गुवाहाटी | बुधवार, 28 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सेना के लिए खरीदे जाएंगे बेहतर सुरक्षा स्तर वाले 80 हजार बैलिस्टिक हेलमेट पेज 2
ऊपरी असम में भारी ओलावृष्टि से सैकड़ों घर क्षतिग्रस्त, कई बीघा फसल नष्ट पेज 3
कर्नाटक के 865 मराठी भाषी गांव महाराष्ट्र में शामिल होंगे, विधानसभा में प्रस्ताव मंजूर पेज 4
दोबारा विधायकों की नब्ज टटोल सकती है कांग्रेस पेज 5

पाठकों से

तकनीकी कारणों के चलते हम आज आठ पृष्ठों का **विकसित भारत समाचार** दे पा रहे हैं। इसके लिए हमें खेद है। गुरुवार से पुन: 12 पृष्ठों का अपना अखबार आप पा सकेंगे।

प्रबंधक
विकसित भारत समाचार

असम में होगा लोस और विस सीटों का परिसीमन : ईसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (ईसी) ने मंगलवार को कहा कि उसने असम में विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन शुरू कर दिया है और सीटों के समायोजन के लिए 2001 जनगणना के आंकड़ों का उपयोग किया जाएगा। आयोग ने कहा कि प्रक्रिया पूरी होने तक राज्य में नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन पर एक जनवरी, 2023 से प्रभावी प्रतिबंध लगा दिया गया है। आयोग ने बताया कि परिसीमन अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत, असम में निर्वाचन क्षेत्रों का अंतिम परिसीमन 1971 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर 1976 में तत्कालीन परिसीमन आयोग द्वारा प्रभावी किया गया था। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 8ए के अनुसार असम की विधानसभा और संसदीय सीटों के पुनर्निर्धारण का कदम केंद्रीय कानून मंत्रालय के एक अनुरोध के बाद शुरू किया गया है। परिसीमन एक विधायी निकाय वाले देश या राज्य में क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा या सीमाओं को निर्धारित करने की प्रक्रिया है। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे व अरुण गोयल के नेतृत्व वाले आयोग ने असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिया है कि वह एक जनवरी 2023 से राज्य में परिसीमन की कवायद पूरी होने तक नई प्रशासनिक इकाइयों के निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए राज्य सरकार के साथ मामला उठाएं। असम की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 20 मई, 2026 को समाप्त होगा। राज्य में अभी 14 लोकसभा, 126 विधानसभा और -शेष पृष्ठ दो पर

बारह घंटे का इटानगर बंद शांतिपूर्वक संपन्न

इटानगर(हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) के पेपर लीक मामले में 13 सूत्री मांगों के समर्थन में ऑल निशी स्टूडेंट्स यूनियन (आनसू) द्वारा आहूत 12 घंटे का राजधानी परिसर इटानगर बंद मंगलवार को शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। बंद आज सुबह करीब 5 बजे से शुरू हुआ, जहां हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी *अरुणाचल बचाओ, हमारी मांगों को पूरा करो* और राज्य सरकार और राज्य विषेश जांच सेल (एसआईसी) के खिलाफ नारे लगाते हुए सड़कों पर जुलूस निकाला गया। इस बंद के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। सभी सरकारी निजी कार्यालय, दुकानें, स्कूल, कॉलेज आदि बंद रहे। हालांकि, बंद का आह्वान शांतिपूर्वक संपन्न हो गया, लेकिन इसका असर आम जनजीवन विशेषकर -शेष पृष्ठ दो पर

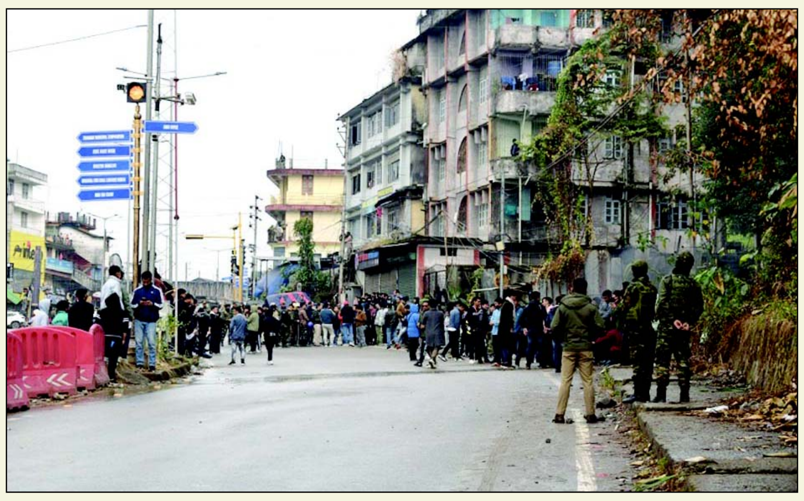

मणिपुर में जेड यू एफ के साथ शांति समझौता

नई दिल्ली। केंद्र और मणिपुर सरकार ने मणिपुर में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए राज्य में एक दशक से भी अधिक समय से सक्रिय विद्रोही गुट जेलियांग्रोंग यूनाइटेड फ्रंट (जेड यू एफ) के साथ आज यहां हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत जेड यू एफ मणिपुर में अपनी गतिविधियों को समाप्त करेगा। इससे राज्य में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय एवं मणिपुर सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और जेड यू एफ -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा : डीए/डीआर में 12 फीसदी की बढ़ोतरी

अगरतला। त्रिपुरा की माणिक साहा सरकार ने मंगलवार को सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को नए साल को तोहफा दिया है। आपको बता दें कि त्रिपुरा सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत भत्ता (डीआर) में 12 प्रतिशत बढ़ोतरी की है। जो दिसंबर 2022 से प्रभावी होगा। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बताया कि राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए डीए/डीआर में 12 फीसदी बढ़ोतरी किया गया है। जिसके बाद डीए बढ़कर 20 फीसदी हो गया और यह दिसंबर 2022 से प्रभावी होगा। सरकार के इस फैसले से 1 लाख से अधिक कर्मचारियों और 80,800 पेंशनरों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बताया कि इस निर्णय से 1,04,600 नियमित कर्मचारियों और 80,800 पेंशनरों को लाभ होगा। इसके अलावा अंशकालिक कर्मचारियों को भी फायदा होने वाला है क्योंकि उनके पारिश्रमिक लाभ को लगभग -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

सुप्रभात

एक अकेला पहिया नहीं चला करता।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

नई शिक्षा नीति 26 जनवरी से लागू होगी : प्रधान

डेहरी ऑन सोन (हि.स.)। बिहार में रोहतास जिले के गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय जमुहार में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन मंगलवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत विश्व मानवता का धरोहर है। भारत जैसा प्रजातंत्र दुनिया के किसी डीएनए में नहीं है। मैकाले ने हमारी आस्था पर चोट लगाने का काम किया। 26 जनवरी 2023 वसंत पंचमी के दिन नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों को सही इतिहास पढ़ाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति इतिहास को सुधारने का मौका देती है। केवल जोरावर सिंह, फतेह सिंह भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

जनता के सेवक पर न्यायपालिका को भी सोचना होगा : रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि देशवासियों की ओर से चुने गए प्रतिनिधि जनता के सेवक हैं। उनकी देश की जनता के प्रति जवाबदेही है। न्यायाधीशों को भी ऐसा सोचना होगा। किरेन रिजिजू ने कहा, हम जनता के लिए काम कर रहे हैं। जो न्यायपालिका में काम कर रहे हैं उन्हें भी ऐसा ही सोचना चाहिए। इसी के साथ उन्होंने ये भी -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र सरकार पर कर्ज का बोझ 147.19 लाख करोड़

नई दिल्ली। सरकार की कुल देनदारी सितंबर के अंत में बढ़कर 147.19 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले जून तिमाही में यह 145.72 करोड़ रुपए थी। सार्वजनिक कर्ज के ताजा आंकड़ों के अनुसार, प्रतिशत के हिसाब से तिमाही आधार पर चालू वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में इसमें एक प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वित्त मंत्रालय की तरफ से मंगलवार को सार्वजनिक कर्ज प्रबंधन पर जारी तिमाही रिपोर्ट के अनुसार, इस साल सितंबर के अंत में सार्वजनिक कर्ज, सकल देनदारी का 89.1 प्रतिशत रहा जो 30 जून को समाप्त तिमाही में 88.3 प्रतिशत था। इसमें कहा गया है कि करीब 29.6 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियां (निश्चित या परिवर्तनशील ब्याज वाली प्रतिभूतियां) पांच साल से कम अवधि में परिपक्व होने वाली हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी तिमाही के दौरान केंद्र सरकार ने प्रतिभूतियों के -शेष पृष्ठ दो पर

कोरोना से चीनियों की जान बचा रहीं भारत की दवाएं

नई दिल्ली। चीन में कोरोना के बीएफ.7 वेरियंट ने हाहाकार मचा रखा है। यहां इस वैरिएंट से बड़ी संख्या में लोग संक्रमित हो रहे हैं। चीन में कोरोना के तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत में भी लोग काफी चिंतित हैं। कहते हैं आप किसी अच्छे इंसान से कितनी भी नफरत कर लो लेकिन अंत में काम तो वही आता है। भारत का पड़ोसी मुल्क चीन कोरोना की तबाही से जूझ रहा है। अस्पतालों में दवाएं और दुकानों में कफन नहीं बचे हैं। और तो और शमशानों में कई किलोमीटर लंबी लाइनें भी लगी हुई हैं। ऐसे में अब भारत की दवाएं ही चीनियों की जान बचा रही है। ड्रैगन आधिकारिक तौर पर दवाएं नहीं मंगा रहा है। वर्ना दुनिया में उसके मेडिकल साइंस की पोल खुल जाएगी। इसलिए लोग ब्लैक मार्केट के जरिए भारत की दवाएं खरीदने पर मजबूर हैं। चीन ने इस साल दो कोविड एंटी वायरल को मंजूरी दी। फाइजर के पैक्सलोविड और अजवुडिन। लेकिन ये दोनों कुछ खास अस्पतालों में ही उपलब्ध हैं। इसके अलावा इसकी कीमतें इतनी ज्यादा हैं कि आम चीनी नागरिक उनको नहीं खरीद पा रहा। ऐसी स्थिति वो भारत की लेकिन अवैध रूप से आयातित जेनेरिक दवाओं का विकल्प चुन रहे हैं। वैसे आपको बता दें -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस का पलटवार

नई दिल्ली। भाजपा ने भूमि खरीद मामले को लेकर सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा पर जबरदस्त तरीके से हमला किया है। भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा याचिका खारिज किए जाने का हवाला देते हुए गांधी परिवार को कट्टर पापी परिवार और भारतीय राजनीति का सबसे भ्रष्ट परिवार करार दिया। अब इसी पर कांग्रेस का भी पलटवार आया है। कांग्रेस की ओर से रणदीप सिंह सुरजेवाला और पवन खेड़ा ने आज एक प्रेस वार्ता की। इस -शेष पृष्ठ दो पर

अगले 24 घंटों में पड़ेगी कड़ाके की ठंड, आईएमडी का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हाड़ कंपाने वाली सर्दी से लोगों का हाल-बेहाल है। इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति बनी रहेगी और उसके बाद तीन से चार दिनों तक घना कोहरा छाया रहेगा। हालांकि आईएमडी ने यह भी कहा, इसकी तीव्रता और प्रसार इसके बाद कम होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि हल्की हवा और निचले क्षोभमंडल स्तरों में उच्च नमी के कारण, अगले 24 घंटों के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों और उत्तरी राजस्थान में अलग-अलग इलाकों में घना से -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी के भाई का एक्सीडेंट, चार घायल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद मोदी की मर्सिडीज कार का मंगलवार को कर्नाटक में एक्सीडेंट हो गया। हादसे में प्रह्लाद मोदी के पोते का पैर फ्रैक्चर हो गया। वहीं, प्रह्लाद मोदी समेत परिवार के चार लोग घायल हो गए हैं। सभी को इलाज के लिए मैसूर के जे एस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक हादसा मैसूर के पास मंगलवार -शेष पृष्ठ दो पर

2022 में अल्पसंख्यकों पर मेहरबान रही मोदी सरकार

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर अल्पसंख्यकों को लेकर कई बार प्रश्न खड़े करने का प्रयास होता रहता है। अनेक अवसरों पर विरोधियों की कोशिश रहती है कि कैसे अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमान और ईसाईयों के नाम पर मोदी सरकार को घेरा जाए, जबकि इसके इतर जब से केंद्र में मोदी सरकार आई है, वह अल्पसंख्यकों को लगातार सौगातें देती जा रही है। बात यदि साल 2022 की करें तो यह अल्पसंख्यकों के मामले में उनके लिए कई उपलब्धियों से भरा साबित हुआ है। अल्पसंख्यकों के सर्वांगीण विकास के लिए पहले कभी ऐसा देखने में आया कि इतना धन रखा गया हो, जितना कि लगातार मोदी सरकार रख रही है। सरकार ने अल्पसंख्यक मंत्रालय के लिए अपने बजट में 5020.50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया। इससे पहले वर्ष 2021-22 में मंत्रालय के लिए 4810.77 करोड़ रुपए आवंटित था। हालांकि संशोधित आवंटन में इस राशि को 4346.45 करोड़ रु. किया गया, फिर भी यह पिछले वित्त वर्ष के आंकड़े के मुकाबले 674.05 करोड़ रुपए अधिक रहा है। इसी प्रकार 2014 से केंद्र में मोदी सरकार आने के बाद से देखा जा सकता है कि सरकार धीरे-धीरे अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ हर साल बजट में राशि बढ़ाती जा रही है। अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम की धारा 2 (ग) के तहत छह समुदाय को केंद्र सरकार ने अल्पसंख्यक के तहत अधिसूचित किया है। ये हैं- मुस्लिम, ईसाई, जैन, बौद्ध, पारसी और सिख लेकिन इस बढ़े हुए बजट में यदि लाभ लेने की स्थिति को देखें तो इसमें सबसे अधिक लाभ मुसलमानों को मिल रहा है। तमाम योजनाओं में बढ़चढ़ कर आवेदन करने वाले यही हैं। इसके बावजूद देश में ऐसे मुसलमानों की कोई कमी नहीं, जो प्रधानमंत्री मोदी -शेष पृष्ठ दो पर

http://www.
देश-विदेश की छोटी-बड़ी खबरों के लिए देखें :
विकसित भारत समाचार
E-Paper : www.goodluckpublications.com
www.vbslive.in

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सेना के लिए खरीदे जाएंगे बेहतर सुरक्षा स्तर वाले 80 हजार बैलिस्टिक हेलमेट

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय सेना के पैराट्रूपर्स और विशेष बलों के लिए खरीदे गए एयरबोर्न हेलमेट में खराबी मिलने के बाद अब सरकार ने 80 हजार बैलिस्टिक हेलमेट खरीदने के लिए मंजूरी दी है। पहले खरीदे गए हेलमेट की गुणवत्ता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अभ्यास ड्रिल के दौरान 25 एयरबोर्न हेलमेट आसमान में ही सैनिकों के सिर से उतरकर जमीन पर आ गिरे। बिना हेलमेट के ड्रिल पूरी करने के दौरान सैनिक घायल हुए। इसके बाद सेना को हेलमेट की गुणवत्ता में सुधार करने की सिफारिश की गई, जिस पर नए हेलमेट खरीदने का फैसला लिया गया है। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 22 दिसंबर को सशस्त्र बलों और भारतीय तटरक्षक के लिए 84,328 करोड़ रुपये के 24 पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों की आवश्यकता की स्वीकृति को मंजूरी दी है। इसमें सेना के लिए 354 जोरावर लाइट टैंक, 480 फ्यूचरिस्टिक इन्फैंट्री लड़ाकू वाहन, 300 माउंटेड गन सिस्टम की मंजूरी शामिल है। इसके अलावा प्रस्तावों में नेवल एंटी-शिप मिसाइल, मल्टी-पर्पज वेसल्स, मिसाइल सिस्टम की नई रेंज, लॉन्ग रेंज गाइडेड बम और नेक्स्ट जनरेशन ऑफशोर पेट्रोल वेसल्स शामिल हैं। स्वीकृत प्रस्तावों में सैनिकों के लिए बेहतर सुरक्षा स्तर वाले बैलिस्टिक हेलमेट की खरीद भी शामिल है। दरअसल, भारतीय सेना के पैराट्रूपर्स और विशेष बलों के लिए हाल ही में खरीदे गए हवाई हेलमेट गुणवत्ता के मामले में दोषपूर्ण साबित हुए हैं। अभ्यास ड्रिल के दौरान एक यूनिट के 25 सैनिकों के एयरबोर्न हेलमेट आसमान में ही सिर से उतरकर जमीन पर आ गिरे। इसी तरह दूसरी यूनिट के सैनिकों ने 5 हेलमेट हवा में ही खो दिए। दोषपूर्ण एयरबोर्न हेलमेट के कारण पैरा जंप के दौरान पच्चीस पैराट्रूपर्स के चेहरे, कंधे और कान में चोटें आईं। आर्मी एयरबोर्न ट्रेनिंग स्कूल और दो विशेष बल इकाइयों ने हवा में छलांग लगाने के दौरान सैनिकों के घायल होने पर एयरबोर्न हेलमेट में कई कमियों को उजागर किया। विशेष बल इकाइयों का कहना था कि हवाई अभ्यास के दौरान हजारों फीट की ऊंचाई पर विमान से छलांग लगाने के बाद नीचे उतरने की गति काफी तेज होती है। इस दौरान आसमान में कई साथी सैनिकों की आसपास मौजूदगी के चलते हवा में हेलमेट खोना विशेष रूप से खतरनाक हो सकता है। जांच में पता चला कि ठुड्डी की ढीली फिटिंग और साइड फास्टिंग स्ट्रैप के कारण हेलमेट हवा में उतरे, जिससे सैनिकों को मामूली चोटें आईं। एयरबोर्न हेलमेट की कमियां उजागर होने के बाद बेहतर गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके लिए रक्षा मंत्रालय के गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय को भी शामिल किया गया। पैरा इकाइयों के लिए एयरबोर्न हेलमेट का लाइव जंप के दौरान परीक्षण मूल्यांकन करने के बाद 2016 में इन्हें सेना में शामिल करने के लिए उपयुक्त पाया गया था।

कोविड को लेकर नगांव प्रशासन सतर्क

नागांव (निसं)। पड़ोसी देश चीन और अन्य देशों में कोविड-19 के प्रकोप के बाद से राज्य का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट है। नगांव शहर वायरस पांव नहीं पसारे इसके लिए जिला प्रशासन सतर्क हो गए हैं और लागत कारवाई में जुट गई है। शहर के जिला उपायुक्त नरेंद्र कुमार शाह ने आज भोगेश्वरी फुकनानी सिविल अस्पताल के सभागार में एक अहम बैठक की। बैठक में कोविड रोगियों को चिकित्सा सेवाएं कैसे प्रदान की जाए, इसके लिए प्रारंभिक तैयारियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में जिला आयुक्त नरेंद्र कुमार शाह, नागांव जिला संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य डॉ. अरूपज्योति महंत, अतिरिक्त उपायुक्त प्रशांत कुमार बोरा (स्वास्थ्य) उपस्थित थे। मौके पर कई वरिष्ठ चिकित्सक, स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कर्मचारी और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। बैठक के बाद, नागांव जिला उपायुक्त नरेंद्र कुमार शाह ने भोगेश्वरी फुकनानी सिविल अस्पताल के परिसर में कोविड-19 अस्पताल के बुनियादी ढांचे और स्थितियों का जायजा लिया।

नगांव में चोरी की कोशिश

नगांव (हि.स.)। नगांव के जोखलाबांधा इलाके में स्थित एक दुकान में चोर द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम दिए जाने की कोशिश किए जाने का मामला सामने आया है। मोबाइल जंक्शन नामक दुकान के मालिक ने मंगलवार की सुबह बताया कि बीती देर रात 12.20 बजे दुकान बंद थी और मैं दुकान के अंदर लैपटॉप पर कुछ काम कर रहा था।

भारी मात्रा में नदी में मरी हुई मछली मिलने से सनसनी

करीमगंज (हि.स.)। करीमगंज जिला के लंगाई नदी में जहर डालकर मछलियों को मारे जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मंगलवार की सुबह नदी में काफी संख्या में मरी हुई मछलियों को देखा गया। स्थानीय लोगों ने आशंका व्यक्त किया है कि नदी में जहर डालकर मछलियों को मारा गया होगा। नदी से पीने का पानी लोगों तक पहुंचाया जाता है। काफी संख्या में मछली मरने के बाद लोगों के बीच नदी के पानी को लेकर भय का माहौल देखा देखा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर साल इसी महीने में नदी में काफी मछलियां मरती हैं। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उपद्रवियों द्वारा नदी में जहर डाला गया है। जिसकी वजह से भारी संख्या में मछलियां मर गई। स्थानीय लोगों ने नदी में जहर डालने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है।

कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष ने महाराष्ट्र सरकार के प्रस्ताव की निंदा की

चेन्नई। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने महाराष्ट्र विधानसभा में पारित, कर्नाटक के मराठी भाषी गांवों को शामिल करने के प्रस्ताव की निंदा करते हुए कहा कि पड़ोसी राज्य को एक भी गांव नहीं दिया जाएगा। शिवकुमार ने कहा कि इस मुद्दे पर पूरा कर्नाटक एकजुट है और महाराष्ट्र विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव की कड़ी निंदा करता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरा कर्नाटक और कांग्रेस पार्टी हमारे राज्य के गांवों को महाराष्ट्र में शामिल करने के उनके प्रस्ताव की कड़ी निंदा करती है। हम इसके खिलाफ अपना विरोध व्यक्त करते हैं। हम कर्नाटक से एक भी गांव देने के लिए तैयार नहीं हैं और हम भी उनके गांव नहीं चाहते हैं। हमारी सीमाएं तय हैं। यहां पत्रकारों से उन्होंने कहा कि कर्नाटक में हर कोई राज्य के हितों की रक्षा के लिए एकजुट है। शिवकुमार ने कहा कि कन्नड़ भाषा, हमारे गांवों और राज्य की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। हम इस मुद्दे पर हर तरह का सहयोग करने के लिए तैयार हैं। हम उनके प्रस्ताव का विरोध करते हैं, हम इसे विधानसभा में भी उठाएंगे और कांग्रेस इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश करने के लिए तैयार है। दोनों राज्यों में सीमा विवाद के बीच महाराष्ट्र विधानसभा ने कर्नाटक के 865 मराठी भाषी गांवों को राज्य में शामिल करने के लिए मंगलवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र

विधानमंडल के दोनों सदनों में यह प्रस्ताव पेश किया। शिवकुमार ने महाराष्ट्र के नेताओं पर जानबूझकर अशांति पैदा करने के लिए लोगों को उकसाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम सभी को एकजुट होना चाहिए और आइए हम सब मिलकर अपने राज्य के गौरव की रक्षा करने का प्रयास करें। कर्नाटक विधानसभा ने पिछले सप्ताह सर्वसम्मति से महाराष्ट्र के साथ लगी सीमा को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें राज्य के हितों की रक्षा करने और अपने पड़ोसी राज्य को एक इंच जमीन नहीं देने का संकल्प लिया गया था।

हादसे का शिकार हुए युवा की मदद के लिए सीएम ने बढ़ाया हाथ

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के निजी क्षेत्र के अग्रणी अस्पताल गेट अस्पताल की सफलता की एक और कहानी सामने आई है। गेट अस्पताल में गौरव पॉल नामक युवा को नई जिंदगी मिली है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा गौरव पॉल के लिए देवदूत की तरह खड़े रहे। दुर्घटना का शिकार हुए युवा की मदद के लिए मुख्यमंत्री ने अपना हाथ आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने युवा को चिकित्सा खर्च के लिए 1 लाख रुपये दिए, मुख्यमंत्री ने बाद में फिर से वित्तीय सहायता का आश्वासन दिया। कनक चंद्र पाठक मेमोरियल फाउंडेशन के माध्यम से गेट अस्पताल के सीएमडी डॉ. वेदब्रत पाठक ने उपचार प्रतिपूर्ति की पेशकश की। एक माह पहले मालीगांव में साइकिल से कार्यस्थल जा रहे गौरव को तेज रफ्तार बाइक ने रौद दिया था। जिसके बाद वह बेहोश हो गया। सिर में गंभीर चोट लगने के बाद गंभीर हालत में गेट अस्पताल में भर्ती गौरव काफी समय तक बेहोश था। गौरव की रिकवरी की उम्मीद सिर्फ 25 प्रतिशत थी, लेकिन गेट अस्पताल के डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के प्रयास से गौरव अब पूरी तरह से स्वस्थ हो गया है। गौरव को गेट अस्पताल में नया जीवन मिला। स्वस्थ होने के बाद वह गेट अस्पताल का चक्कर लगा रहे हैं। गौरव अस्पताल के गेट के साथ सेल्फी लेकर यादों को कैद करने की कोशिश किया। संक्षेप में गेट अस्पताल के चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा, गेट अस्पताल के सीएमडी डॉ. वेदब्रत पाठक की मदद पूरी तरह से गौरव के लिए वरदान बन गयी, जिसे वह याद कर भावुक हो उठता है।

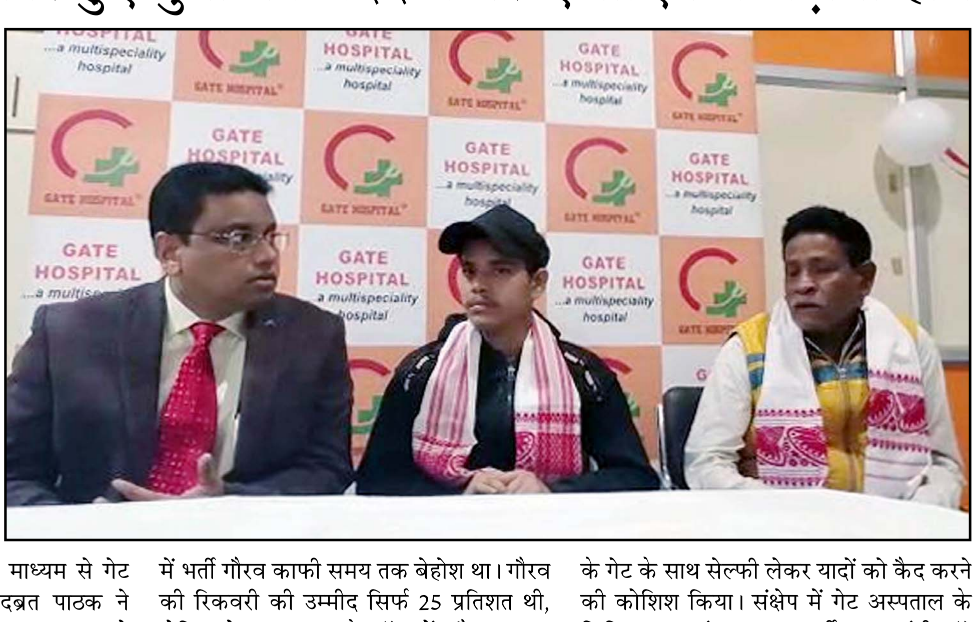

पृष्ठ एक का शेष

असम में होगा लोस ...

सात राज्यसभा सीटें हैं। चुनावी प्रक्रिया में लोकतांत्रिक रूप से सभी को समान अवसर मिलता है। समय के साथ भौगोलिक रूप से जनसंख्या घटती-बढ़ती है। इस स्थिति में सभी का रूप से प्रतिनिधित्व हो सके, इसलिए निर्वाचन क्षेत्र का पुनर्निधारण किया जाता है। बढ़ती जनसंख्या के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को सही ढंग से बांटने में परिसीमन प्रक्रिया का अहम होती है। इसका उद्देश्य भी यही है कि हर वर्ग के स्थानीय नागरिक को प्रतिनिधित्व का समान अवसर मिले। परिसीमन के दौरान अनुसूचित जाति, अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के हितों को सुरक्षित रखने के लिए आरक्षित सीटों का भी निर्धारण किया जाता है।

बारह घंटे का ...

सामान्य समुदाय पर पर पड़ा। इस मौके पर आनसू के अध्यक्ष नबाम डोडुम ने कहा कि हमने राज्य सरकार को 13 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा था। हाल ही में सरकार ने 13 में से 4 बिंदुओं पर आश्वासन दिया गया था, लेकिन हम सरकार के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। राज्य सरकार के खिलाफ आह्वान और हमें सरकार और एसआईसी पर विश्वास नहीं रहा, क्योंकि एसआईसी का नियंत्रण राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। संभवतः एसआईसी राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार जांच कर रही होगी। पहले हम एसआईसी पर भरोसा करते थे लेकिन जब से हमने इस मामले की जांच पर गौर किया तो पाया कि एसआईसी केवल आकांक्षी द्वारा दिए गए इनपुट के अनुसार गिरफ्तार कर रही है और अतिरिक्त काम नहीं कर रही है। यहां तक कि एसआईसी भी ठीक से जांच नहीं कर रही है, जिसका असर कानूनी लड़ाई पर पड़ेगा और आरोपित आसानी से बाहर हो सकते हैं। हम उच्च स्तरीय अधिकारियों और उनके परिजनों की उचित जांच की मांग कर रहे हैं, लेकिन जांच एजेंसी आज तक उन पर जांच करने में नाकाम रही। इस मामले के अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य अधिकारी खुलेआम घूम रहे हैं। उनकी मांग है कि 2014 से आज तक पेपर लीक में शामिल राज्य सरकार के सभी आरोपित अधिकारियों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के लिए तत्काल बर्खास्त किया जाए। इस बीच जिला प्रशासन ने आज के बंद को रोकने का पूरा प्रयास किया, लेकिन इसमें वे असफल रहे। हालांकि इस मामले की जांच पहले एसआईसी कर रही थी, बाद में राज्य सरकार ने इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी है। एपीपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले की जांच की मांग को लेकर 12 घंटे के बंद को सफल बनाने के लिए हजारों प्रदर्शनकारी आज राजधानी शहर में सड़कों पर उतर आए। बंद के मद्देनजर संभावित अशांति से बचने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 52 पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

मणिपुर में जेड...

के प्रतिनिधियों ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की उपस्थिति में मंगलवार को समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के अनुसार सशस्त्र समूह के प्रतिनिधियों ने हिंसा छोड़ने और कानून द्वारा स्थापित शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने पर सहमति व्यक्त की है। इस समझौते में सशस्त्र कैडरों के पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन का प्रावधान है। समझौते के बुनियादी नियमों के कार्यान्वयन की देख-रेख के लिए एक संयुक्त निगरानी समूह का गठन किया जाएगा।

त्रिपुरा : डीए/डीआर ...

दोगुना कर दिया गया है। साथ ही उन्होंने बताया कि डीए/डीआर में 12 फीसदी की बढ़ोतरी करने के निर्णय से प्रति माह 120 करोड़ रुपए और प्रति वर्ष 1,440 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि आएगी। इसी बीच उपमुख्यमंत्री जिष्णु देबबर्मा ने बताया कि सरकारी कर्मचारियों का डीए और लाभार्थियों की पेंशन नहीं बढ़ाने के लिए आलोचना की गई। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अधिकतम लोगों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचना है। हम साहसी कदम उठाकर राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए एक मानक स्थापित करना चाहते हैं। उपमुख्यमंत्री जिष्णु देबबर्मा के पास वित्त विभाग की जिम्मेदार है। ऐसे में यह पूछे जाने पर कि सालाना 1,440 करोड़ रुपए के अतिरिक्त बोझ का प्रबंधन कैसे किया जाएगा? उन्होंने जवाब दिया कि यह संसाधनों की कमी के बीच प्रभावी ढंग से वित्त प्रबंधन की एक कला है। लोगों को अधिकतम लाभ देने के लिए थोड़ा साहस और हृदय की आवश्यकता होती है। इसी बीच यह पूछे जाने पर कि क्या इसे नए साल के तोहफे के रूप में देखा जाएगा या चुनावी उपहार के रूप में? जिष्णु देबबर्मा ने कहा कि यह लोगों का परसेप्शन है कि वो इसे कैसे देखते हैं। आपको बता दें कि पूर्वोत्तर में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होने हैं।

केंद्र सरकार पर ...

जरिये 4,06,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं। जबकि उधारी कार्यक्रम के तहत अधिसूचित राशि 4,22,000 करोड़ रुपए थी। वहीं 92,371.15 करोड़ रुपए लौटाए गए हैं। सरकार ने जुलाई-सितंबर तिमाही में नकदी प्रबंधन के लिए अल्प अवधि की प्रतिभूतियों के जरिये कोई राशि नहीं जुटाई है। इस दौरान आरबीआइ ने सरकारी प्रतिभूतियों के लिए कोई खुली बाजार गतिविधियां आयोजित नहीं कीं।

कोरोना से चीनियों ...

कि भारत ने चीन की इस संकट से निपटने में मदद के लिए हाथ बढ़ाया है और बुखार की इन दवाओं के निर्यात को बढ़ाने के लिए तैयार है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हम चीन के हालात पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। हम फार्मेसी के क्षेत्र में हमेशा से ही दुनिया की मदद के लिए आगे रहे हैं। इससे पहले चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि देश *नई कोविड स्थिति* का सामना कर रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों से संक्रमण के मामलों में में अचानक आई तेजी से निपटने के लिए नए लक्षित उपाय करने का आग्रह किया। यह पहली बार है जब देश में भयावह हुई स्वास्थ्य स्थिति को लेकर उन्होंने कोई बात कही है। शी ने अपने नए निर्देश में कहा कि अधिक लक्षित देशभक्तिपूर्ण स्वास्थ्य अभियान चलाए जाने चाहिए क्योंकि देश कोविड-19 महामारी को लेकर नई स्थिति का सामना कर रहा है।

भाजपा के आरोपों ...

दौरान दोनों नेताओं ने जबरदस्त तरीके से भाजपा पर निशाना साधा। रणदीप सुरजेवाला ने तो साफ तौर पर कह दिया कि नफरत की दुकान चलाने वाले मानसिक बेवकूफी के भी शिकार हो गए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राजस्थान के बीकानेर में कांग्रेस की सरकार ने एक हजार बीघा जमीन छीन ली। जबकि सच्चाई इसके उलट है। सुरजेवाला ने आगे कहा कि 8 साल से आप एक जमीन का पर्चा लिए घूम रहे हैं, जब इलेक्शन नजदीक आता है तो आप पर्चा भेज देते हैं। अगर कोई कसूर था तो आप चालान भेज देते। इसके साथ ही कांग्रेस ने कहा कि वाड्रा एवं उनकी कंपनी इस प्रकरण में जालसाजी के शिकार हुए, जबकि असली कसूरवार भाजपा के लोग हैं। उन्होंने दावा किया कि इस मामले में मोदी सरकार के फरमान पर बाद में प्रवर्तन निदेशालय ने वाड्रा को सम्मन किया जबकि वह खुद इस मामले में पीड़ित पक्ष थे। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने वाड्रा और उनकी कंपनी के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की है। पवन खेड़ा ने कहा कि आज भाजपा ने राजस्थान में जमीन खरीदी के मामले में एक और झूठ बोला जिसमें उन्होंने रॉबर्ट वाड्रा पर गलत तरीके से जमीन खरीदने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि हरियाणा में जब कांग्रेस की सरकार थी तब भी किसानों की जमीन हड़पी गई। राजस्थान में कांग्रेस सरकार के दौरान भी किसानों की जमीन हड़पी गई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि किसान से लो, रॉबर्ट वाड्रा को दो। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस लिए राजस्थान सरकार ने जमीन का अधिग्रहण किया था? ये सोचते हैं कि ये कानून से ऊपर हैं... इन्हें मैं स्पष्ट कर दूं कि मोदी जी की ईमानदारी और जांच एजेंसियों के जज्बे के आगे आज भ्रष्टाचारी थर-थर कांप रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ना खाता ना बही, जो सोनिया जी कहें वही सही। राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार ने *पापी परिवार* के आदेश पर ऐसे लोगों को भी जमीन अलॉट कर दी जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है। भ्रष्टाचार को गांधी उर्फ पापी परिवार आसमान तक लेकर गया है।

अगले 24 घंटों ...

बहुत घना कोहरा जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा, आईएमडी ने बताया कि अगले तीन दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में घना कोहरा छाने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, अगले तीन दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा शीतलहर और घने कोहरे की चपेट में रहने की संभावना है। वहीं इस कड़ाके की सर्दी में एक राहत देने वाली भी खबर सामने आई है, बता दें कि उत्तरी पंजाब, उत्तरी हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में दिन के तापमान में सुधार हुआ। वहीं आईएमडी के वैज्ञानिक आरके जेनामणि ने कहा कि पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान और दिल्ली में कड़ाके की ठंड जारी है। आरके जेनामणि ने आगे बताया कि 29 दिसंबर को पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में सुधार होगा, जिससे जम्मू-कश्मीर, लेह और हिमाचल प्रदेश में ताजा बर्फबारी होगी। वहीं 29 दिसंबर को उत्तरी पंजाब में बूंदाबांदी होने की संभावना है।

पीएम मोदी के ...

दोपहर दो बजे हुआ। प्रह्लाद अपनी पत्नी, बेटे, बहू और पोते के साथ बांदीपुर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी मर्सिडीज एक रोड डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में मर्सिडीज कार बुरी तरह से डैमेज हो गई। उसका अगला पहिया निकलकर अलग हो गया। एक्सीडेंट की जानकारी मिलते ही मैसूर की एसपी सीमा लटकर मौके पर पहुंचीं। उन्होंने मौके का मुआयना किया, इसके बाद घायलों से मिलने अस्पताल के लिए रवाना हो गईं।

2022 में अल्पसंख्यकों ...

और भाजपा को पानी पी-पीकर कोसते हैं। इसके बावजूद बिना भेदभाव के सुशासन के मॉडल पर काम करती हुए मोदी सरकार दिखाई देती है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के आंकड़ों को देखें तो जब से केंद्र में मोदी सरकार आई है तब से अब तक 4 करोड़ 43 लाख 50 हजार 785 प्री-मैट्रिक छात्रवृत्तियां दी गई हैं। इनमें 52.24 फीसदी बेटियों की हिस्सेदारी है। 57 लाख 06 हजार से अधिक पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तियों में 55.91 फीसदी पर बेटियां और 10 लाख 2 हजार 72 योग्यता सह-साधन छात्रवृत्ति में 37.81 फीसदी बेटियों को यह प्रदान की गई हैं। इस साल 11 अक्तूबर को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन लड़कियों के लिए गैर-पारंपरिक आजीविका में कौशल पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का गवाह बना। जहां पर *बेटी बने कुशल* में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, महिला और बाल विकास मंत्रालय व कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्र सरकार ने साल 2022 में प्रधानमंत्री विकास योजना के तहत विभिन्न गतिविधियों को शुरू किया गया, जिसमें प्रमुख रहा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास और वित्त निगम के माध्यम से 14 लाख 12 हजार 425 महिला लाभार्थियों को ऋण प्रदान किया जाना। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय समग्र पोषण (पोषण अभियान) प्रधानमंत्री की व्यापक योजना के राष्ट्रीय एजेंडे में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहा है। इस पहल के तहत मंत्रालय ने लगभग 8 लाख महिला लाभार्थियों तक अपनी पहुंच बनाई है। इस साल 79 हजार 200 भारतीय हज यात्रियों ने मेहरम के बिना हज में हिस्सा लिया। साथ ही पहली बार भारतीय हज समिति ने सभी हज यात्रियों के लिए मरकजिया में रहने की व्यवस्था की। सरकार ने इस साल प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन *पीएम विकास योजना* की परिकल्पना की थी। इसके तहत सरकार की मंशा रही, वह मौजूदा पांच योजनाओं- सीखो और कमाओ (एसएके), उस्ताद, हमारी धरोहर, नई रोशनी और नई मंजिल का विलय करते हुए अधिकांश घरों में उजियारा बिखेर सके। दरअसल *प्रधानमंत्री विकास* का लक्ष्य एक परिवार- केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना है, जिसमें कारीगर परिवार, महिला, युवा और अलग-अलग दिव्यांगों पर विशेष ध्यान देने के साथ सभी अल्पसंख्यक समुदायों के लाभार्थियों को लक्षित किया गया। योजना के अंतर्गत चार घटक कौशलता और प्रशिक्षण घटक, क्रेडिट सहायता के साथ नेतृत्व और उद्यमिता घटक, विद्यालय छोड़ने वालों के लिए शिक्षा घटक और मंत्रालय की पीएमजेवीके योजना की सहभागिता में अवसंरचना विकास घटक पर आज देश भर में तेजी से काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के तहत सामाजिक-आर्थिक विकास की कमी वाले चिह्नित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अनेक कार्य चल रहे हैं। सरकार ने इसे 2025-26 तक जारी रखने को अपनी मंजूरी दी है। इस संशोधित पीएमजेवीके योजना में अब अल्पसंख्यक आबादी की सघनता का दायरा बढ़ा दिया गया है। इसके फलस्वरूप दूरदराज के अल्पसंख्यक भी लाभान्वित हो रहे हैं। इतना ही नहीं तो अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने इसरो के राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र के सहयोग से इस योजना के तहत निर्मित बुनियादी ढांचे की जियो टैगिंग शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि इस योजना में विभिन्न परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसमें कि विद्यालय भवन, आवासीय विद्यालय, छात्रावास, आईटीआई, स्वास्थ्य परियोजनाएं जैसे कि अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र, सद्भाव मंडप, सामुदायिक भवन, खेल परियोजनाएं, खेल परिसर, कामकाजी महिला छात्रावास इत्यादि शामिल हैं। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य के केंद्रीय मंत्री रहे मुख्तार अब्बास नकवी का कहना है कि विश्व भर में रहने वाले हर दस मुसलमान में से एक मुसलमान भारत का है, जो कि सामाजिक, आर्थिक या संवैधानिक दायरे में रहते हुए हर तरह की स्वतंत्रता के साथ यहां रहता है। उन्होंने कहा कि भारत में तीन लाख से ज्यादा मस्जिदें हैं। हजारों चर्च, गुरुद्वारे, बौद्ध प्रार्थना घर, पारसी और जैन मंदिर हैं। देश में 50 हजार से ज्यादा पंजीकृत मदरसे और इतने ही अन्य अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान हैं। आज ये सभी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की अनेकता में एकता को दर्शाने वाले श्रेष्ठ उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों के दौरान आप देख सकते हैं कि मोदी सरकार के बिना भेदभाव के विकास के अपने संकल्प को पूरा करने का कार्य किया है और वह इसे आगे भी इसी तरह जारी रखेगी।

नई शिक्षा नीति 26 ...

नायक नहीं हो सकते है। भारत के हर जिले में उदाहरण और नायक हैं। विविधता का मतलब हमारा भाव एक है राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भाषा को प्रमुखता दी गई है। जब तक मातृभाषा को प्रमुखता नहीं दी जाएगी तब तक बच्चों को सही तरीके से शिक्षा नहीं दी जा सकती। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारत संबंधित अध्ययन को बढ़ावा देने का काम किया है। प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार सभी भाषा राष्ट्रीय भाषा है। नई पीढ़ी को जोड़ने के लिए टेक्नोलॉजी का प्रयोग करने की जरूरत है। विश्व के 140 देशों को हमने करुणा का संदेश दिया है। डेढ़ सौ टीवी चैनल स्कूल के लिए समर्पित किए जा रहे हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद किया। कहा कि अब प्रतिरोध का जमाना चला गया। 500 करोड़ वैश्विक नागरिकों का केंद्र बिंदु भारत है। 7000 वर्ष पूर्व मूर्ति बनने का प्रमाण इसी इलाके में मिला है। इतिहास भविष्य को बताता है। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गोपाल नारायण सिंह ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। इसके पूर्व अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के बालमुकुंद पांडेय, हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के कुलपति प्रोफेसर सत्यप्रकाश बंसल समेत ने कई ने अपनी बात रखी।

जनता के सेवक पर ...

कहा कि संविधान सबसे पवित्र किताब है और मोदी सरकार देश को संविधान से चलाएगी। उन्होंने सोमवार को कहा कि कोई इसे बिगाड़ने की कोशिश करेगा को देश की जनता को इसके बारे में सोचना होगा। इसी के साथ उन्होंने ये भी साफ किया कि उच्च न्यायपालिका और सरकार के बीच कोई टकराव नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने आगे कहा कि *प्रतिबद्ध* न्यायाधीशों से सरकार का तात्पर्य उन लोगों से है जो राष्ट्र के लिए प्रतिबद्ध हैं न कि कार्यपालिका के लिए। सोमवार देर शाम को अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के 16वें अधिवेशन में रिजिजू ने कहा कि आपने सुना है कि कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच मनमुटाव है और सरकार न्यायपालिका को अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रही है। कुछ राजनीतिक दल इस तरह के बयान देते हैं और कई बार समाचार चैनल खबरों में मसाला रखने के लिए ऐसा करते हैं। लेकिन पीएम मोदी ने हमेशा कहा है कि संविधान सबसे पवित्र किताब है और देश संविधान से ही चलेगा। रिजिजू ने कहा कि इस सरकार के लिए, न्यायाधीशों को देश के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए न कि कार्यपालिका के लिए। कुछ के लिए, प्रतिबद्ध न्यायपालिका का मतलब अपने अधिकारियों के प्रति प्रतिबद्ध होना है, लेकिन हमारे लिए *प्रतिबद्ध* होने का मतलब राष्ट्र के लिए है। उन्होंने कहा, जनता की ओर से चुने गए प्रतिनिधि जनता के सेवक हैं। उनकी देश के लोगों के प्रति जवाबदेही है। संविधान के दायरे में काम होना चाहिए।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

इच्छा दुख का रूप है, उठति वासना धार।
इच्छा में सब कर्म है, शुभ अरु अशुभ विचार॥ 29॥

शब्दार्थ : (इच्छा) सुखोपभोग की अभिलाषा (शुभ) अच्छा (अशुभ) बुरा।

भाष्य : इच्छा दु:ख का रूप है। इच्छा द्वारा ही कर्म होता है और कर्मोपभोग हो कर वासना चित के अंदर हो जाती है और वासना संस्कार रूप हो कर कर्म करने के लिए जीव को बार-बार वाध्य करती है। इच्छा से ही शुभाशुभ समस्त कर्म जीव करता है।

क्षय होय अन्तर वासना, तब पूरण वैराग।
नहिं तो अन्तर राग है, चाह विषय रस जाग॥ 30॥

शब्दार्थ : (क्षय) विनाश (राग) विषय-भोग की इच्छा (जाग) जागृत।

भाष्य : अन्तर-वासना के क्षय होने पर ही पूर्ण वैराग्य प्रकट होता है। जब अन्तर में राग, विषय-इच्छा बनी हुई है, तब उसकी प्राप्ति के लिए इंद्रियां समय पाकर सचेष्ट होने लगेंगी इसलिए चित से अत्यंत वासना के नाश हो जाने पर ही पूर्ण और वपित्र वैराग्य आत्मा के अंदर प्रकट होता है। वासनाओं के संस्कार योग द्वारा ही नष्ट होंगे एवं आत्मा अंतर्मुख हो अध्यात्म-क्षेत्र की ऊंची प्रगति को पारकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आगे बढ़ेगी।

ऊपरी असम में भारी ओलावृष्टि से सैकड़ों घर क्षतिग्रस्त, कई बीघा फसल नष्ट

गुवाहाटी (विभास)। ऊपरी असम के तिनसुकिया और डिब्रूगढ़ जिलों में कई स्थानों पर भारी ओलावृष्टि से गांवों के 250 से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा है। कई एकड़ फसल तबाह होने की जानकारी है। इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। असम के मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया है। जानकारी के मुताबिक ऊपरी असम के डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिलों में सोमवार रात और मंगलवार सुबह ओलावृष्टि हुई। इससे जिले में व्यापक नुकसान हुआ है। मोरन अनुमंडल में प्रारंभिक आकलन के अनुसार, 37 गांवों में 210 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा ने कहा कि तेज ओलावृष्टि के कारण मोरान और तिंगखोंग राजस्व मंडल के तहत आने वाले कई घरों को कथित तौर पर नुकसान पहुंचा है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे हुए नुकसान का विस्तृत आकलन करें। सरकार इससे प्रभावित सभी लोगों की हर संभव मदद करेगी। इस बीच, असम के तिनसुकिया जिले के डिगबोई में मंगलवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना पेंगेरी स्थित जानकीपुर चाय बागान की है। जानकारी के अनुसार तीनों आज सुबह चाय बागान में काम करते समय आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। हालांकि रहत की बात यह है कि इस प्राकृतिक आपदा में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार को देर रात एवं मंगलवार तड़के मोरन, तिंगखोंग, नहरकटिया और अन्य इलाकों में ओलावृष्टि हुई। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इससे जिले में भारी नुकसान हुआ है और मोरन अनुमंडल में शुरुआती आकलन के अनुसार, 37 गांवों में 210 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि डिब्रूगढ़ ईस्ट रेवेन्यू सर्कल के तहत एक सरकारी लोअर प्राइमरी स्कूल प्रभावित हुआ था। लाहोवाल इलाके में नागचपारी एलपी स्कूल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि तेज ओलावृष्टि के कारण मोरन और तिंगखोंग राजस्व मंडल के तहत कई घरों को नुकसान होने की खबर है। उन्होंने ट्विटर पर कहा कि अधिकारियों को नुकसान का विस्तृत आकलन करने का निर्देश दिया है। सरकार इससे प्रभावित सभी लोगों की हर संभव मदद कर रही है। इस बीच, गुवाहाटी में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने एक बुलेटिन में कहा कि अगले 24 घंटों के दौरान अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बर्फबारी होने की बहुत संभावना है। केंद्र ने आगे बताया कि शेष अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं आरएमसी ने पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए येलो अलर्ट जारी किया है और कहा है कि सात राज्यों में अलग-अलग स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।

बरपेटा में नाबालिग लड़की पर एसिड अटैक, तीन दिन के अंदर दूसरी वारदात

बरपेटा (विभास)। राज्य से पिछले तीन दिन में एसिड अटैक का दूसरा मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार यानी आज बताया कि बरपेटा में 20 साल के एक व्यक्ति ने कथित तौर पर एक 17 साल की लड़की पर बैटरी का एसिड फेक दिया है, जिस पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक यह वारदात रविवार रात सरथेबारी थाना क्षेत्र के मजदिया गांव में उस समय हुई जब लड़की किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रही थी। आरोपी ने पीड़िता के द्वारा संबंध खत्म करने के बाद एसिड से अटैक किया है। बरपेटा एएसपी प्रदीप सैकिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि पीड़िता और आरोपी के बीच प्रेम संबंध था। हाल ही में लड़की ने उस व्यक्ति के साथ संबंध तोड़ दिया था। इसके बाद आरोपी मेहर अली ने नाबालिग लड़की पर बैटरी एसिड (सल्फ्यूरिक एसिड) से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि लड़की की गर्दन और कंधे पर चोटें आई हैं, जिसको स्थानीय हास्पिटल में इलाज कराया गया और हालत में सुधार होने के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया है। वहीं आरोपी मेहर अली को गिरफ्तार करके मामले की जांच की जा रही है। असम में पिछले तीन दिन के अंदर एसिड अटैक का तीसरा मामला मीडिया रिपोर्ट के अनुसार असम में पिछले 3 दिनों में एसिड अटैक का यह दूसरा मामला है। सोमवार को शोणितपुर जिले के ढेकियाजुली में एक बिजनेस मैन को 30 साल की एक महिला पर एसिड अटैक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

बेदखली अभियान के खिलाफ आमसू का प्रदर्शन, सरकार के खिलाफ नारेबाजी

नगरबेड़ा (निसं)। राज्य सरकार की ओर बरपेटा जिले के बाघबर में चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के बाद ऑल असम माइनॉरिटी स्टूडेंट्स यूनियन (आमसू) की ओर से आज विरोध प्रदर्शन किया गया। आमसू की केंद्रीय समिति की बैनर तले राज्य के विभिन्न जिलों के साथ दक्षिण बरपेटा जिला समिति ने भी जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आज खोलाबांधा-मइरादिया बाजार परिसर में बेदखली बंद करो, मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा मुर्दाबाद, असम सरकार हाय-हाय, चर अंचल को पट्टा आदि नारेबाजी कर माहौल को गर्म कर दिया। आमसू के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में बेदखली के नाम पर केवल अल्पसंख्यकों को परेशान किया जा रहा है। संगठन की ओर से कहा गया कि राज्य सरकार हिटलरवादी शासन के तहत उनके मौलिक अधिकारों को कमजोर कर रही है। संगठन के कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरकार पक्षपात पूर्ण नीति अपना रही है। संगठने सरकार को चेताते हुए कहा कि आगामी दिनों में अगर सरकार इस तरह के पक्षपाती निर्णय के तहत बेदखली अभियान बंद नहीं करती है तो आगामी दिनों में संगठन की ओर से और भी जोरदार अभियान चलाया जाएगा।

दो महिला ठग ने एक आशाकर्मी को लूटा

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के सोनापुर थाना क्षेत्र में एक आशा कर्मी को नशीला पदार्थ पिलाकर सोने-चांदी के गहने के अलावा पैसा लूटे जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि खेत्री थाना क्षेत्र के मालयबाड़ी की आशा कर्मी पार्वती कर को दो महिला ठग ने शीतल पेय में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। जैसे ही पार्वती बेहोश हुई उसके आभूषण के अलावा पैसा लेकर दोनों महिलाएं फरार हो गईं। पार्वती को स्थानीय लोगों ने बेहोशी की हालत में कपालकाटा इलाके से बरामद कर सोनापुर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जानकारी आशा कर्मी के परिजनों को दी। घटना के संबंध में पुलिस एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

आतंक का पर्याय बना नरभक्षी तेंदुआ पकड़ा गया

जोरहाट (हि.स.)। जोरहाट जिला के सटाई वर्षारण्य अनुसंधान केंद्र में दो दिनों से आतंक का पर्याय बने नरभक्षी तेंदुआ को वन विभाग की टीम ने मंगलवार को कड़ी मशक्कत के बाद ट्रेंकुलाइज कर पकड़ लिया। तेंदुआ सोमवार से टियक के सटाई स्थित वर्षारण्य अनुसंधान केंद्र के परिसर को आतंकित किए हुए था। तेंदुआ के इलाके में आने से सबकी नींद हराम हो गई थी। वन विभाग की टीम तेंदुआ को पिंजरे में बंद करने या ट्रेंकुलाइज करने के लिए दिन-रात कोशिश में जुटी हुई थी। हालांकि रात में खराब मौसम होने के कारण वन विभाग तेंदुआ पर काबू नहीं पा सका। आखिरकार आज सुबह वन विभाग के प्रयासों के दम पर नरभक्षी तेंदुए को ट्रेंकुलाइज किया जा सका। राष्ट्रीय उद्यान काजीरंगा की एक विशेष टीम ने तेंदुए को ट्रेंकुलाइज किया। बाद में वन विभाग ने तेंदुआ को पिंजरे में बंदकर अपने साथ ले गया। तेंदुआ के पकड़े जाने पर स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। गौरतलब है कि तेंदुआ पहले भी फॉरेस्टर समेत 17 लोगों पर हमला कर चुका है, जिनका इलाज चल रहा है। इस बीच सोमवार को क्षेत्र के पास घरफलिया गांव में तेंदुए ने कई लोगों पर हमला कर घायल कर दिया था। ऐसे में यह संदेह जताया जा रहा है कि इलाके में कई तेंदुआ खुलेआम घूम रहे हैं और वन विभाग जनता के प्रति सचेत होकर अपना कर्तव्य निभाता नजर आ रहा है।

भारी मात्रा में ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के जालुबारी इलाके में पुलिस की टीम ने अभियान चलाकर भारी मात्रा में हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गुवाहाटी के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर पार्थ सारथी महंत और पुलिस अधीक्षक मध्य जिला के एडीसीपी कल्याण पाठक के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने जालुकबारी के तेतेलिया इलाके में एक फ्लैट में अभियान चलाकर 22 साबुनदानी के अंदर छिपाकर रखे गए भारी मात्रा में हेरोइन जब्त किया। इस दौरान हेरोइन तस्कर आलम अली फरार होने की कोशिश की जिसे पुलिस ने तुरंत धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपित के पास से ड्रग्स के अलावा पुलिस ने नगद 53 हजार 490 रुपए और एक अल्टो कार (एएस-01ईएस-9902) को जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपित प्रारंभिक जांच में पुलिस को बताया कि मेघालय के बोडो उपाधिधारी एक ड्रग्स तस्कर उसे ड्रग्स मुहैया कराता है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

गोलकगंज में आग से घर और दुकान जलकर राख

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिलांतर्गत गोलकगंज के टाइबांधा इलाके में अचानक लगी आग में घरों सहित कई व्यापारिक प्रतिष्ठान जलकर राख हो गए। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया है कि बीती मध्य रात्रि लगभग एक बजे के आसपास लगी आग में 50 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जलकर राख हो गई। मिली जानकारी के अनुसार आग सबसे पहले ताइबांधा में शमेर अली मंडल के घर में लगी थी। देखते ही देखते शमेर अली मंडल का एक घर पूरी तरह से जलकर राख हो गया। आग टाइबांधा बाजार तक फैल गई। टाइबांधा बाजार की चार दुकानें भी जलकर राख हो गईं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

मालीगांव गौशाला में भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा ने की गौ-सेवा

गुवाहाटी। देश के पूर्व प्रधानमंत्री तथा भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की जयंती के उपलक्ष में आयोजित अटल सेवा सप्ताह के तहत भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा असम की ओर से विभिन्न तरह के सेवा कार्य जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को महिला मोर्चा की सदस्य ने मालीगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला में गौ माता के लिए सवामणी के साथ गुड व चारा भी प्रदान किया। इस मौके पर समाजसेवी पितराम केडिया ने सदस्याओ के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रांतीय अध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में आयोजित गौ सेवा कार्यक्रम में महामंत्री डिंपल शर्मा, रेखा गोयल, निर्मला पारीक, सपना सराफ, ममता शर्मा, मधु लुनिया, अनीता गुप्ता, गुलाब दूगड़, अनीता अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजिका बिना जैन, मीना पोद्दार, सरोज शर्मा आदि सदस्याए मौजूद थीं।

गोदाम से 22 लाख से अधिक की चोरी का सामान बरामद

होजाई (हि.स.)। होजाई जिला के लमडिंग इलाके से पुलिस ने भारी मात्रा में चोरी के सामान को एक गोदाम से बरामद किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बीती रात लमडिंग पुलिस और होजाई पुलिस ने संयुक्त रूप से आभियान चलाकर लंका स्थित एक गोदाम से लगभग 22 लाख रुपए के मूल्य के चोरी के सामान बरामद किया है। गुवाहाटी से मणिपुर भेजे जा रहे सामान को चुराकर गोदाम में छुपा कर रखा गया था। गुवाहाटी के शिव शक्ति नामक ट्रांसपोर्ट से 17 दिसंबर को गुवाहाटी से मणिपुर के लिए एक ट्रक (एएस-01एनसी-1665) 22 लाख रुपए से अधिक मूल्य का सामान भेजा गया था। सामान ट्रक से गायब पाया गया। ट्रक को लावारिस अवस्था में एक सप्ताह बाद लंका के बरदोलग के समीप बरामद किया गया। ट्रक का ड्राइवर फोन रिसीव नहीं किया। जिसके बाद ट्रांसपोर्टर और सामान के मालिक ने लंका थाना में पहुंचकर एक प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राथमिकी के आधार पर लंका पुलिस ने जांच के दौरान दो युवक को हिरासत में लिया। जिसके बाद होजाई और लमडिंग पुलिस के सहयोग से लमडिंग के राणा शाह नामक एक व्यक्ति के गोदाम से चोरी के सभी सामान को बरामद कर लिया गया।

युवक की गला रेतकर हत्या की कोशिश

दरंग (हि.स.)। दरंग जिले के सिपाझार के पूर्वी हिस्से में मंगलवार सुबह एक व्यक्ति की गला रेतकर हत्या की कोशिश किए जाने का मामला सामने आया है। युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया गया। घायल व्यक्ति की पहचान ग्राम नीस-सिपाझार निवासी यादव नाथ के रूप में हुई है। नाथ की गर्दन का बड़ा हिस्सा कट गया है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गुवाहाटी रेफर किया गया। इस बीच, मौके से एक दरांती बरामद किया गया।

मास्टर शेफ प्रतियोगिता में असम की शांता शर्मा को मिली एंट्री

गुवाहाटी। कुकिंग रिएलिटी शो मास्टरशेफ इंडिया अपने नए सीजन के साथ लजीज खानपान की दुनिया को एक अनोखी झलक पेश करने जा रहे हैं। जहां दर्शकों को देशभर के अलग-अलग हिस्सों से चुने जाने वाले पकवानों का इंतज़ार है, वहीं इस कुकिंग रिएलिटी शो को लेकर सभी वाकई बेहद उत्साहित हैं। आने वाले साल में 2 जनवरी 2023 से शुरू होने जा रहा मास्टरशेफ इंडिया। इस बहुंप्रतीक्षित मास्टर शेफ प्रतियोगिता शो में असम की बेटी नगांव निवासी कवि पवन शर्मा की धर्मपत्नी शांता शर्मा के चुने जाने पर खुशी की लहर व्याप्त है। ऑल इंडिया मास्टर शेफ एंड फूड रियलिटी शो है जो भारत के विभिन्न राज्यों के साथ दुनियाभर के विभिन्न देशों के खाना पकाने की प्रतियोगिता के माध्यम से पूरे भारत की सर्वश्रेष्ठ पाक कला प्रतिभाओं की खोज करता है। इस शो में जजों की भूमिका निभाएंगे शेफ्स -रणवीर बरार, गरिमा अरोड़ा और विकास खन्ना, जो अलग-अलग कंटेस्टेंट्स के दोबारा बनाए जाने वाले पकवानों को अपनी-अपनी कसौटियों पर रखेंगे और मास्टरशेफ इंडिया का फेमस टाइटल जीतने के लिए देश के सभी हिस्सों से कंटेस्टेंट्स आकर अपने बेमिसाल पकवानों के साथ पैशन से प्रोफेशन तक का अपना सफर शुरू करेंगे। कोलकाता, हैदराबाद और मुंबई में हुए इस शो के ऑडिशंस में चुने गए कुछ लक्कि कंटेस्टेंट्स, जो इस शो का ज़ायका बखूबी समझते हैं, अब असली जंग के मैदान यानी मास्टरशेफ किचन की ओर रुख करेंगे। इन कंटेस्टेंट्स को ये साबित करना होगा कि उनमें टॉप 16 में जगह बनाने की आग है, जो अपने किचन ऐप्रॉन पहनकर आगे के सफर पर चल पड़ेंगे। ये शानदार युद्ध 2 जनवरी 2023 से शुरू होने जा रहा है।

जीआरपी ने 2022 में छह गुना ज्यादा नशीली दवाएं जब्त की

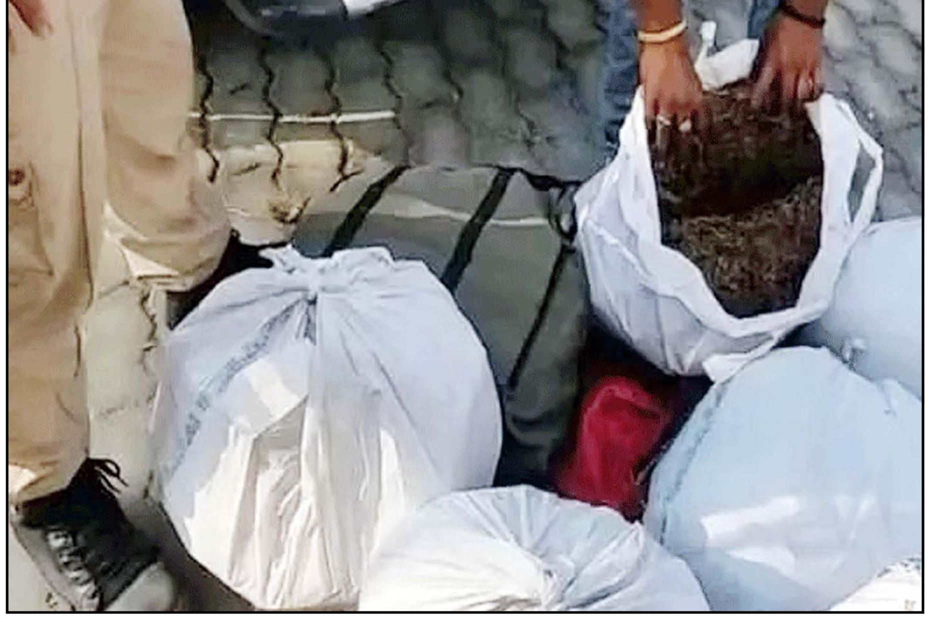

गुवाहाटी (विभास)। असम की जीआरपी (सरकारी रेलवे पुलिस) द्वारा ड्रग्स की जब्ती और पता लगाने में दिसंबर 2022 के अंत तक छह गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। जीआरपी के जवानों ने 26 दिसंबर 2022 तक 33.09 करोड़ रुपए से अधिक का मादक पदार्थ जब्त किया जबकि 2021 में 5.06 करोड़ रुपए मूल्य का मादक पदार्थ जब्त किया गया. जीआरपी के 12 थानों, 18 चौकियों, 11 गश्ती चौकियों और तीन जांच केंद्रों ने मिलकर 3565 किलोग्राम से अधिक मूल्य का गांजा जब्त किया. 17.82 करोड़ रुपए, 51 लाख रुपए की 1,020 ग्राम मॉर्फिन, 1.79 करोड़ रुपए की 36957 नशीली गोलियां, 1.19 लाख रुपए की 170 बोतल खांसी की दवाई, 11.75 करोड़ रुपए की 5875.12 ग्राम हेरोइन/ब्राउन शुगर और 24 किलो से अधिक अफीम 1.20 करोड़ रुपए की 2022 में जीआरपी के जवानों ने एक साल के दौरान 188 मामलों में 183 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। उन्होंने 2021 में 42 मामलों में 34 लोगों को गिरफ्तार किया। जीआरपी कर्मियों ने 2.67 किलोग्राम से अधिक सोना भी जब्त किया, जिससे 2022 में चार मामलों में पांच लोगों की गिरफ्तारी हुई, इसके अलावा वर्ष के दौरान ट्रेनों से 141 टन बर्मी सुपारी जब्त की गई। असम के माध्यम से शेष भारत में जाने वाली दवाएं मुख्य रूप से नागालैंड में डिमापुर और त्रिपुरा में अगरतला से ट्रेनों द्वारा आती हैं। जहां गांजा ज्यादातर मणिपुर से दीमापुर और अगरतला के रास्ते असम आता है, वहीं ड्रग्स मुख्य रूप से म्यांमार से आता है। जीआरपी सूत्रों के मुताबिक म्यांमार से भारी मात्रा में ड्रग्स भारत में आता है, लेकिन तस्कर इसे टुकड़ों में असम के जरिए भारत के बाकी हिस्सों में भेज देते हैं। जीआरपी द्वारा नशे के खिलाफ चलाया गया अभियान अब तक बहुत सफल रहा है। हमारे कर्मियों ने प्राप्त जानकारी और ड्राइव के आधार पर ट्रेनों से ड्रग्स और गांजा जब्त किया। ड्राइव और जब्ती की निगरानी की जा रही थी। असम पुलिस मुख्यालय। उन्होंने कहा कि जीआरपी ने राज्य सरकार को दो और जीआरपी थाने और कामाख्या और जोगीघोपा रेलवे स्टेशनों के बीच इतनी ही चौकियां स्थापित करने का प्रस्ताव भेजा था।

कर्नाटक के 865 मराठी भाषी गांव महाराष्ट्र में शामिल होंगे, विधानसभा में प्रस्ताव मंजूर

– विधानसभा में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रस्ताव पेश किया, एकमत से मिली मंजूरी

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र विधानसभा में कर्नाटक के 865 मराठीभाषी गांवों को महाराष्ट्र में शामिल करने का प्रस्ताव एकमत से मंजूर किया गया है। विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कर्नाटक के 865 मराठी भाषी गांवों को महाराष्ट्र में शामिल किए जाने का प्रस्ताव पेश किया। इस पर चर्चा के बाद एकमत से मंजूरी दे दी गई। मुख्यमंत्री शिंदे ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि किसी भी परिस्थिति में महाराष्ट्र के बेलगाम, कारवार, निपानी, भालकी, बीदर शहरों और कर्नाटक के 865 मराठी भाषी गांवों को शामिल करने के लिए सभी आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट में की जाएगी।

मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि केंद्र सरकार को केंद्रीय गृह मंत्री के साथ बैठक में लिए गए निर्णय को लागू करने के लिए कर्नाटक सरकार से आग्रह करना चाहिए और सीमावर्ती क्षेत्रों में मराठी लोगों की सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने सीमा विवाद पर महाराष्ट्र के सभी दलों को एकसाथ आने पर सभी नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह विवाद महाराष्ट्र के गठन और भाषाई आधार पर राज्यों के गठन के समय शुरू हुआ था। यह सालों से चला आ रहा विवाद है। हम इस मामले में कभी राजनीति नहीं करते हैं और उम्मीद करते हैं कि कोई भी इस पर राजनीति न करे। फडणवीस ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को महसूस करना चाहिए कि समूचा महाराष्ट्र उनके साथ है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार ने कहा कि हमें सीमा विवाद को लेकर लाए गए प्रस्ताव के माध्यम से सीमावर्ती मराठी लोगों को विश्वास दिलाना आवश्यक है। हम दिखाएंगे कि हम सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के साथ खड़े हैं। यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा कि क्या केंद्र सरकार इन विवादित क्षेत्रों को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने की मांग का समर्थन करेगी, क्योंकि मामला फिलहाल अदालत में है। प्रस्ताव पर चर्चा के बाद विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने इस प्रस्ताव को एकमत से मंजूर किया।

शिक्षा व्यक्ति की पूरी क्षमता को अनलॉक करने की कुंजी : राष्ट्रपति

हैदराबाद, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा वह नींव है जिस पर राष्ट्र का निर्माण होता है। यह प्रत्येक व्यक्ति की पूरी क्षमता को अनलॉक करने की कुंजी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज हैदराबाद में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित एक समारोह में केशव मेमोरियल एजुकेशनल सोसाइटी के छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने क्षेत्रीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को प्रदर्शित करने वाले हैदराबाद लिबरेशन मूवमेंट पर एक फोटो प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि केशव मेमोरियल एजुकेशनल सोसाइटी की गतिविधियाँ कई गुना बढ़ गई हैं। यह वृद्धि न्यायमूर्ति केशव राव कोराटकर के आदर्शों को श्रद्धांजलि है जिनकी स्मृति में समाज की स्थापना की गई है। राष्ट्रपति ने कहा कि हैदराबाद की मुक्ति की 75वीं वर्षगांठ का समारोह आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित किया जा रहा है। यह इस क्षेत्र के लोगों और पूरे देश के लिए बहुत महत्व रखता है। उन्होंने रामजी गोंड, तुरेबाज खान, कोमाराम भीम, सुरवरम प्रताप रेड्डी और शोयाबुल्ला खान सहित हैदराबाद की मुक्ति के लिए लड़ने वाले बहादुर नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उनकी वीरता और बलिदान को हमेशा याद किया जाएगा और उनका सम्मान किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल के प्रत्येक जिले में दो अस्पताल कोरोना डेडिकेटेड

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल सरकार ने कोरोना संक्रमण के मद्देनजर राज्य के प्रत्येक जिले में दो राजकीय अस्पतालों को कोरोना डे-डिकेटेड करने का निर्णय लिया है। कोरोना के नए वेरिएंट बीएफ-7 के तेज संक्रमण की रोकथाम के मद्देनजर बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। राज्य स्वास्थ्य समिति के निदेशक एस नियोगी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अभी तक राज्य के मूल निवासियों में एक भी संक्रमण का मामला सामने नहीं आया है इसलिए फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन तैयारियां पहले से की जा रही हैं। इसकी वजह है कि दमदम हवाई अड्डा न केवल पश्चिम बंगाल बल्कि पूर्वोत्तर राज्यों का मुख्य गंतव्य बिंदु है। यहां दुनियाभर से आने वाले लोग उतरते हैं और न केवल बंगाल के विभिन्न हिस्सों में बल्कि असम, त्रिपुरा, मेघालय, मणिपुर, नगालैंड जैसे राज्यों के लिए भी जाते हैं। इसलिए यहां दूसरे राज्यों के मुकाबले संक्रमण अधिक रहता है। इसीलिए हमलोगों ने तैयारियां पूरी रखी हैं। राज्य के सभी जिलों में दो राजकीय अस्पतालों को कोरोना डेडिकेटेड कर दिया गया है। बीएफ-7 का संक्रमण दुनिया के अन्य देशों- चीन, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका में हो रहा है, वह बेहद खतरनाक है। चीन में तो मरीजों के लिए अस्पतालों में जगह नहीं बची है जबकि अमेरिका, ब्रिटेन और जापान में भी स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा रही है। ऐसे में निश्चित तौर पर भारत में संक्रमण आएगा और पश्चिम बंगाल भी अछूता रहने वाला नहीं है। इसीलिए पूरे हालात पर नजर रखी जा रही है। स्थिति के मुताबिक कदम उठाया जाएगा। मंगलवार को राज्य स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा तैयारियों के लिए राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों, जिला और अनुमंडल अस्पताल में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एक अन्य अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि पश्चिम बंगाल के विभिन्न अस्पतालों में कोरोना के लक्षणों के साथ जो मरीज भर्ती हो रहे हैं उनकी संख्या बहुत कम है जबकि स्वस्थ होने वालों की संख्या तुलनात्मक तौर पर अधिक है। इसीलिए फिलहाल चिंता तो नहीं है लेकिन संक्रमण बढ़ने पर राज्यवासियों में दहशत होगी। उसे समझते हुए पहले से ही तैयारियां शुरू की गई हैं। फिलहाल 23 जिलों के प्रत्येक दो अस्पतालों में कोरोना डे-डिकेटड यूनिट तैयार कर लिया गया है। एहतियात के तौर पर मरीजों की चिकित्सा व्यवस्था की गई है। इस बार कोशिश होगी कि कोरोना की दूसरी या तीसरी लहर की तरह राज्य में बीएफ-7 से मरने वालों की संख्या भी कम रहे।

नाक से दी जाने वाली वैक्सीन 'इनकोवैक' की कीमतें तय

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) के इंट्रानेजल वैक्सीन, इनकोवैक (आईएनसीओवीएसीसी) की कीमत निजी अस्पतालों के लिए 800 रुपये और सरकारी आपूर्ति के लिए 325 रुपये रखी गई है। इसमें जीएसटी अलग से जोड़ा जाएगा। मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में भारत बायोटेक ने कहा कि वैक्सीन को जनवरी के चौथे सप्ताह से ले सकेंगे। यह कोविन पोर्टल पर उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि इनकोवैक पहली इंट्रानेजल को-विड वैक्सीन है। इसे प्राथमिक दो चरणों और अन्य वैक्सीन के साथ एहतियातन तीसरे डोज के रूप में उपयोग को मंजूरी मिली है। हाल ही में इसे केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएसओ) की मंजूरी मिली थी।

सलमान खुर्शीद के बयान पर विहिप ने कहा 'विनाश काले विपरीत बुद्धि'

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद द्वारा राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से करने पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने इसे विनाश काले विपरीत बुद्धि की संज्ञा दी है। विहिप ने इस बयान के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से माफी मांगने की भी मांग की है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने सलमान खुर्शीद के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा जिस कांग्रेस ने भगवान राम के अस्तित्व को सिरे से नकार दिया था, यहां तक कि देश की सर्वोच्च अदालत में यूपीए सरकार के कार्यकाल में हलफनामा तक दायर कर कह दिया था कि राम तो इस देश में हुए ही नहीं, उस कांग्रेस को आज भगवान राम और उनके खड़ाऊं की याद आ रही है। भगवान राम की तुलना राहुल गांधी से करने को निंदनीय करार देते हुए विहिप ने कहा कि देश का हिंदू समाज इसे कतई स्वीकार नहीं करेगा। कांग्रेस समाप्ति की ओर है और यह बयान विनाश काले विपरीत बुद्धि का परिचायक है। बंसल ने कांग्रेस नेता द्वारा दिए गए इस तरह के बयान के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से माफी मांगने की भी मांग की। वहीं राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से करने की कड़ी आलोचना करते हुए भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस के नेता महापरिक्रमावादी हैं और उन्हें गांधी-नेहरू परिवार के अलावा कोई और नजर नहीं आता है। खुर्शीद के बयान की कड़ी आलोचना करते हुए भाजपा राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने कहा कि चाहे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे हों या सलमान खुर्शीद या कांग्रेस के कोई अन्य नेता, ये सभी महापरिक्रमावादी हैं जिन्हें गांधी-नेहरू परिवार के अलावा कोई और नजर नहीं आता। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को ट्रेडमिल वॉक और फोटोबाजी करार देते हुए चुग ने कटाक्ष करते हुए कहा कि शुक्र है कि भगवान राम को काल्पनिक कथा और कहानी बताने वाले एवं अयोध्या में बाबरी मस्जिद दोबारा बनाने का बयान देने वाले कांग्रेस और कांग्रेसी नेताओं को अब भगवान राम की याद तो आई आगे चुग ने कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए कहा कि यह कांग्रेस का अहंकार है कि उन्होंने गांधी नेहरू परिवार के अलावा किसी और नेता को सम्मान नहीं दिया। सरदार वल्लभ भाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री और नरसिम्हा राव जैसे नेताओं का भी अपमान किया लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के कारण देश की अवसरवादी पार्टियां संकट में हैं।

वाड्रा को लेकर भाजपा ने गांधी परिवार पर साधा निशाना, कहा- राजस्थान सरकार ने दी 125 बीघा जमीन

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को गांधी परिवार पर आरोप लगाया है कि राज्यों में कांग्रेस की स-रकारों के दौरान रॉबर्ट वाड्रा को किसानों की जमीन आवंटित की गई है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान हाई कोर्ट ने रॉबर्ट वाड्रा की जमीन से जुड़े मामले को खारिज करने की उनकी याचिका ठुकरा दी है। हालांकि उन्हें गिरफ्तारी से संरक्षण जारी रहेगा। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आज प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि राजस्थान में 2008-13 के दौरान 125 बीघा जमीन किसानों से लेकर रॉबर्ट वाड्रा को सौंपी गई। भाटिया ने गांधी परिवार के लिए कट्टर पापी परिवार शब्द का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि परिवार का काम किसानों की जमीन हथियाना और उसे दामाद रॉबर्ट वाड्रा को सौंप देना है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 125 बीघा जमीन किसानों से लेकर दो लोगों हरीराम और नाथाराम को आवंटित की गई। दोनों ही नाम फर्जी थे। इनसे यह जमीन आगे स्काईलाइन हॉस्पिटैलिटी को बेची गई, जिसमें रॉबर्ट वाड्रा और उसकी मां पार्टनर है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि हरियाणा और राजस्थान में सरकार में रहते कांग्रेस ने किसानों की जमीन हड़पी और उसे रॉबर्ट वाड्रा को दी। भाजपा सरकार में इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। पुलिस और ईडी की जांच में पता चला कि अशोक गहलोत ने कांग्रेस परिवार के आदेश पर ऐसा किया।

कोविड तैयारियों की समीक्षा के लिए देशभर में हुई मॉक ड्रिल

अजय त्यागी

नई दिल्ली। कोविड संबंधित तैयारियों की जांच के लिए मंगलवार को देशभर के अस्पतालों में मॉकड्रिल आयोजित की गई। इसका मकसद कोविड तैयारियों को जांचना और किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहना है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया तैयारियों का जायजा लेने के लिए सफदरजंग अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान मंडाविया ने मीडिया से बातचीत में कहा कि केन्द्र सरकार कोविड से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसकी तैयारियों का जायजा लेने के लिए देशभर के कई अस्पतालों में आज मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। उन्होंने स्वयं यहां सफदरजंग अस्पताल में कोविड-19 पर आयोजित मॉक ड्रिल का निरीक्षण किया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल की कोविड को लेकर पूरी व्यवस्थित है। ऐसी ही व्यवस्था दूसरे अस्पतालों में भी होनी चाहिए। अगर देश में कोरोना के मामले बढ़े तो हमारे अस्पतालों को पूरी तरह तैयार होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि चीन में कोरोना का कहर लगातार जारी है। ऐसे में कोविड का प्रसार भारत में न होने पाए इसको लेकर केन्द्र सरकार अलर्ट मोड में है। केन्द्र ने राज्यों को भी मुस्तैद रहने की सलाह दी है। बीते 24 घंटे में देशभर में कोरोना के 157 नये मामले सामने आए हैं। इसी क्रम में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मॉक ड्रिल के दौरान लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने आपात स्थिति से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की।

रेलवे के खाली पदों को नहीं भर रही है केन्द्र : कांग्रेस

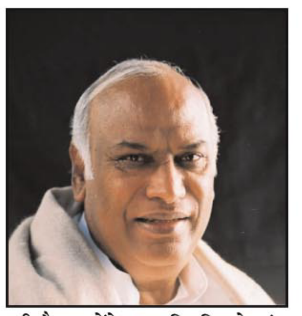

अजय कुमार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि केन्द्र सरकार रेलवे में खाली पड़े पदों पर नियुक्तियां नहीं कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को ट्वीट कर केन्द्र सरकार पर निशाना साधा है। खड़गे ने कहा कि रेलवे में 2,52,738 पद खाली पड़े हैं। इस ओर केन्द्र सरकार ध्यान नहीं दे रही है। इन्होंने कहा कि जबसे केन्द्र में भाजपा की सरकार आई है सरकारी पदों पर ठेका कर्मियों की नियुक्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों में मोदी सरकार ने भारतीय रेलवे में ठेका कर्मचारियों की संख्या तो 33 फीसदी बढ़ा दी है पर स्थाई खाली पद नहीं भरे है। खड़गे ने पीएम मोदी से सवाल किया है कि देश के युवाओं की आकांक्षाओं के साथ ये अन्याय कब तक चलेगा? उल्लेखनीय है कि कांग्रेस बेरोजगारी, महंगाई, अर्थव्यवस्था सहित अनेक मुद्दों को लेकर केन्द्र सरकार पर लगातार हमलावर है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा में भी इन मुद्दों पर कांग्रेस नेता केन्द्र की लगातार आलोचना कर रहे हैं।

एयरपोर्ट पर लगेगी टीचर्स की ड्यूटी भड़का शिक्षक संघ

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। भारत में बढ़ते कोरोना मामलों के बीच दिल्ली सरकार ने ऐसा आदेश दिया है जिसपर शिक्षक संघ भड़क गया है। ने इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई/दिल्ली एयरपोर्ट) पर कोविड प्रोटोकॉल्स का पालन कराने के लिए सरकारी स्कूल टीचर्स और इन स्कूलों के अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने का फैसला लिया है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आशीष कुमार द्वारा को लेकर ये आदेश जारी किया गया है। लेकिन दिल्ली गवर्नमेंट स्कूल टीचर्स एसोसिएशन ने इसका कड़ा विरोध कर रहा है। एसडीएम द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों के करीब 39 टीचर और दूसरे गवर्नमेंट स्कूल स्टाफ की ड्यूटी पर लगाई जा रही है। 31 दिसंबर 2022 से लेकर 15 जनवरी 2023 तक ये शिक्षक और स्कूल कर्मचारी दिल्ली एयरपोर्ट पर कोरोना के नियमों का पालन कराना सुनिश्चित करेंगे। क्योंकि इस बीच दिल्ली में सर्दी की छुट्टियां रहेंगी। आदेश में ये भी कहा गया है कि जो लोग सरकार के इस फैसले को नहीं मानेंगे और अपनी ड्यूटी नहीं निभाएंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली सरकार के इस आदेश का ने तीखा विरोध किया है। सरकारी स्कूल शिक्षक संघ के जेनरल सेक्रेटरी अजय वीर यादव ने कहा बिना किसी आपातकाल और कर्मचारियों की कमी के कोरोना के नाम पर शिक्षकों को रिजर्व बटालियन की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। एयरपोर्ट पर उनकी ड्यूटी लगाना शिक्षकों का उत्पीड़न और अपमान है। स्टेट स्कूल टीचर एसोसिएशन इसका विरोध करता है। दिल्ली शिक्षक संघ के अजय वीर यादव ने कहा कि हम एलजी से इस आदेश को वापस लेने और इसके खिलाफ कदम उठाने की मांग करते हैं।

बढ़ेगी शान! जब अटारी बार्डर पर भारत फहराएगा पाकिस्तानी झंडे से 18 फुट ऊंचा तिरंगा

अमृतसर (ईएमएस)। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की तरफ से जेसीपी अटारी बार्डर पर 418 फुट ऊंचा तिरंगा लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। यह पूरे एशिया में सबसे ऊंचा झंडा माना जाएगा। हालांकि इसके बाद पाकिस्तान की ओर से भी फ्लैग वॉर करने की संभावना है क्योंकि जब 2017 में अटारी बार्डर पर 360 फुट ऊंचा तिरंगा लगाया गया था तब पाकिस्तान ने चीन की मदद से 400 फुट ऊंचा पाकिस्तानी झंडा लगा दिया था जिसमें लिफ्ट व सीसीटीवी कैमरे भी लगे थे। इससे भारत सरकार व झंडा लगाने वाली नगर सुधार ट्रस्ट की भारी किरकिरी हुई थी। अब दोबारा 418 फुट ऊंचा तिरंगा लगाया जा रहा है और पाकिस्तान की तरफ से भी इसका जवाब दिया जाना तय माना जा रहा है। बता दें कि पाकिस्तानी झंडा उनकी टूरिस्ट गैलरी में लगा हुआ है और भारतीय टूरिस्ट गैलरी से भी साफ नजर आता है। लेकिन मौजूदा समय में जेसीपी अटारी पर लगा 360 फुट का तिरंगा भारतीय टूरिस्ट गैलरी में नजर नहीं आता है।

शीतलहर की चपेट में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली कोहरे ने सड़क और रेल यातायात पर लगाया ब्रेक

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्लीवासियों की मंगलवार की सुबह सर्द रही और घने कोहरे के कारण शहर के कुछ इलाकों में विजिबिलिटी कम रही जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ। मौसम विज्ञान कार्यालय ने कहा दिल्ली में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग कार्यालय ने कहा कि घने कोहरे की एक परत और उत्तर से मध्यम बफीर्ली ठंडी हवाएं तापमान में इस भारी गिर-ावट के लिए जिम्मेदार है। मेट कार्यालय ने कहा ठंडी हवाएं उत्तर-पश्चिम भारत में जारी रहेंगी। हालांकि कोहरे की तीव्रता में कमी आ सकती है जिससे दिन के तापमान में मामूली वृद्धि हो सकती है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश दिल्ली और हरियाणा के कुछ हिस्सों में शीतलहर में कमी आ सकती है। न्यूनतम तापमान में भी मामूली वृद्धि हो सकती है। 30 और 31 दिसंबर के आसपास एक और पश्चिमी विक्षोभ की संभावना है। उस दौरान मध्यम बर्फबारी संभव है। नए साल की पूर्व संध्या पर तापमान में एक बार फिर गिरावट आ सकती है। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के अधिकारियों ने मंगलवार तड़के एक एडवाइजरी जारी की और कहा कि उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि वे फ्लाइट शेड्यूल की अपडेट जानकारी के लिए अपने स-र्विस प्रोवाइडर से संपर्क करें। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने एक ट्वीट में कहा लैंडिंग और टेक-ऑफ जारी रहने के दौरान कम विजिबिलिटी ऑपरेशन के लिए उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपडेट फ्लाइट्स की जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। आईएमडी ने कहा हल्की हवा और निचले क्षोभमंडल स्तरों में उच्च नमी के कारण अगले 48 घंटों के दौरान उत्तराखंड पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली और पश्चिम राजस्थान के कुछ हिस्सों में घना कोहरा जारी रहने वाला है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल नहीं होंगे आएलडी चीफ जयंत चौधरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने से आएलडी चीफ जयंत चौधरी ने मना कर दिया है। इससे पहले जानकारी मिली थी कि जयंत चौधरी मायावती और अखिलेश यादव को यात्रा में शामिल होने के लिए न्योता भेजा गया था। बता दें कि तीन जनवरी को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा यूपी में प्रवेश करने वाली है। आरएलडी का कहना है कि जयंत के पहले से तय कार्यक्रम हैं। व्यस्तता के कारण राहुल गांधी की यात्रा में जयंत चौधरी भाग नहीं ले पाएंगे। आपको बता दें कि 3 जनवरी को कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा दिल्ली से लोनी बा-ॅर्डर होते हुए यूपी के गाजियाबाद जनपद में प्रवेश करेगी। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा सिर्फ तीन जनपदों से होकर गुजरेगी लेकिन बीजेपी के तमाम विरोधी दलों को अपने साथ जोड़कर कांग्रेस यूपी में एक बड़ा संदेश देने की कोशिश में है। यही वजह है कांग्रेस ने सपा बसपा और रालोद के अध्यक्षों को भारत जोड़ो यात्रा से जुड़ने का न्योता देने की योजना बनाई। हालांकि इस न्योते को लेकर इन पार्टियों का क्या रुख रहता है ये कहना फिलहाल मुश्किल है। हालांकि माना जा रहा है कि रालोद के जयंत चौधरी राहुल गांधी के साथ यात्रा में शामिल हो सकते हैं। राहुल गांधी यूपी में करीब 110 किमी की पैदल यात्रा करेंगे। आपको बता दें कि 3 जनवरी को कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा दिल्ली से लोनी बॉर्डर होते हुए यूपी के गाजियाबाद जनपद में प्रवेश करेगी। इसके बाद अगले दिन 4 जनवरी को राहुल गांधी बागपत में यात्रा करेंगे और फिर शामली होते हुए हरियाणा में प्रवेश कर जाएगी। राहुल गांधी यूपी में करीब 110 किमी की पैदल यात्रा करेंगे।

दिल्ली सरकार के अस्पताल कोरोना से लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। विश्वभर में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए किसी भी आपातकालीन परिस्थिति से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बाबत मंगलवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में कोरोना से निपटने से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया। उपमुख्यमंत्री ने यहां कोरोना बेड्स की स्थिति, आईसीयू बेड्स की उपलब्धता, मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता, डॉक्टर्स तथा अन्य मे-डिकल व पैरामेडिकल स्टाफ की जरूरी ट्रेनिंग आदि का जायजा लिया और अस्पताल प्रशासन को पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी तैयारियों को बरकरार रखने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि लोकनायक जयप्र-काश अस्पताल में 2000 में से 450 बेड्स कोरोना के लिए आरक्षित किए गए हैं और जरूरत पड़ने पर पिछली बार की तरह इनकी संख्या बढ़ाई जा सकती है। पिछली बार कोरोना के दौरान इस अस्पताल में 25,000 से ज्यादा कोरोना संक्रमितों का इलाज किया गया था। दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों में आज इसी तरह कोरोना से बचाव की तैयारियों, सामान्य व आईसीयू बेड्स की उपलब्धता व मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता का जायजा लिया गया। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार के अस्पताल कोरोना से लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहे हैं और आगे किसी भी स्थिति के लिए हमारे अस्पताल पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि लोकनायक जयप्र-काश अस्पताल में कुल 2,000 बेड्स हैं, जिसमें से अभी 450 बेड्स कोविड के लिए आरक्षित किए गये हैं। जरूरत पड़ने पर हम पिछली बार की तरह अस्पताल व उसके आस-पास के संसाधनों का उपयोग करते हुए कोविड बेड्स की संख्या को कई हजार तक बढ़ा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता पिछली बार की तुलना में कई गुणा बढ़ा दी गई है। यहां पांच पीएसए प्लांट भी लगाये गए हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल की तैयारी इस स्तर की है कि किसी मरीज के आने के पांच मिनट के भीतर उसे अस्पताल में निर्धारित स्थान, जहां उसे इलाज की जरुरत है ,पहुंचा दिया जायेगा और उसका ट्रीटमेंट शुरू हो जायेगा। दिल्ली सरकार के कोरोना की तैयारियों के विषय में बताते हुए सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों में वर्तमान में 8200 कोविड बेड्स आरक्षित हैं व जरुरत पड़ने पर हम बेड्स की क्षमता 25,000 से 36,000 तक बढ़ा सकते हैं। साथ ही दिल्ली सरकार के पास 6,000 से ज्यादा ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन लाने ले जाने के लिए ऑक्सीजन टैंकर, 928 मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन भंडारण की क्षमता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली स-रकार के अस्पताल और स्वास्थ्य निदेशालय कोरोना से लड़ने व दिल्ली के नागरिकों के बचाव के लिए पूरी तरह तैयार है। हमें अभी कोरोना से डरने के बजाय सतर्क रहने की जरूरत है।

दोबारा विधायकों की नब्ज टटोल सकती है कांग्रेस

जयपुर (हिंस)। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा 27 से 30 दिसंबर तक जयपुर दौरे पर रहेंगे। राजस्थान के कांग्रेस प्रभारी रंधावा 27 दिसंबर की रात को जयपुर पहुंचेंगे। वे 28 से 30 दिसंबर की दोपहर तक जयपुर में ही रहेंगे। 28 दिसंबर को होने वाले राजस्थान कांग्रेस के अधिवेशन के तुरंत बाद रंधावा राजस्थान की नब्ज टटोल सकते हैं। इसके तहत रंधावा सबसे पहले दोपहर ढाई बजे से पूर्व राजस्थान कांग्रेस अध्यक्षों, नेता प्रतिपक्षों, पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों और साल 2018 में विधानसभा चुनाव हारने वाले प्रत्याशियों और 2019 में लोकसभा चुनाव हारने वाले सांसद प्रत्याशियों से चर्चा करेंगे। रंधावा की सबसे महत्वपूर्ण बैठक कांग्रेस विधायकों के साथ होगी। यह बैठक 28 या 29 दिसंबर को अस्पताल रोड स्थित कांग्रेस के नए मुख्यालय में होगी। रंधावा की विधायकों के साथ बैठक को अहम माना जा रहा है, क्योंकि 25 सितंबर को कांग्रेस आलाकमान की विधायक दल की बैठक नहीं होने और गहलोत समर्थक विधायकों के इस्तीफे देने के बाद यह पहला मौका होगा जब कांग्रेस आलाकमान का कोई नेता विधायकों से अलग से चर्चा करेगा। हालांकि कहा यह भी जा रहा है कि रंधावा के आने के बाद आधिकारिक तौर पर विधायक दल की बैठक बुलाकर एकजुटता का संदेश देने का प्रयास हो, लेकिन अभी विधायक दल की बैठक तय नहीं है, लेकिन विधायकों के साथ रंधावा की अलग से बैठक अनौपचारिक विधायक दल की बैठक मानी जा रही है। इस अनौपचारिक बैठक के जरिए रंधावा कांग्रेस विधायकों का मन टटोलेंगे कि विधायक क्या चाहते हैं? फिलहाल कवायद इस बात की चल रही है कि रंधावा के साथ विधायकों की वन टू वन बात हो या फिर समूह में, जिस पर अंतिम निर्णय रंधावा के जयपुर आने के बाद लिया जाएगा। 28 दिसंबर को कांग्रेस का स्थापना दिवस भी है। ऐसे में सुबह 9 बजे प्रदेश कांग्रेस के संसार चंद्र रोड स्थित मुख्यालय पर झंडारोहण कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कांग्रेस के नेता-कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। इसके बाद करीब 11.30 बजे जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में कांग्रेस का प्रदेश स्तरीय अधिवेशन होगा, जिसमें संगठन की ओर से राजनीतिक प्रस्ताव और बजट में सरकार जनहित के लिए कौन सी योजनाओं को शामिल करें, इसे लेकर प्रस्ताव पास किया जाएगा। कांग्रेस के अधिवेशन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद डोटासरा के साथ ही प्रदेश के मंत्री, विधायक, पीसीसी सदस्य, बोर्ड निगमों के चेयरमैन और निगम निकाय प्रमुख शामिल होंगे। इन सभी नेताओं से प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सुझाव मेल पर मंगवा भी लिए हैं। सबसे बेहतरीन सुझाव को कांग्रेस पार्टी अपने प्रस्ताव में शामिल करेगी, जो सरकार अपने बजट में शामिल करेगी।

कोरोना प्रबंधन तैयारी के लिए चिकित्सा संस्थानों में मॉकड्रिल आयोजित

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में कोरोना प्रबंधन तैयारी के लिए मंगलवार को जिले के चिकित्सा संस्थानों में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने आरयूएचएस अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि मॉकड्रिल के दौरान चिकित्सा संस्थानों में कोरोना प्रबंधन तैयारी के लिए उपलब्ध बैड, एम्बुलेंस उपकरण, दवाएं एवं मैन पावर का परीक्षण किया गया। इसके साथ ही ऑक्सीजन आपूर्ति उपकरणों तथा जीवन रक्षक उपकरणों मॉकड्रिल कर उनकी क्रियाशीलता सुनिश्चित की गई। इस मौके पर जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने आरयूएचएस अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

आरपीएससी से ही हुआ है पेपर लीक, दोषियों की संपत्ति हो कुर्क : सांसद डॉ. मीणा

जयपुर (हिंस)। भाजपा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने वरिष्ठ शिक्षक भर्ती परीक्षा पेपर मामले में आरपीएससी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि आरपीएससी के कर्मचारियों ने 15 दिन पहले ही सुरेश ढाका और भूपेंद्र को पेपर दे दिया था। इसके बाद न सिर्फ उदयपुर बल्कि, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, अलवर, भरतपुर, दौसा और कोटा में 21, 22, और 24 दिसंबर का पेपर लीक हुआ है। ऐसे में पूरी भर्ती परीक्षा को रद्द कर इस मामले की सीबीआई से जांच होनी चाहिए। उन्होंने दोषियों की संपत्ति कुर्क करने और पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग की है। डॉ. मीणा मंगलवार को पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि नकल प्रकरण में राजस्थान सरकार के कई प्रशासनिक अधिकारी और राजनेता भी शामिल है। अगर सरकार ने ऐसा नहीं किया तो वह जनता के साथ में सरकार के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगे। सांसद मीणा ने सरकार से मांग है कि पेपर लीक में वांटेड अपराधियों की संपत्ति कुर्की या बुलडोजर चलाया जाएगा तो यह पुलिस की गिरफ्त में होंगे। तभी कई बड़े चेहरे बेनकाब होंगे। पूर्व में जिन चार कोचिंग संस्थानों के नाम पेपर लीक में आए उन पर कार्रवाई होती तो शायद इन कोचिंग संस्थानों के मालिक आज इन पेपर लीग में लिप्त नहीं पाए जाते। डॉक्टर मीणा ने दावा किया कि सामान्य ज्ञान का पेपर ही लीक नहीं हुआ बल्कि हिन्दी एवं अंग्रेजी के पेपर भी लीक हुए है। डॉक्टर किरोड़ी मीणा ने बताया कि 21 तारीख को होने वाले पेपर के लिए 240 प्रश्न बच्चों को पढ़ाए गए। क्योंकि इस गैंग को टोटल 240 प्रशन दिए गए थे। आरपीएससी के व्यक्ति ने कहा कि इसमें से ही अस्सी अस्सी प्रश्न आयंगे। जो प्रश्न पहले पेपर में आ जाए तो उन्हें दूसरे दिन ओर तीसरे दिन पेपर में ना पढ़ाया जाए। दूसरे दिन 22 दिसंबर को होने वाली सामान्य ज्ञान की परीक्षा का पेपर 21 दिसंबर की रात को 160 प्रश्न पढ़ाए गए। क्योंकि जो पहले दिन अस्सी प्रश्न आए उन्हें काट दिया गया। इस तरह 24 दिसंबर होने वाले पेपर को 23 दिसंबर की रात को 80 प्रश्न पढ़ाए गए। सांसद मीणा ने बताया कि सुरेश ढाका जयपुर में लम्बे समय से उमंग कोचिंग नाम से कोचिंग चलाता है। इस कोचिंग का पेपर लीक में नाम आने के बाद ढाका ने इसका नाम अधिगम कोचिंग कर दिया। पूर्व में पेपर लीक पर जो पत्रकार वार्ता में भी सुरेश ढाका का फिक्र किया था, किंतु इसके विभिन्न नेताओं से रसूको के चलते पुलिस ने इस पर हाथ नहीं डाला। इस बार भी पेपर लीक के बाद फरार हो गया। इसके दूसरे साथी भूपेंद्र उर्फ भूपी इसके साथ मिलकर पेपर लीक करते हैं।

किसानों को नहीं मिल रहा फसल खराब होने का मुआवजा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार के दावों के बावजूद किसानों को समय पर अपनी खराब फसलों का मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। विधानसभा में शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को कांग्रेस विधायक आफताब अहमद ने जब यह मुद्दा उठाया तो उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि बैंक खाते वेरीफाई नहीं होने के कारण किसान सरकारी खजाने में पड़ी मुआवजा राशि नहीं ले पा रहे हैं। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जिला उपायुक्तों को भी निर्देश दिए जाएंगे कि वे संबंधित विधायकों के साथ बैठक कर उन्हें विधानसभा क्षेत्र वार ट्रेजरी में मुआवजे का कितना पैसा पड़ा हुआ है, उसकी जानकारी दें, ताकि विधायक किसानों से संपर्क कर उनसे बैंक खाता वेरिफाई करवाने में सहयोग कर सकें।

विभाग को चूना लगाने वालों पर जीएसटी की छापेमारी

जालंधर। सर्दियों के सीजन में गर्म कपड़ों की बिक्री में तेजी देखने को मिल रही है व इसी तेजी का फायदा उठाकर शोरूम व इससे जुड़े व्यापारियों द्वारा टैक्स में गड़बड़ियां करके विभाग को चूना लगाया जा रहा है। इसी तरह की एक सूचना के आधार पर जीएसटी विभाग द्वारा पुरानी सब्जी मंडी स्थित नाहौरियां बाजार के मैसर्ज चोपड़ा गारमैंट्स पर छापेमारी करके कई तरह की अनियमितताएं पकड़ी गई हैं। इस पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने व्यापार में इस्तेमाल होने वाला मोबाइल फोन, बिल, रजिस्टर, कच्ची पर्चियों सहित अहम दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। रैडीमेड गारमैंट की सेल में कम टैक्स स्लैब लगाने संबंधी मिली सूचनाओं के आधार पर डीसीएसटी (डिप्टी कमिश्नर ऑफ स्टेट टैक्स) अजय कुमार द्वारा असिस्टैंट कमिश्नर जालंधर-2 शुभि आंगरा को बाजार पर पैनी नजर रखने की हिदायतें दी गईं। शुभि आंगरा द्वारा टीमों का गठन करके मार्कीट से जानकारियां जुटाने की कार्रवाई शुरू करते हुए 2.50 करोड़ की टर्नओवर वाले चोपड़ा गारमैंट्स सहित कई शोरूम शॉर्टलिस्ट किए गए। एसटीओ (स्टेट टैक्स ऑफिसर) शैलेंद्र सिंह ने शहर के पुराने बाजार स्थित मैसर्ज चोपड़ा गारमैंट्स की रेकी शुरू करते हुए कम टैक्स स्लैब लगाने बारे अहम दस्तावेज जुटाए गए। जानकारियां पुख्ता होने पर शुभि आंगरा द्वारा कार्रवाई के आदेश दिए गए। एस.टी.ओ. शैलेंद्र सिंह की अध्यक्षता में नौहरियां बाजार पहुंची जीएसटी जालंधर-2 की टीम ने दोपहर 3 बजे मैसर्ज चोपड़ा गारमैंट्स में छापेमारी करते हुए कई दस्तावेज जुटाए हैं।

अहम बात यह है कि उक्त शोरूम द्वारा टैक्स स्लैब में गड़बड़ी करके 12 प्रतिशत जी.एस.टी. वाले रैडीमेट गारमैंट को 5 प्रतिशत के हिसाब से सेल किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इससे सीधे तौर पर विभाग को टैक्स का चूना लगाया जा रहा है। शोरूम के राजेश चोपड़ा की मौजूदगी में अंदर पड़े माल का पूरा रिकार्ड नोट कर लिया गया है जिसे खरीद बिलों के साथ मिलाना जाएगा। विभाग ने व्यापार में इस्तेमाल होने वाला मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिया है। अधिकारियों का कहना है कि इस मोबाइल पर व्हाट्सअप के जरिए आने वाले कागजात की जांच होगी। पुलिस बल के साथ पहुंचे एसटीओ गुरजीत सिंह, परमिंदर कुमार, इंस्पैक्टर शिव दयाल, कावेरी शर्मा सहित सहायकों की टीम ने 3 घंटे तक रिकार्ड व माल का स्टॉक खंगाला। जांच के दौरान विभाग ने 5 प्रतिशत के हिसाब से बनाए गए कुछ बिलों को भी कब्जे में ले लिया है जोकि अहम कड़ी साबित होंगे।

आशा वर्करों ने मांगों को लेकर विधानसभा घेराव के लिए कूच

पंचकूला (हिंस)। प्रदेशभर की आशा वर्करों ने मगलवार को लंबित मांगों को मनवाने के लिए विधानसभा घेराव को कूच किया। पंचकूला में प्रदेश भर से हजारों की संख्या में आशा वर्कर एकत्रित हुई। इस पुलिस ने सुरक्षा को लेकर भरी पुलिस बल तैनात किया था। चंडीगढ़ व हरियाणा पुलिस की दर्जनो गाड़ियां सहित सैकड़ों पुलिस कर्मियो को सुबह से ही पंचकूला-चंडीगढ़ बॉर्डर पर तैनात किया गया था। पुलिस ने पंचकूला-चंडीगढ़ बॉर्डर पर प्रदर्शनकारी आशा वर्करों को रोका गया। पुलिस द्वारा पंचकूला-चंडीगढ़ बॉर्डर पर हैवी बैरीगेटिंग की गई थी। मौके पर तनाव का माहौल रहा। अपनी मांगों को लेकर प्रदेश भर की आशा वर्कर प्रदर्शन कर रही है। उनका कहना है कि सरकार लगातार आशा वर्कर्स पर ऑनलाइन काम करने, घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाने का और केवाईसी करने, एनसीडी का काम ऑनलाइन करने का दबाव बना रही है। वहीं पिछले 3 साल से आयुष्मान भारत के कार्ड आशा वर्कर्स द्वारा बनवाए जा रहें हैं, जिसकी प्रोत्साहन राशियों का भुगतान आज तक नहीं किया गया है। इतना ही नहीं पिछले पांच वर्षों से आशा वर्कर के मानदेय में किसी तरह की कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, केवल काम ही बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में जनप्रतिनिधि चुनी गई आशा वर्करों को हटाए जाने के विरोध में हाईकोर्ट में अपील की थी कि आशा वर्कर स्वयंसेवी हैं और चुनाव आयोग द्वारा इन्हें चुनाव लड़ने या पद पर बने रहने संबंधी कोई दिशा निर्देश नहीं दिए गए हैं।

हिंदू जागरण मंच का विराट हिंदू सम्मेलन कल

बीकानेर (हिंस)। हिंदू जागरण मंच की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गुरु गोविन्दसिंहजी जयंती पर 29 दिसंबर को विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। हिंदू जागरण मंच के महानगर संयोजक रूपेश आहुजा ने बताया कि हर वर्ष हिंदू जागरण मंच की ओर से गुरु गोविन्दसिंहजी जयंती पर विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया जाता है। कोरोना महामारी के चलते दो वर्ष इस आयोजन को स्थगित रखा गया था, लेकिन इस वर्ष मंच का यह आयोजन सम्पूर्णता को प्राप्त कर रहा है। हिंदू सम्मेलन 29 दिसंबर की शाम चार बजे धरणीधर मैदान में शुरू होगा। यह सम्मेलन के रूप में हिंदू जागरण मंच की वार्षिक बैठक है, जिसमें वर्ष भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार होती है। सम्मेलन में आगुंतक सभी सदस्यों के लिए भोजन की व्यवस्था रहेगी।

राशन डीलर समन्वय समिति की सभी मांगों को किया स्वीकार

जयपुर (हिंस)। राशन डीलर समन्वय समिति की ओर से राजधानी जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में मंगलवार को राशन डीलरों का महासम्मेलन आयोजित किया। जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। इस महासम्मेलन में पहुंचे खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने राशन डीलर समन्वय समिति की सभी मांगों को सहर्ष स्वीकार किया। समन्वय समिति के प्रदेश संयोजक डिंपल शर्मा ने बताया कि राशन डीलर समन्वय समिति राजस्थान जयपुर के तत्वाधान में विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित महा सम्मेलन की कार्यक्रम के अध्यक्ष पारस जैन एवं संरक्षण सत्यनारायण रिणवा ने दीप प्रज्वलित कर की। इस अवसर पर ऑल इंडिया फेयर प्राइज शॉप फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव विशंभर वासु समेत कई कार्यकर्ता ने हजारों राशन डीलर को अपने आव्हान पर बुलाकर आयोजित किया। कार्यक्रम में खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास मुख्य अतिथि रहे। राशन डीलर समन्वय समिति की सभी मांगों को उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। राशन डीलर को 30 हजार मानदेय, 60 वर्ष से ऊपर के डीलर की अनुकंपा नियुक्ति समेत 55 वर्ष पश्चात अपनी मर्जी से उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार भी देने का वादा किया।

अमित शाह से कुलदीप व भव्य बिश्नोई की मुलाकात

हिसार (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई व विधायक भव्य बिश्नोई ने मंगलवार को नई दिल्ली आवास पर गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान भव्य बिश्नोई ने उनसे आशीर्वाद लेते हुए गुजरात एवं आदमपुर उपचुनाव की जीत के लिए उन्हें बधाई दी। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि बेजोड़ संगठनकर्ता, महान व्यक्तित्व के धनी माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी से आज हरियाणा और राजस्थान की राजनीतिक परिस्थितियों बारे विस्तृत चर्चा हुई है। राजनीतिक दूरदर्शिता और भारत के आम जनमानस की सोच के सटीक अंदाजे में उनका कोई सानी नहीं है। देश की राजनीति में उनकी एक अलग विलक्षण पहचान है। राज्यों में सांगठिन तौर पर भाजपा को मजबूती देते हुए उनकी मेहनत का ही परिणाम है कि आज भाजपा पूरे देश की जनता की पंसदीदा पार्टी बन गई है और हर चुनाव दर चुनाव और ज्यादा मजबूत होकर पार्टी आगे बढ़ रही है।

गुरु गोबिंद सिंह प्रकाशोत्सव पर निकाला नगर कीर्तन

जींद (हिंस)। दशम पिता कलगीधर पातशाह गुरु गोबिंद सिंह के 29 दिसंबर को मनाए जा रहे प्रकाशोत्सव के उपलक्ष में नगर कीर्तन का आयोजन मंगलवार को किया गया। नगर कीर्तन में विभिन्न समुदायों के लोगों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी साहिब के समक्ष माथा टेक कर अपनी खुशी का इजहार किया। नगर कीर्तन में श्री गुरु ग्रंथ साहिब को फूलों से सजी पालकी में शानदार ढंग से सुशोभित किया गया तथा पालकी साहिब की अगुवाई गुरु के पंज प्यारों ने की। पीछे-पीछे समुह संगत सतनाम वाहेगुरु एवं गुरबाणी का जाप करती हुई नगर कीर्तन के साथ चल रही थी, जबकि सुखमणी साहिब की सेवादार पांच प्यारों के साथ आगे-आगे सुखमणी साहिब का सिमरण करे हुए झाड़ू की सेवा लगा रही थी। गुरुघर के प्रवक्ता बलविंदर सिंह के अनुसार नगर कीर्तन से पहले अमृत सवेरे श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा साहिब में जाकर अपने गुरु श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका। नगर कीर्तन ऐतिहासिक गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब से दोपहर साढ़े ग्यारह बजे शुरू हुआ। गुरुद्वारा मैनेजर परमजीत सिंह ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह ने अपनी वाणी में कहा था कि सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियान ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं। वहीं अगर आप केवल भविष्य के बारे में सोचते रहेंगे तो वर्तमान भी खो देंगे और जब आप अपने अंदर से अहंकार मिटा देंगे तभी आपको वास्तविक शांति प्राप्त होगी। उनकी यह अनमोल वाणी आज भी लोगों को सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। गुरुघर के प्रवक्ता बलविंदर सिंह ने बताया कि 28 दिसंबर को छोटे साहिबजादों का शहीदी गुरुपर्व होने के कारण नगर कीर्तन दो दिन पहले निकाला जा रहा है। श्रद्धालु हमेशा प्रकाशोत्सव को एक त्योहार की तरह मनाते हैं। इसीलिए 28 दिसंबर को छोटे साहिबजादों के शहीदी गुरुपर्व को मद्देनजर रखते हुए सिंह सभा गुरुद्वारा भारत सिनेमा रोड की संगत द्वारा एक जनवरी को तथा सिंह सभा गुरुद्वारा रेलवे जंक्शन की संगत द्वारा आठ जनवरी को गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया है।

हरियाणा सरकार नहीं बढ़ाएगी गन्ने के दाम

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार इस साल प्रदेश में गन्ने के दाम नहीं बढ़ाएगी। सरकार ने पुराने दामों के आधार पर ही अधिसूचना जारी कर दी है। हरियाणा में इस समय कई जगह किसान गन्ने के दाम बढ़ाने को लेकर पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। किसान संगठन लगातार गन्ने के दाम बढ़ाए जाने की मांग कर रहे हैं। हरियाणा सरकार ने पिछले साल प्रदेश में गन्ने के दाम 362 रुपए प्रति क्विंटल तय किए थे। पड़ोसी राज्य पंजाब की सरकार ने इस बार गन्ने का एमएसपी 380 रुपए घोषित किया है। पंजाब की घोषणा के बाद से ही हरियाणा के किसान आंदोलन की राह पर हैं। प्रदेश में गन्ने की पेराई शुरू हो चुकी है। इसके बावजूद सरकार ने गन्ने के दाम को लेकर अपनी स्थिति साफ नहीं की थी। सोमवार को विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने के बाद सरकार ने देर रात 362 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गन्ना खरीद की अधिसूचना जारी कर दी है।

पंजाब में फिर चलीं गोलियां

लुधियाना। टिब्बा रोड़ पर एक फैक्टरी में कुछ हथियारबंद युवकों ने हमला कर दिया। फैक्टरी मालिक से मारपीट कर आरोपियों ने फायरिंग भी की। जिसमें युवक बाल-बाल बच गया। इसके बाद आरोपियों ने उसके भाई से मापीट की। लोगों के इक्ट्ठा होने पर आरोपी फरार हो गए। सूचना के बाद थाना टिब्बा की पुलिस मौके पर पहुंची। इस मामले में पुलिस ने मोहम्मद नसीर की शिकायत पर लाली, रजत और उनके साथियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, मारपीट और आर्म एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस शिकायत में मोहम्मद नसीर ने बताया है कि वह अपाहीज है। टिब्बा रोड़ स्थित महाराणा प्रताप नगर में उसकी फैक्टरी है। जहां सिलाई मशीनें लगी हुई है, जहां उसके पास 14 कारीगर काम कर रहे है। आरोपी लाली और रजत दोनों भाई है, जोकि उनकी फैक्टरी के सामने रहते है। उक्त आरोपियों ने घर के बाहर बजरी गिरवाई थी। जिससे सिवरेज बंद हो गया था और सड़क बलाक हो गई थी। उसने सड़क से बजरी उठाने के लिए कहा था। इस पर आरोपी रंजिश रखने लग गए और शाम को उसकी फैक्टरी में आकर उसके साथ मारपीट करने लग गए। जब उसके कारीगर इक्ट्ठा हुए तो आरोपी भाग गए। कुछ देर बाद जब उसका भाई मोहम्मद आसिफ फैक्टरी आ रहा था तो आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसे घेर कर लोहे की रॉड से हमला किया और आरोपियों ने इस दौरान गोलियां भी चलाई। जिससे युवक बाल-बाल बच गया। जब इलाके के लोग इक्ट्ठा होने लगे तो आरोपी धमकाते हुए फरार हो गए। फिर घायल आफिस को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। उधर, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

नेकां में कई प्रमुख कार्यकर्ता शामिल

जम्मू (हिंस)। पूर्व मंत्री अब्दुल गनी मलिक की मौजूदगी में जिला रियासी के माहौर इलाके में कई प्रमुख कार्यकर्ता नेशनल कांफ्रेंस में शामिल हुए। इस मौके पर बोलते हुए अब्दुल गनी मलिक ने कहा कि राज्य भर में राजनीतिक कार्यकर्ताओं के पार्टी में शामिल होने से नेशनल कांफ्रेंस जमीनी स्तर पर और मजबूत होगी और लोगों की भलाई के लिए अपनी निर्धारित भूमिका निभाएगी और आशा के एक नए युग की शुरुआत करेगी। पार्टी में शामिल होने वालों में मोहम्मद इस्माइल मलिक सेवानिवृत्त वनपाल, मोहम्मद फारूक मलिक व अन्य शामिल थे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में अब्दुल हमीर लोहार ब्लॉक अध्यक्ष जमस्लान, मोहम्मद कमर दीन मलिक, मोहम्मद इस्साक लिसेरी ब्लॉक अध्यक्ष अरनास शामिल थे।

अनुसूचित जाति के 11 हजार बच्चों को नहीं मिली छात्रवृत्ति

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने कहा कि उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 2020-21 के दौरान अनुसूचित जाति वर्ग के 83 हजार 834 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान कर दी गई है। इनके अतिरिक्त शेष बचे 11 हजार 218 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का भुगतान उनके निजी कारणों से अभी तक नहीं हो पाया है। शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस विधायक किरण चौधरी द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में कहा कि जिन छात्रों को को छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं किया गया है, उन्होंने ऑनलाइन छात्रवृत्ति पोर्टल पर या तो गलत आधार नंबर जमा किया है या उनका आधार नंबर बैंक खातों से नहीं जोड़ा गया है।

विवेकानंद-संदेश यात्रा का जयपुर में भव्य स्वागत

जयपुर (हिंस)। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं विवेकानंद केंद्र राजस्थान प्रांत के द्वारा संचालित 50 दिवसीय विवेकानंद संदेश यात्रा का जयपुर पहुंचने पर भव्य स्वागत 200 फीट बाईपास स्थित होटल प्राइम सफारी में किया गया। इस अवसर पर विवेकानंद केंद्र की डॉ. शीला राय, ओम प्रकाश गुप्ता, चेतन प्रकाश गोयल, कैलाश चंद्र गुप्ता, यात्रा के मुख्य संयोजक रणवीर सिंह त्यागी, भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष आर एस सक्सेना सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। यह संदेश यात्रा होटल ग्रैंड सफारी, गोपालपुरा बायपास से भव्य शोभायात्रा के रूप में त्रिवेणी नगर चौराहे तक पहुंची, जहां समाज के सैकड़ों लोगों ने स्वामी जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किया। शोभा यात्रा में सैकड़ों बच्चे स्वामी विवेकानंद की संपूर्ण पोशाक में नजर आए। यह अद्भुत नजारा जयपुरवासियों ने प्रथम बार देखा।

No. CE/H&UA/Tech/17/PT-II/21-22/97

PRESS NOTICE

The Chief Engineer, H&UA (Technical Cell), Assam on behalf of the Governor of Assam invites proposal from reputed Class-I Contractor/Farm registered under P.W.D, Assam and having extensive experience in the relevant field of work for the following work.

Sl. No	Name of work	Approved value of work (in Lakhs)	Cost of RFP and BID Document	EMD/BID security	Last Day of Submission of Bid
1	Construction of Foothpath cum drain (1000m) in stretches on NH-54 at Silchar Town under CIDF.	₹ 112.83 Lakhs	₹ 2,300.00	Rs. 2.26 Lakhs for unreserved Category & Rs. 1.13 Lakhs for ST/SC/OBC/ MOBC/UGE	10-01-2023

1. Details of the bid may be seen at e-procurement portal website i.e.. www.assamtenders.gov.in and also in the office of the undersigned during office hours from 14:00 hrs of 28-12-2022 to 10-01-2023
2. The BID validity period of the RFP shall be 180 days from the date of submission.
3. The Bidders must be registered with the E-tendering system (ETS) of the Govt. of Assam.
4. The Chief Engineer, H&UA (Technical Cell), Assam reserves the right to accept or reject any or all proposals without showing any reason thereof.

Chief Engineer (Technical Cell)
Department of Housing and Urban Affairs
Assam, Guwahati-03

-- Janasanyog /C/17084/22

संपादकीय

मुफ्त अनाज कितना जरूरी?

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज दिसंबर के बाद भी एक साल तक मिलता रहेगा। कथित गरीबों के लिए एक और सुखद ख़बर है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत 2 रुपए किलो गेहूं और 3 रुपए किलो चावल के तौर पर जो अनाज उपलब्ध कराया जा रहा था, वह भी अब जनवरी, 2023 से एक साल तक 'बिल्कुल मुफ्त' बांटा जाएगा। सरकार के रिकॉर्ड में जो लोग 'गरीब' के तौर पर दर्ज हैं, उनकी बल्ले-बल्ले हो गई है। दरअसल भारत सरकार का यह सरोकार नहीं है कि मुफ्त अनाज के कितने लाभार्थी ऐसे गेहूं, चावल को बाज़ार में बेच देते हैं, क्योंकि उन्हें वह अनाज 'घटिया' लगता है। मोदी सरकार अपना डाटा 'जनवादी' बनाए रखना चाहती है कि वह 81.35 करोड़ गरीब नागरिकों को बिल्कुल मुफ्त अनाज मुहैया करा रही है। बेशक अर्थव्यवस्था पर इसके व्यापक विपरीत प्रभाव न पड़ें और वित्तीय घाटा भी परिधियों के बाहर न हो, लेकिन कुछ सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं कि कोरोना-काल के बाद आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने के बावजूद मुफ्त अनाज बांटते रहना क्या और क्यों जरूरी है? यदि 81 करोड़ से अधिक लोगों को 5 किलो मुफ्त अनाज, प्रति व्यक्ति प्रति माह, मुहैया नहीं कराया जाएगा, तो क्या वे भूखे मर जाएंगे? क्या भारत में इतनी गरीबी और संभावित भुखमरी के हालात हैं? तो फिर गरीबी उन्मूलन योजनाओं का क्या हो रहा है? निःशुल्क अनाज की अवधि बढ़ाने से देश के खजाने पर 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का जो अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, उसके फलितार्थ क्या होंगे? बहरहाल इन दोनों योजनाओं को मिला दें, तो करीब 10 करोड़ टन अनाज मुफ्त बांटना पड़ेगा। यह भारत के कुल अनाज उत्पादन का एक-तिहाई होगा। बीती 1 दिसंबर तक केंद्रीय पूल में, गेहूं और चावल के मौजूदा भंडारण, करीब 5.54 करोड़ टन थे। यह एक साल पहले के भंडारण की तुलना में एक-तिहाई से भी कम अनाज है। भारतीय खाद्य निगम के भंडारण में इतना भी अनाज नहीं है, जितना कोरोना-काल के लॉकडाउन के बाद था। उस अनाज को लोगों में वितरित किया गया। बेशक आजकल कोरोना वायरस की वापसी की संभावनाएं और आशंकाएं जताई जा रही हैं, लेकिन आर्थिक गतिविधियां और उत्पादन बदस्तूर जारी हैं, लिहाजा यह सवाल स्वाभाविक है कि सरकार कब तक मुफ्त अनाज बांटती रहेगी? कमोबेश यह गरीबी और बेरोजग़ारी का वैकल्पिक समाधान नहीं है। दरअसल यह मोदी सरकार का राजनीतिक तौर पर बेहद चतुर निर्णय है। बेशक भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान मुफ्त अनाज मुहैया कराने का प्रचार करे या न करे, लेकिन प्रतीकात्मक तौर पर लोगों के मानस पर इसका प्रभाव रहता ही है। भाजपा कई चुनावों में इस फॉर्मूले को आजमा चुकी है। खासकर महिलाओं पर इस योजना का जबरदस्त सकारात्मक प्रभाव देखा गया है, नतीजतन महंगाई, बेरोजग़ारी, किसानी, असंतोष, सांप्रदायिकता आदि मुद्दों के बावजूद भाजपा को जनादेश मिलता रहा है। 2023 में देश के 9 राज्यों में चुनाव हैं और अधिकतर राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। राजनीतिक तौर पर भाजपा के लिए अग्नि-परीक्षा से कम दौर नहीं होगा, क्योंकि वहीं के जनादेश से 2024 के आम चुनाव की पुख्ता ज़मीन तैयार हो सकती है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने पारित कराया था। उसके तहत तीन-चौथाई ग्रामीण और लगभग आधी शहरी आबादी को सबसिडी पर अनाज हासिल करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त हुआ था। मोदी सरकार ने इसे व्यापकता दी है। अब सबसिडी पर ही नहीं, बल्कि बिल्कुल मुफ्त अनाज हासिल किया जा सकता है। योजनाओं से कितनी 'काली भेड़ें' जुड़ी हैं, यह एक अलग सवाल है और इसका विश्लेषण किया जाना चाहिए। अनाज का उपभोग प्रति व्यक्ति प्रति माह जितना किया जाता है, कमोबेश 5 किलोग्राम अनाज से उसकी करीब आधी जरूरत पूरी हो जाती है। यह राष्ट्रीय सैंपल सर्वे का अभी तक का औसत डाटा है।

> मोदी सरकार अपना डाटा 'जनवादी' बनाए रखना चाहती है कि वह 81.35 करोड़ गरीब नागरिकों को बिल्कुल मुफ्त अनाज मुहैया करा रही है। बेशक अर्थव्यवस्था पर इसके व्यापक विपरीत प्रभाव न पड़ें और वित्तीय घाटा भी परिधियों के बाहर न हो, लेकिन कुछ सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं कि कोरोना-काल के बाद आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने के बावजूद मुफ्त अनाज बांटते रहना क्या और क्यों जरूरी है? यदि 81 करोड़ से अधिक लोगों को 5 किलो मुफ्त अनाज, प्रति व्यक्ति प्रति माह, मुहैया नहीं कराया जाएगा, तो क्या वे भूखे मर जाएंगे।

कुछ अलग

बंद दफ्तरों के आगे

हिमाचल में पिछली सरकार के अंतिम चरण के फैसलों को वर्तमान की चुनौती में देखना जितना आवश्यक है, उतना ही लाजिमी है अर्थ गणित में प्रदेश की प्राथमिकताओं को गतिशील बनाना। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की मानें तो पिछली जयराम सरकार ने तीन हजार करोड़ की होली खेलते हुए, अपने रिवाज बदलने की कोशिश में आर्थिक स्थिति का मुंडन कर दिया। करीब 590 कार्यालयों की फेहरिस्त में अब जवाबदेही ढूंढने का वक्त आया, तो इसे केवल राजनीति के परिप्रेक्ष्य में ही क्यों समझा जाए। यह भी मानना पड़ेगा कि नए संस्थानों की अंधी बारिश के बावजूद न कभी मिशन रिपीट हुआ और न ही इस बार रिवाज बदलने का संकल्प पूरा हुआ। भले ही विपक्ष कार्यालयों के डिनोटिफाइड होने को लेकर राज्यपाल तक पहुंच गया या आने वाले समय में इसको लेकर अदालती मंचन भी करे, लेकिन कहीं तो प्रदेश के लिए हमें सोचना ही पड़ेगा और इस बार यह दायित्व कांग्रेस सरकार का है। बात केवल 590 कार्यालयों के खोलने पर किए गए एतराज तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे आगे यह फैसला लेने की दृढ़ता से पता चलेगा कि जनता को असली संदेश है क्या। सरकार को अगर वित्तीय अनुशासन कामयाब करना है, तो आरंभिक तौर पर पिछली सरकार के फैसले पलटना आसान होगा, मगर यह सवाल नीति-निर्देशों की बानगी में भी देखा जाएगा, ताकि पता चले कि सुक्खू सरकार अपने तौर पर कितनी किफायत से प्रदेश को बचा रही है। यह सत्ता के लाभार्थी पदों पर नई नियुक्तियों, कार्यालयों के युक्तिकरण, अनावश्यक कार्यालयों पर कार्रवाई तथा विकास के समन्वय व प्रादेशिक संतुलन से ही सामने आएगा। प्रदेश में सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता तथा जवाबदेही को प्रदर्शित करते सरकार के इरादे कार्य संस्कृति को कितना सशक्त करते हैं या सरकारी मशीनरी कितनी अनुशासित हो पाती है, यह देखना होगा। नई सरकार के लिए अपने पांव जमाने और कुछ नया कर दिखाने की भले ही चुनावी शर्तें सबसे पहले सामने आ रही हैं, लेकिन स्थायी तौर पर इंस्टीच्यूट बिल्डिंग तथा संस्थानों व कार्यालयों के दायित्व निर्वहन में गुणवत्ता लाने की सबसे बड़ी चुनौती है। बहरहाल कार्यालयों की डिनोटिफिकेशन के तर्क कई अधूरे संकल्पों, अतार्किक फैसलों तथा राजनीतिक अनैतिकता की ओर इशारा कर रहे हैं। ऐसे में क्या वर्तमान सरकार उन तमाम कार्यालयों, संस्थानों, भवनों, विभागों, निगमों व बोर्डों को भी बंद करेगी, जो निरंतर प्रदेश की आर्थिक स्थिति को ही कमजोर कर रहे हैं। सरकारों के अनावश्यक नखरे तो समारोहों के आयोजन तथा सत्ता की परिपाटियों में भी नजर आते हैं, तो क्या हम समझें कि अब ऐसा कुछ नहीं होगा जो अनावश्यक है। सरकार के कठोर फैसलों का स्वागत करने वालों की एक सूची है और इस लिहाज से, मंतव्य को जाहिर करने की ईमानदारी अगर सामने आती है, तो यह सोने पे सुहागा ही होगा। सरकार अगर एक नई परिपाटी के तहत फैसले लेने का सामथ्र्य रखती है, तो एक बार पिछली तमाम सरकारों के मंतव्य और गंतव्य को भी समझ लेना होगा, क्योंकि अब कई बदलाव आ चुके हैं और भविष्य की चुनौतियां भी सख्त हो रही हैं। सरकार को पिछली भाजपा सरकार की 'डबल इंजन' अवधारणा का जवाब खोजना है और साबित भी करना है कि राज्य अपने बूते स्वाभिमान, आत्मनिर्भरता, कार्यप्रणाली और अपने आर्थिक अधिकारों की रक्षा कर सकता है। पहली डगर पर सबसे अहम होगा कि सुशासन की परिपाटी में अपने संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल और फिजूल खर्चियों से हटकर भविष्य के रास्ते खोजे जाएं।

> प्रदेश में सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता तथा जवाबदेही को प्रदर्शित करते सरकार के इरादे कार्य संस्कृति को कितना सशक्त करते हैं या सरकारी मशीनरी कितनी अनुशासित हो पाती है, यह देखना होगा। नई सरकार के लिए अपने पांव जमाने और कुछ नया कर दिखाने की भले ही चुनावी शर्तें सबसे पहले सामने आ रही हैं।

चीन से व्यापार घाटा 100 अरब डालर तक पहुंच सकता है, जो एक रिकार्ड होगा

चीन से बढ़ता आयात कब, कैसे रुकेगा

डा. अश्विनी महाजन

> भारत की चीन पर बढ़ती निर्भरता के मद्देनजर सरकार ने आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत विभिन्न उपाय अपनाए ।सर्वप्रथम 14 उद्योगों को चिन्हित किया गया, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा उपकरण, थोक दवाएं, टेलिकॉम उत्पाद, खाद्य उत्पाद, एसी, एलईडी, उच्च क्षमता सोलर पीवी मॉड्यूल, ऑटोमोबाइल और ऑटो उपकरण, वस्त्र उत्पाद, विशेष स्टील, ड्रोन इत्यादि शामिल थे। बाद में सेमी कंडक्टर को भी इसमें जोड़ा गया। ये वो उद्योग थे जो अधकिांशत : पिछले 20 वर्षों में चीन से बढ़ते आयातों के समक्ष प्रतिस्धर्पा में पिछडऩे के कारण बंद हो गए थे अथवा बंदी के कगार पर थे। चीन के द्वारा हिंसक कीमतों पर डंपिंग, चीन सरकार की नि ति सब्सिडी और तत्कालिक सरकार की असंवेदनशील नीति के तहत आयात शुल्कों में लगातार कमी ने चीनी आयातों को भारत में स्थान बनाने में सहयोग दिया।

वर्ष 2021 के पहले नौ महीनों में जहां भारत में चीन से आयात 68.46 अरब डालर थे, वहीं अब बढक़र वर्ष 2022 के पहले नौ महीनों में 89.66 अरब डालर हो चुके हैं। वर्ष 2021 के पूरे वर्ष में चीन से आयात 97.5 अरब डालर थे और अगर आयातों की यही गति जारी रही तो वे इस वर्ष 120 अरब डालर पहुंच जाएंगे। यूं तो आयात-निर्यात एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन चीन से बढ़ते आयात इस कारण चिंता का सबब बनते हैं, क्योंकि इससे व्यापार घाटा बढ़ता है और देश की विदेशी मुद्रा की देनदारी भी। यदि देखा जाए तो इस वर्ष के पहले नौ महीनों में चीन को कुल निर्यात मात्र 13.97 अरब डालर के थे यानी 75.69 अरब डालर का व्यापार घाटा। माना जा रहा है कि यह वर्ष पूर्ण होने तक चीन से व्यापार घाटा 100 अरब डालर तक पहुंच सकता है, जो एक रिकार्ड होगा। गौरतलब है कि चीन से बढ़ते आयातों और उसके कारण भारत की चीन पर बढ़ती निर्भरता के मद्देनजर सरकार ने आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत विभिन्न उपाय अपनाए। सर्वप्रथम 14 उद्योगों को चिन्हित किया गया, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा उपकरण, थोक दवाएं, टेलिकॉम उत्पाद, खाद्य उत्पाद, एसी, एलईडी, उच्च क्षमता सोलर पीवी मॉड्यूल, ऑटोमोबाइल और ऑटो उपकरण, वस्त्र उत्पाद, विशेष स्टील, ड्रोन इत्यादि शामिल थे। बाद में सेमी कंडक्टर को भी इसमें जोड़ा गया। ये वो उद्योग थे जो अधिकांशतः पिछले 20 वर्षों में चीन से बढ़ते आयातों के समक्ष प्रतिस्पर्धा में पिछडऩे के कारण बंद हो गए थे अथवा बंदी के कगार पर थे। चीन के द्वारा हिंसक कीमतों पर डंपिंग, चीन सरकार की निर्यात सब्सिडी और तत्कालिक सरकार की असंवेदनशील नीति के तहत आयात शुल्कों में लगातार कमी ने चीनी आयातों को भारत में स्थान बनाने में सहयोग दिया। क्यों बढ़ रहे हैं चीन से आयात : आज जब भारत सरकार आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के तहत पीएलआई स्कीम, तकनीकी सहयोग और विभिन्न उपायों के माध्यम से बंद हो चुके अथवा बंदी के कगार पर खड़े उद्योगों को नया जीवन प्रदान करने की कोशिश कर रही है तो ऐसे में क्या कारण है कि उसके बावजूद चीनी आयात बढ़ते ही जा रहे हैं। देखा जा रहा है कि चीनी इलैक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल मशीनरी एवं उसके कलपुर्जे और मध्यवर्ती वस्तुओं के आयात अधिक तेजी से बढ़ रहे हैं। सरकारी तर्क यह है कि चूंकि चीन से

आने वाले आयात अधिकांश मध्यवर्ती वस्तुओं में हैं, इसलिए यह एक अच्छा संकेत है और देश में बढ़ते मैन्युफैक्चरिंग की ओर इंगित करता है। यह भी तर्क दिया जाता है कि देश में चीनी मध्यवर्ती वस्तुओं के आयात पर मूल्य संवर्धन से देश में रोजगार का निर्माण भी होता है। यह भी कहा जाता है कि चूंकि चीन से मध्यवर्ती वस्तुएं सस्ते दामों पर आती हैं, इसलिए उत्पादन लागत भी कम हो जाती है। इस तर्क के आधार पर इकरियर और भूमंडलीकरण समर्थक अन्य आर्थिक संगठन चीन से बढ़ते आयातों को गलत न मानते हुए, बल्कि उन पर आयात शुल्क घटाकर उन्हें और ज्यादा बढ़ावा देने की पैरवी करते हैं। गौरतलब है कि देश में चीनी साजोसामान के भारी विरोध के बावजूद जो चीनी आयात बढ़ रहे हैं, वो इसलिए बढ़ रहे हैं क्योंकि चीन से आने वाले आयातों का एक बड़ा हिस्सा तैयार उपभोक्ता वस्तुओं का नहीं, बल्कि मशीनरी और रसायन समेत अन्य मध्यवर्ती वस्तुओं का है। बड़ा सवाल यह है कि क्या इन मध्यवर्ती वस्तुएं बनाने का सामथ्र्य भारत में नहीं है? शायद यह सही नहीं है। एक देश जो अंतरिक्ष, सॉफ्टवेयर, ऑटोमोबाइल, मिसाइल समेत कई क्षेत्रों में सुपर पावर है, वो जीरो टेक्नॉलजी की मध्यवर्ती वस्तुएं नहीं बना सकता, यह समझ के परे है। समझना होगा कि चीन द्वारा सस्ते माल की डंपिंग और कई अन्य अनुचित हथकंडे अपना कर भारत में क्षमता निर्माण को बाधित किया गया है, और यह षड्यंत्र रुक नहीं रहा है। कहा जाता है कि व्यापार एक युद्ध है और उसे उसी प्रकार से संचालित किया जाना चाहिए। इस संबंध में एक्टिव फार्मास्युटिकल इनग्रोडियंट यानी एपीआई का एक ज्वलंत उदाहरण है। आज से 20 वर्ष पूर्व हमारी एपीआई आवश्यकताओं की 90 प्रतिशत आपूर्ति भारत ही होती थी, जबकि चीन और अन्य देशों की डंपिंग के कारण एपीआई उद्योग नष्ट हुआ और आज एपीआई की 90 प्रतिशत आपूर्ति आयातों से होती है। हमारे दवा उद्योग की इतनी बड़ी निर्भरता केवल आर्थिक ही नहीं स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा साबित हो रही है। मात्र पीएलआई ही नहीं, सरकार को अन्य उपाय भी अपनाने होंगे, ताकि भविष्य में चीनी आयात फिर से नए बन रहे एपीआई उद्योग को नष्ट न कर सकें। यहां सवाल केवल चीन से आने वाले प्रत्यक्ष आयातों का ही नहीं है। देश में बड़ी मात्रा में चीनी आयात विभिन्न आसियान देशों के माध्यम से भी होकर आ रहे हैं। गौरतलब है कि भारत का आसियान देशों से मुक्त व्यापार समझौता है, जिसके तहत शून्य आयात शुल्क पर अधिकांश आयात आ जाते हैं। मूल देश की शर्त लगातार जब चीनी आयातों को रोका गया तो चीनी कंपनियों ने अपनी फैक्टरियां आसियान देशों में ही लगा ली, जिसके कारण उन्हें चीनी बताकर रोका नहीं जा सकता। इसके अतिरिक्त भारत में कार्यरत कई विदेशी आटोमोबाइल कंपनियां भी कलपुर्जे विदेशों से मंगा रही हैं। जब भारत ने मोबाईल फोन पर आयात शुल्क बढ़ाए तो कई विदेशी कंपनियों ने भारत में मैन्यूफेक्चरिंग प्रारंभ कर दी। लेकिन अभी भी बड़ी मात्रा में कजपुर्जे चीन समेत अन्य देशों से मंगाए जा रहे हैं और हजारों वर्षों से कपड़ा उद्योग भारत का एक बड़ा उद्योग है और पिछले 100 सालों में आधुनिक कपड़ा उद्योग का भी विकास देखने को मिलता है। भारत वस्त्र एवं परिधान हेतु कच्चे माल एवं मध्यवर्ती वस्तुओं के क्षेत्र में पर्याप्त क्षमता रखता है, लेकिन दुर्भाग्य से उसमें भी विदेशों से भारी आयात होते हैं। उदाहरण के लिए, चीन से कपड़ा आयात 2020-21 की तुलना में 2021-22 में 46.2 प्रतिशत अधिक था, जिससे कपड़ा क्षेत्र में क्षमता का बहुत कम उपयोग हो रहा है। गौरतलब है कि पिछले एक वर्ष में चीन से आने वाले अधिकांश प्रकार के आयात चाहे वो रसायन हो, प्लास्टिक का सामान हो, वस्त्र हो, मशीनरी हो, पहले से काफी ज्यादा बढ़ गए हैं। एक तरफ सरकार द्वारा पीएलआई स्कीम के तहत भारी खर्च कर उन उद्योगों को पुनर्जीवित करने का प्रयास हो रहा है, जो चीन से प्रतिस्पर्धा न कर पाने के कारण नष्ट हो गए थे अथवा अत्यधिक रूप से प्रभावित हुए।

कोरोना में आयुर्वेद के लिए अवसर

> भारत सरकार ने कोविड-19 से लडऩे के प्रयासों में प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए आयुर्वेदिक संघटकों के उपयोग की सफल रणनीति बनाकर इसके नि ति बढ़ाए। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक कोरोनाकाल में भारत के द्वारा जिस तरह दुनिया के 150 से अधकि देशों को आयुर्वेदिक दवाइयों और कृषि क्षेत्र से संबंधति मसालों का नि ति किया गया, उससे भारत ने मानव कल्याण के साथ बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई का नया अध्याय भी बनाया। 21वीं सदी में भी पारंपरिक इलाज के तौर पर पहचान बनाने में कामयाब रहे आयुर्वेद ने काफी विश्वसनीयता हासिल की है और इससे आयुर्वेदिक बाजार बढ़ा है। हाल ही में 11 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 9वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस (डब्ल्यूएसी) के समापन समारोह और तीन राष्ट्रीय आयुष संस्थानों के उद्घाटन समारोह में कहा कि आयुर्वेद सिर्फ इलाज के लिए नहीं है। आयुर्वेद हमें जीवन जीने का तरीका सिखाता है।

इस समय जहां चीन में कोहराम मचा रहे कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन बीएफ.7 की वजह से बड़ी संख्या में मौत के मामले सामने आ रहे हैं, वहीं यह वायरस अमेरिका, ब्राजील, दक्षिण कोरिया, जापान और भारत सहित कई देशों में दस्तक दे चुका है। चीन सहित दुनियाभर में कोरोना संक्रमण से बचाव करने वाली दवाइयों की भारी कमी हो गई है और इनकी कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं। ऐसे में एक बार फिर दुनिया में भारत की कोरोना रोधी आयुर्वेदिक दवाइयों व मसालों की नई मांग निर्मित होते हुए दिखाई दे रही है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि कोरोनाकाल में आयुर्वेदिक सेक्टर की अहमियत बढऩे के साथ-साथ आयुर्वेदिक बाजार तेजी से बढ़ा है। कोविड-19 की चुनौतियों के बीच आयुर्वेदिक बाजार को तेजी से आगे बढ़ाने हेतु सरकार प्रयासरत रही है। निःसंदेह कोरोना महामारी के वैश्विक संकट के दौरान भारत के सदियों पुराने आयुर्वेद को दुनिया भर में अपनाया गया है। भारत सरकार ने कोविड-19 से लडऩे के प्रयासों में प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए आयुर्वेदिक संघटकों के उपयोग की सफल रणनीति बनाकर इसके निर्यात बढ़ाए। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक कोरोनाकाल में भारत के द्वारा जिस तरह दुनिया के 150 से अधिक देशों को आयुर्वेदिक दवाइयों और कृषि क्षेत्र से संबंधित मसालों का निर्यात किया गया, उससे भारत ने मानव कल्याण के साथ बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई का नया अध्याय भी बनाया। 21वीं सदी में भी पारंपरिक इलाज के तौर पर पहचान बनाने में कामयाब रहे आयुर्वेद ने काफी विश्वसनीयता हासिल की है और इससे आयुर्वेदिक बाजार बढ़ा है। हाल ही में 11 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 9वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस (डब्ल्यूएसी) के समापन समारोह और तीन राष्ट्रीय आयुष संस्थानों के उद्घाटन समारोह में कहा कि आयुर्वेद सिर्फ इलाज के लिए नहीं है। आयुर्वेद हमें जीवन जीने का तरीका सिखाता है। उन्होंने कहा कि भारत में आयुष के क्षेत्र में करीब 40 हजार सूक्ष्म, लघु और मध्यम (एमएसएमई) उद्योग कार्यरत हैं जो अनेक विविध प्रोडक्ट दे रहे हैं। इनसे लोकल इकॉनमी को बड़ी ताकत मिल रही है। आठ साल पहले देश में आयुष इंडस्ट्री करीब-करीब 20 हजार करोड़ रुपए के आसपास ही थी। आज आयुष इंडस्ट्री करीब-करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपए के आसपास पहुंच रही है। ऐसे में आगामी वर्ष 2023 से आईटी की तरह भारत के आयुर्वेदिक बाजार में भी तेजी से विस्तारित होने और इसके विदेशी मुद्रा की कमाई का नया तेजी से बढ़ता माध्यम बनने की सुकूनदेह संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। निःसंदेह केंद्र सरकार आयुर्वेद सहित पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को अतिसक्रियता के साथ वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए आगे बढ़ी है। सरकार ने 50 से अधिक देशों के साथ आयुर्वेद सहित पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को आगे बढ़ाने से संबंधित अनुसंधान विकास और शिक्षण-प्रशिक्षण के विभिन्न समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि 13 नवंबर 2020 को पांचवें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रस अधानोम घेब्रेसस ने भारत में पारंपरिक दवाओं के लिए एक वैश्विक केंद्र की स्थापना सुनिश्चित की है। इसका उद्देश्य विश्व के विभिन्न देशों में परंपरागत और पूरक दवाओं के अनुसंधान, प्रशिक्षण और जागरूकता को मजबूत किया जाना है। निश्चित रूप से इस समय जब डब्ल्यूएचओ ने भारत में पारंपरिक दवाओं के वैश्विक केंद्र की स्थापना सुनिश्चित की है, तब भारत के आयुर्वेदिक दवाइयों के बाजार के बढऩे की नई संभावनाएं बढ़ी हैं। ऐसे में अब आयुर्वेदिक दवाइयों के बाजार को देश और दुनिया में तेजी से बढ़ाने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। हमें मान्य तरीकों से आयुर्वेदिक दवाइयों के दस्तावेजीकरण की डगर पर आगे बढऩा होगा। हमारे द्वारा औषधीय पौधों को रासायनिक कीटनाशकों के इस्तेमाल से पूरी तरह मुक्त रखा जाना होगा। दवाओं के निर्माण में भारी तत्वों का इस्तेमाल रोकना होगा। अब सरकार के द्वारा आयुर्वेद के नाम पर फूड प्रोडक्ट और अन्य उत्पादों का कारोबार करने वाले लोगों पर सतर्क निगाहें रखी जानी होगी। सरकार के द्वारा ऐसे नए नियम बनाए जाने होंगे ताकि फूड प्रोडक्ट की जो कंपनियां अपने ब्रांड को आयुर्वेदिक बता कर बेचती हैं, उनके दावों की जांच हो सके। चूंकि भारत दुनिया में औषधीय जड़ी-बूटियों का सबसे बड़ा उत्पादक देश है और इसे बॉटनिकल गार्डन ऑफ दि वल्र्ड यानी विश्व का वनस्पति उद्यान कहा जाता है। ऐसे में देश में औषधीय गुणों से भरपूर सैकड़ों तरह के पौधों के अधिकतम उत्पादन की नई रणनीति बनाई जानी होगी। हमें आयुर्वेदिक दवाइयों के बाजार को बढ़ाने के लिए कई और बातों पर भी ध्यान देना होगा। भारतीय औषध प्रणाली के तहत सभी औषधीय पौधों की समुचित बॉटनिकल पहचान कायम करनी होगी। औषधीय पौधों की प्रोसेसिंग वैज्ञानिक, आर्थिक और सुरक्षित तरीके से की जानी होगी। आयुर्वेदिक उत्पादों की क्षमता और सुरक्षा का निर्धारण करने के लिए फार्माकोलॉजिकल तथा क्लीनिकल अध्ययन बढ़ाया जाना होगा। आयुर्वेदिक दवाओं के लिए उपयुक्त नियमन व्यवस्था सुनिश्चित की जानी होगी। आयुर्वेदिक इलाज की प्रक्रियाओं का स्टैंडर्ड तय किया जाना होगा। यह ध्यान रखा जाना होगा कि आयुर्वेदिक आहार प्रोडक्ट की लेबलिंग, प्रेजेंटेशन और विज्ञापन में कंपनियां अनुचित रूप से यह गारंटी नहीं दे सके कि उनका उत्पाद किसी बीमारी के पूर्ण इलाज या उसे रोकने में पूर्णतया कारगर है। यह भी ध्यान रखा जाना होगा कि आयुर्वेदिक दवाएं, आयुर्वेदिक पद्धति पर बनी अन्य दवाएं, मेडिसिन प्रोडक्ट और ऐसी खाद्य सामग्री जिसमें आयुर्वेदिक तत्वों का इस्तेमाल न हुआ हो, वे आयुर्वेद उत्पादों के दायरे में नहीं आ पाएं। साथ ही आयुर्वेदिक प्रोडक्ट में सिर्फ नेचुरल फूड एडिटिव ही मिलाए जाएं। आयुर्वेदिक आहार में अनुपयुक्त रूप से विटामिन, मिनरल और एमिनो एसिड मिलाने की इजाजत नहीं हो। यह भी ध्यान रखा जाना होगा कि आयुर्वेदिक आहार बनाने वाली कंपनियां फूड प्रोडक्ट के पैकेट पर ऐसा कोई दावा नहीं करें जिससे ग्राहक भ्रमित हों। ग्राहकों को भ्रमित किए जाने संबंधी जांच होने पर कोई कमी निकलती है तो कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी होगी। कोई आहार या आयुर्वेद दवा कंपनी किसी बीमारी को रोकने का दावा करती है तो इसके लिए सुरक्षा मापदंडों के तहत पहले प्रोडक्ट की जांच कराकर लेबलिंग की अनुमति सुनिश्चित की जानी होगी। आयुर्वेदिक आहार प्रोडक्ट के पैकेट पर उपयुक्त जानकारी सुनिश्चित जानी होगी। हम उम्मीद करें कि अब देश का आयुर्वेदिक बाजार तेजी से आगे बढ़ेगा और देश में आईटी की तरह आयुर्वेद सेक्टर से विदेशी मुद्रा की चमकीली कमाई को भी मुठ्ठियों में लिया जा सकेगा। हम उम्मीद करें कि कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन बीएफ.7 और अन्य नए कोरोना वायरस के कारण देश में निर्मित कोरोना रोधी आयुर्वेदिक दवाइयां और मसाले फिर से दुनिया में कोरोना संक्रमण रोकने और लोगों के स्वास्थ्य कल्याण में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे।

नागरिक बोध

बिना विकल्प विरोध करना कतई अधिकार नही

किस भी बात का विरोध करने में शक्ति, समय और धन बर्बाद किया जाता है। यदि इसे विकल्प देने का खर्च किया जाए तो समस्या सदा सदा के लिए प्रेरणास्पद तरीके से हल होकर आदर्श प्रस्तुत करती है। बिना विकल्प विरोध करने का हमे कतई अधिकार नही है। शक्ति और धन बर्बाद होने पर वापस प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन एक बार समय हाथ से निकल जाने पर वापस हाथ नही आता है। समय को हम पकड़ नही सकते । समय अनमोल है।कर्म हम करते है और दोष हम समय को देते है। वार चला जाता है तो दूसरे सप्ताह में वापस आ जाता है,लेकिन मिति महीना,तारीख और वार मिल भी जाते है। उसमें मिति वार या महीना का फर्क जरूर रहता है। रावण की बुद्धि फिर गई,उसने सीता माता का अपहरण कर किया। अमेरिका धन को महत्व नही देकर समय को महत्व दे रहा है। समय नष्ट करने पर सबकुक नष्ट हो जाता है। हमारा मन एक समुद्र है। इसमें लहरे उठती है। तो साधक का महान पतन कर देता है। जीवन में साधना करने वाला ही महान है। धन दौलत सभी नश्वर है,साथ जाएगी तो मनुष्य की साधना। बंगला,गाड़ी, वातानुकूलित गगनचुंबी इमारते धरी रह जाएगी।महान वे है जो अन्तर्द्रष्टा, दृढ़ मनोबल से युक्त हो,जो भगवान की साधना ने अडिग हो और जिसने सत्य के साथ जीवन में समय को महत्व दिया हो।हमारी संस्कृति महान है। विश्व की सबसे पुरानी संस्कृति भारत की है। मानवता ,त्याग,सहिष्णुता और धर्म के अमृत से सिंचित रही है। लेकिन दुःख के साथ लिखना पड़ रहा है कि भारत का पिछड़ापन साबित करता है कि भारत मे समय की महत्ता को दरकिनार किया जाता है। चीन,मिश्र,यूनान और भारत विश्व की इन चारो प्राचीन संस्कृतियों में भारत की संस्कृति ही मानो अमरता का वरदान पाये हुए आज भी जीवित है। व्यक्ति रचनात्मक भूमिका अपनाए बिना धार्मिक कहलाने का अधिकारी नही है। हर समस्या का सामाधन है विकल्प!उसके विरोध,तिरस्कार अपमान सहते हुए भी लक्ष्य से पीछे नही हटते,वही महापुरुष विश्व के वन्दनीय,पूजनीय बनते है। व्यक्ति अपने कर्मो को महानता प्रदान कर ले तो आधी से ज्यादा समस्या का सामाधन हो जाएगा।जिस इंसानों में कर्म की पवित्रता है। उस पर भगवान की कृपा हर समय बनी रहती है।

देश दुनीया से

जेब पर बोझ के बावजूद बना रहा भरोसा

चीनी कैलेंडर के हिसाब से 2022 बाघ का वर्ष था। हिम्मत और हौसले का साल। सच मानें, तो यह पूरा साल हर मोर्चे पर हिम्मत और हौसले का इम्तिहान ही लेता रहा। साल खत्म होते-होते यूं लग रहा है, मानो सामने फिर पानी से भरी एक बड़ी खाई आ गई है, अब इसे पार करने के लिए छलांग लगानी है या पानी कम होने का इंतजार करना है? यह सवाल भारत की ही नहीं, दुनिया की अर्थव्यवस्था के सामने खड़ा है। इसकी वजह यह है कि कोरोना महामारी के प्रकोप से निकलने की भविष्यवाणी के साथ शुरू हुआ साल खत्म होते-होते न सिर्फ उस उम्मीद पर पानी फेर चुका है, बल्कि एक नई चिंता भी पैदा हो गई है कि क्या हम 1970 के दशक जैसे गंभीर आर्थिक संकट के मुहाने पर खड़े हैं, जहां आर्थिक तरक्की कछुए की चाल पर पहुंच जाए और महंगाई खरगोश की रफ्तार से कुलांचे भरती दिखाई पड़े। यह चिंता विश्व बैंक के 'इकोनॉमिक आउटलुक' में जताई गई है। विश्व बैंक की चिंता पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को लेकर है। उसका अनुमान है कि यूक्रेन पर रूस के हमले से पैदा हुई महंगाई पूरी दुनिया को भारी पड़नेवाली है। विश्व बैंक को लगता है कि इस साल दुनिया की जीडीपी में 2.9 फीसदी की वृद्धि ही हो पाएगी। हालांकि, भारत की अर्थव्यवस्था पर विश्व बैंक का भरोसा कायम है। न सिर्फ कायम है, बल्कि उसे लगता है कि दुनिया भर में मंदी की चिंता व आशंका के बीच भारत ही है, जो सबसे अच्छी तरह इस परिस्थिति का मुकाबला कर सकता है। विश्व बैंक का अनुमान था कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की जीडीपी 6.5 प्रतिशत बढ़ेगी, पर ताजा रिपोर्ट में उसने यह अनुमान बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय बाजार में घरेलू मांग मजबूत रहेगी और इसके दम पर ही भारत दुनिया की तेजी से बढ़नेवाली अर्थव्यवस्थाओं में एक रहेगा। उम्मीदों के बावजूद इस साल की सबसे बड़ी मुसीबत महंगाई ही रही। जनवरी में एक बार महंगाई का आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक की बर्दाश्त की सीमा, यानी छह प्रतिशत के पार हुआ, तो फिर केंद्रीय बैंक की तमाम कोशिशों के बावजूद पूरे 11 महीने बाद नवंबर में ही यह बर्दाश्त के दायरे में लौट पाया। फिर भी यह मानने के एक से ज्यादा कारण हैं कि कोरोना महामारी की चपेट में दो साल बर्बाद होने के बाद कम से कम इस साल कुछ तो ऐसा हुआ कि साल खत्म होने पर चैन की सांस ली जा सके। महंगाई काबू में आती दिख रही है। यूक्रेन और रूस युद्ध से पैदा हुई तमाम परेशानियों के बावजूद अब ऐसा लग रहा है कि जिंदगी पटरी पर लौट सकती है। भारत की अर्थव्यवस्था में रफ्तार लौटती दिख रही है और कंपनियों की बैलेंस शीट तो यूं दिखती हैं, जैसे उनको कोई बूस्टर खुराक लग गई हो। महीने-दर-महीने जीएसटी वसूली का आंकड़ा नया रिकॉर्ड बनाता दिख रहा है और आयकर के मोर्चे पर भी खुशखबरी ही आ रही है। इसी का असर है कि वित्त मंत्री ने जब संसद में बजट के 3,25,756 करोड़ रुपये की अनुपूरक मांगों का प्रस्ताव रखा, तो सवालों के जवाब में उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि इस रकम को जुटाने के लिए सरकार कोई नया कर्ज नहीं लेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि सात महीनों में ही पिछले साल के मुकाबले कर वसूली में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो उन्हें भरोसा देती है कि सरकार को अपने खर्च के लिए जरूरी पैसा मिल जाएगा। दरअसल, इस साल एक पुराना सबक याद आया है कि सारी बीमारी का सबसे बड़ा इलाज खर्च बढ़ाना ही है। 1970 के दशक की जिस मंदी के लौटने की आशंका विश्व बैंक को सता रही है, उसका इलाज इसी तरह खर्च में जोरदार बढ़त के साथ ही किया गया था। अब भारत को देखें, तो पिछले साल के और उससे पहले के आंकड़े भी सवाल उठाते हैं कि आम आदमी का खर्च तो बढ़ रहा है, सरकार भी कुछ खर्च बढ़ा रही है, लेकिन बड़े उद्योगों को जितना निवेश करना चाहिए, वह क्यों नहीं हो रहा है? सरकारी आंकड़े ही बता रहे हैं कि साल के शुरुआती नौ महीनों में औद्योगिक निवेश के प्रस्तावों में 25 प्रतिशत की कमी आई है।

> विश्व बैंक को लगता है कि इस साल दुनिया की जीडीपी में 2.9 फीसदी की वृद्धि ही हो पाएगी। हालांकि, भारत की अर्थव्यवस्था पर विश्व बैंक का भरोसा कायम है। न सिर्फ कायम है, बल्कि उसे लगता है कि दुनिया भर में मंदी की चिंता व आशंका के बीच भारत ही है, जो सबसे अच्छी तरह इस परिस्थिति का मुकाबला कर सकता है। विश्व बैंक का अनुमान था कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की जीडीपी 6.5 प्रतिशत बढ़ेगी, पर ताजा रिपोर्ट में उसने यह अनुमान बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय बाजार में घरेलू मांग मजबूत रहेगी और इसके दम पर ही भारत दुनिया की तेजी से बढ़नेवाली अर्थव्यवस्थाओं में एक रहेगा। उम्मीदों के बावजूद इस साल की सबसे बड़ी मुसीबत महंगाई ही रही।

डेविड वार्नर का तीसरा दोहरा शतक : सेलिब्रेट करते समय खुद को चोटिल कर बैठे, रिटायर्ड हर्ट ; ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 197 रन

मेलबर्न।
100वां टेस्ट खेल रहे ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज डेविड वार्नर ने मेलबर्न में चल रहे बॉक्सिंग-डे टेस्ट के दूसरे दिन मंगलवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ दोहरा शतक जड़ दिया है। यह उनका तीसरा दोहरा शतक है। वार्नर 200 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। वे डबल सेंचुरी सेलिब्रेट करते समय खुद को चोटिल कर बैठे। उनकी मांसपेसियों में खिंचाव आ गया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 386 रन बना लिए हैं। उसकी कुल बढ़त 197 रन पहुंच गई है। स्टंप्स पर ट्रेविस हेड 48 और एलेक्स कैरी 9 रन बनाकर नाबाद लौटे। जबकि कैमरून ग्रीन 6 रन के निजी स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हुए। साउथ अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्त्या ने एक-एक विकेट चटकाए।

पहले दिन साउथ अफ्रीका की पहली पारी 189 रन पर समाप्त हुई।

डबल सेंचुरी से पहले वार्नर ने 1089 दिन बाद शतक बनाया। यह वार्नर का 25वां टेस्ट शतक है। वार्नर ने आखिरी शतक 3 जनवरी 2020 को सिडनी मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था।

कोहली ने 1020 दिन बाद बनाया था सैकड़ा

विराट कोहली (113) ने 1020 दिन बाद शतक जमाया था। उन्होंने यह शतक बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप के दौरान बनाया था। 8 हजार रन बनाने वाले 8वें ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं वार्नर वार्नर ने 8,000 रन पूरे कर लिए हैं। वे ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 8वें बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले सिर्फ 7 ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने यह मुकाम हासिल किया है। वे घरेलू मैदानों पर 5 हजार रन बनाने वाले 5वें ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने हैं। उन्होंने पोंटिंग, बॉर्डर और वॉ ब्रदर्स के बाद 5वें ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने हैं। वे मेलबर्न में अपना 100वां टेस्ट खेलने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले ब्रायन लारा और सौरव गांगुली ने मेलबर्न में अपना 100वां टेस्ट खेला था।

बाल-बाल बचे नॉर्त्या, स्पाइडर कैम ने मारी टक्कर

मुकाबले का दूसरा दिन दुर्घटनाओं से भरा रहा। इसमें वार्नर, ग्रीन चोटिल हुए तो साउथ अफ्रीकी गेंदबाज एनरिक नॉर्त्या बाल-बाल बचे। वे अपना ओवर डालने के बाद 30 यार्ड सर्कल के पास टहल रहे थे। तभी स्पाइडर कैम ने उन्हें टक्कर मारी और वे जमीन पर गिर पड़े।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान पहली पारी में 438 रन पर ऑलआउट: आगा सलमान का पहला इंटरनेशनल शतक; साउदी को 3 विकेट

कराची। पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मजबूत शुरुआत की है। उसने कराची में चल रहे इस मुकाबले की पहली पारी में 438 रन बनाए हैं। मंगलवार को मुकाबले के दूसरे दिन के दूसरे सेशन का खेल जारी है और न्यूजीलैंड की टीम बल्लेबाजी कर रही है। उसकी ओर से कप्तान बाबर आजम ने सबसे ज्यादा 161 रन बनाए हैं। जबकि आगा सलमान ने 103 रनों की पारी खेली। पहला इंटरनेशनल शतक जमाने के बाद आगा को टिम साउदी ने कर दिया। इन दानों के अलावा सरफराज अहमद ने 86 रन का योगदान दिया। इमाम उल हक ने 24 और साउद शकील ने 22 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से टिम साउदी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। एजाज पटेल, ब्रेसवेल और ईशा सोढ़ी ने लिए 2-2 विकेट चटकाए। पहले दिन 161 के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे बाबर आजम दूसरे दिन अपने स्कोर में इजाफा नहीं कर सके। वे टिम साउदी का शिकार बने। उन्हें साउदी ने विकेट के पीछे ब्लूनडेल के हाथों कैच कराया। मुकाबले के पहले दिन पाकिस्तानी कप्तान ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 280 गेंदों पर 161 रन बनाए। बाबज ने रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ा। पाकिस्तान की टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल में 7वें नंबर पर है। अभी उसके 38.89प्रतिशत अंक हैं। जबकि न्यूजीलैंड 25.93प्रतिशत अंक लेकर 8वें नंबर पर हैं। पाकिस्तान की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ बचे हुए 2 टेस्ट जीतकर पॉइंट्स टेबल में 47.61प्रतिशत पॉइंट्स के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच सकती है।

मुखिया बदलते ही नर्म हुआ PCB, सेठी बोले- भारत में वर्ल्ड कप खेलने का फैसला सरकार करेगी; राजा का आरोप- सामान तक नहीं उठाने दिया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के प्रति नर्म रुख अपनाया है। बोर्ड के रवैए में तख्त पलट का असर साफ दिखने लगा है। एक ओर जहां बोर्ड के नए मुखिया नजम सेठी ने भारत में अगले साल वर्ल्ड कप खेलने के सकारात्मक संकेत दिए हैं। वहीं, पिछले हफ्ते पद से हटाए गए रमीज राजा ने अपना दुखड़ा रोना शुरू कर दिया है। पाक बोर्ड के नए अध्यक्ष नजम सेठी ने एशिया कप-2023 मेजबानी के अधिकार से जुड़े विवाद पर कहा- देखूंगा कि स्थिति क्या है। हमें सभी के साथ क्रिकेट खेलना है, हम ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे। जिससे अलगाव हो। रमीज राजा ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर सेठी और उनके साथियों पर दुर्व्यवहार के आरोप लगाए हैं। राजा ने कहा- सेठी और उनके साथियों ने मुझे ऑफिस से सामान तक नहीं उठाने दिया। 17 लोग ऑफिस में ऐसे घूम रहे थे। पिछले महीने वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड से हारने के बाद रमीज राजा को चेयरमैन के पद से हटा दिया गया था। उनकी जगह नजम सेठी नए अध्यक्ष बने। जय शाह ने कहा था कि एशिया कप न्यूट्रल वेन्यू पर होगा, लेकिन टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं जाएगी।

मुंबई इंडियंस भारत की सबसे मूल्यवान खेल फ्रेंचाइजी बनी

मुंबई। एक वैश्विक ब्रांड वैल्यूएशन कंपनी के एक सर्वेक्षण के मुताबिक पांच बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) विजेता मुंबई इंडियंस भारत में सबसे मूल्यवान खेल फ्रेंचाइजी के रूप में एक बार फिर से उभर कर सामने आई है। ग्लोबल ब्रांड वैल्यूएशन एजेंसी ब्रांड फाइनेंस की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई इंडियंस का मूल्य 2021 की तुलना में 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 83 मिलियन अमरीकी डालर आंका गया है। एए प्लस ब्रांड स्ट्रेंथ रेटिंग के साथ मुंबई इंडियंस का ब्रांड स्ट्रेंथ इंडेक्स (बीएसआई) भी 100 में से 70.5 के मजबूत स्तर पर है। साल-दर-साल, मुंबई इंडियंस ने भारतीय और वैश्विक ब्रांडों के बीच समान रूप से अपनी वृद्धि को लगातार जारी रखा है। पांच बार के आईपीएल चैंपियन के पास हमेशा मार्की और वैश्विक ब्रांडों का एक मजबूत मिश्रण रहा है, जिसमें डीएचएल, टीम व्यूअर और कैडबरी डेयरी मिल्क के साथ-साथ स्लाइस जैसे नए ब्रांड शामिल हैं, जो मुंबई इंडियंस की मजबूत पहुंच और ग्राहक संबंध का एक वसीयतनामा है। इस बारे में आईपीएल फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी। ब्रांड फाइनेंस के अनुसार, मुंबई इंडियंस ने 2009 के बाद से 99 प्रतिशत की वृद्धि के साथ पिछले कुछ वर्षों में अपने ब्रांड मूल्य को लगभग दोगुना कर लिया है।

2022 के टेस्ट मैचों में कोहली-राहुल बुरी तरह फ्लॉप : अश्विन ने बना दिए उनसे ज्यादा रन

नई दिल्ली।
भारत के 2022 में सभी टेस्ट मैच खत्म हो चुके हैं। टीम ने इस साल 7 मैच खेले, 4 जीते और 3 हारे। इनमें भारत के प्रमुख बैटर्स केएल राहुल और विराट कोहली बुरी तरह फेल रहे। इतनी बुरी तरह कि स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस साल उनसे ज्यादा रन बना दिए। राहुल ने 4 टेस्ट में 137 और कोहली ने 6 टेस्ट में 265 रन बनाए। वहीं, अश्विन ने 6 टेस्ट में 270 रन बना दिए।

इस दौरान भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने भी 90 ही रन बनाए। हालांकि, उन्होंने 2 ही मैच खेले। ऐसे में उन्हें आउट ऑफ फॉर्म नहीं कहा जा सकता। आगे स्टोरी में हम राहुल और विराट के फॉर्म पर आंकड़ों के आधार पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि दोनों के खराब फॉर्म के पीछे क्या कारण रहे और इस साल क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत के बेस्ट बैटर कौन रहे.

21वीं सदी में भारत के सबसे खराब ओपनर

इस साल राहुल ने भारत के लिए 4 टेस्ट खेले। 2 साउथ अफ्रीका के खिलाफ और 2 बांग्लादेश के खिलाफ, 3 में वह इंजर्ड रहने के कारण प्लेइंग इलेवन से बाहर रहे। 4 टेस्ट में उन्होंने 50, 8, 12, 10, 22, 23, 10 और 2 रन की पारियां खेलीं। यानी कि 8 पारियों में वह एक ही फिफ्टी लगा सके। 137 रन बनाने के दौरान उनका औसत महज 17.12 का रहा।

2000 से 2022 के बीच भारत के ओपनर्स में ये औसत आकाश चोपड़ा और मयंक अग्रवाल के बाद सबसे खराब रहा। आकाश चोपड़ा ने 2004 के 5 टेस्ट में 12.55 की औसत से 113 रन बनाए थे। वहीं, मयंक अग्रवाल ने 2020 के 4 टेस्ट में 16.62 की औसत से 133 रन बनाए थे। इन आंकड़ों में उन्हीं ओपनर्स को लिया गया, जिन्होंने साल में भारत के लिए कम से कम 4 टेस्ट खेले हो।

2015 से 2021 के बीच राहुल ने 37.31 की औसत से 40 मैचों में 2463 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बैट से 7 शतक और 12 अर्धशतक आए। 6 शतक तो उन्होंने विदेश में लगा दिए थे। इससे साफ है कि 2022 में ही उनका प्रदर्शन कमजोर हुआ है।

कप्तानी के दबाव में हैं राहुल

कप्तानी करते हुए राहुल ने टेस्ट में 50, 8, 22, 23, 10 और 2 रन के स्कोर बनाए। बैट से तो उन्होंने कुछ खास नहीं किया, लेकिन टीम को 3 में से 2 टेस्ट जीता दिए। तीनों फॉर्मेट के दौरान 11 मैचों में राहुल ने कप्तानी की। इनमें उन्होंने 22.46 की औसत से महज 292 रन बनाए। इस दौरान उनके बैट से 3 ही फिफ्टी आईं। 11 में से 7 में भारत को जीत और 4 में हार मिली।

यानी, कप्तानी के दौरान उनका फोकस बैटिंग से हटकर फील्ड प्लेसमेंट और मैनेजमेंट पर ज्यादा हो रहा है। इस कारण वे बैट से कुछ खास परफॉर्म नहीं कर पा रहे।

विराट को 3 साल से टेस्ट शतक का इंतजार

वनडे और टी-20 इंटरनेशनल में तो विराट ने शतक का सूखा खत्म कर लिया। लेकिन, टेस्ट में वह 22 नवंबर 2019 के बाद से शतक नहीं लगा सके। ये साल तो उनके लिए और भी खराब रहा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ जनवरी के दौरान टेस्ट में उन्होंने 79 और 29 रन की पारियां खेलीं। मैच हार जाने के बाद विराट ने भारत की टेस्ट कप्तानी छोड़ दी।

फिर जो दौर टेस्ट में विराट का चला, उसे वह खुद भुलाना चाहेंगे। श्रीलंका के खिलाफ घर में उन्होंने 45, 23 और 13 रन की पारियां खेलीं। फिर, इंग्लैंड के खिलाफ 11, 20 और बांग्लादेश के खिलाफ भी 1, 19*, 24 और 1 रन के स्कोर ही बना सके। 2022 के 6 टेस्ट में उन्होंने 26.50 की औसत से महज 265 रन बनाए। उनके बैट से एक ही फिफ्टी आई।

कोहली के खराब फॉर्म के पीछे क्या वजह

नवंबर 2019 में 27वें टेस्ट शतक के बाद से विराट कोहली ने 20 टेस्ट खेले। इनमें 26.20 की औसत से 917 रन बनाए। उनके बैट से 6 ही फिफ्टी आईं। यानी, पिछले 3 साल से उनकी परफॉर्मेंस कुछ खास नहीं रही। हालांकि, विराट ने 104 टेस्ट के करियर में 48.90 की औसत से 8,119 रन बनाए हैं। इनमें 27 शतक और 28 अर्धशतक शामिल हैं।

टीम इंडिया के पूर्व बैटिंग कोच संजय बांगर ने विराट के फॉर्म पर कहा था कि वह छोटे स्कोर को बड़ी पारियों में कन्वर्ट नहीं कर पा रहे हैं। लगातार क्रिकेट खेलने की वजह से उनका फोकस जल्दी ब्रेक हो जा रहा है। ऐसे में मुमकिन है कि विराट आने वाले समय में टेस्ट के मुकाबले वनडे और टी-20 में ज्यादा बड़े स्कोर करते नजर आएंगे। वे टेस्ट में भी शतक बना देंगे। लेकिन, लंबे समय तक उनके लिए टिके रहना अब थोड़ा मुश्किल होगा।

रोहित ने इस साल 2 ही टेस्ट खेले

राहुल और विराट के साथ रोहित शर्मा ने भी इस साल रविचंद्रन अश्विन से कम रन बनाए। उन्होंने 2 ही मैच खेले, लेकिन टेस्ट में उनका ओवरऑल प्रदर्शन कैसा रहा है ये जानना भी जरूरी है। इस साल श्रीलंका के खिलाफ रोहित ने 29, 15 और 40 रन की पारियां खेलीं। लेकिन, 2021 के 11 टेस्ट में उन्होंने 47.68 की औसत से 906 रन बनाए थे। इनमें 2 शतक और 4 अर्धशतक भी लगाए।

तुर्की के राष्ट्रपति का दावा- राजनीतिक कारणों के चलते बाहर बैठे रोनाल्डो, फिलिस्तीन से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली।
फीफा विश्व कप 2022 के दौरान नॉकआउट मैचों में पुर्तगाल के कोच ने रोनाल्डो को काफी समय तक बेंच पर बैठाए रखा। पहले उनकी जगह युवा गोंसालो रोमोस को मौका दिया गया और प्री क्वार्टर फाइनल मैच में उन्होंने तीन गोल कर टीम को जीत भी दिलाई। इसके बाद अगले मैच में रोनाल्डो शुरुआती टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्हें आखिरी के 30 मिनट मैदान पर उतारा गया, लेकिन वह भी टीम को हार से नहीं बचा सके।

दुनिया के सबसे महान फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक रोनाल्डो को अहम मैच में बेंच पर बैठाने से पुर्तगाल के कोच की काफी आलोचना हुई थी। रोनाल्डो की पत्नी जॉर्जिना ने भी इस मामले पर अपना गुस्सा जाहिर किया था। अब तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने इस मामले में नया खुलासा किया है। रेसेप ने कथित तौर पर कहा है कि पुर्तगाली सुपरस्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को 2022 फीफा विश्व कप में राजनीतिक प्रतिबंध के कारण बाहर किया गया था। कई मीडिया रिपोर्ट में एर्दोगन के हवाले से कहा गया कि कतर में विश्व कप के दौरान रोनाल्डो का इस्तेमाल सही से नहीं किया गया और उनकी टीम पुर्तगाल विश्व कप में मोरक्को से हारकर क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई। 37 वर्षीय रोनाल्डो को उस मैच में सब्स्टीट्यूट के रूप में इस्तेमाल किया गया और पुर्तगाल 1-0 से हार गया। मैनचेस्टर यूनाइटेड और रियल मैड्रिड के पूर्व स्टार फुटबॉलर स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच में भी पुर्तगाल के शुरुआती 11 खिलाड़ियों में शामिल नहीं थे। रोनाल्डो इसी विश्व कप में पांच अलग-अलग विश्व कप में स्कोर करने वाले पहले पुरुष फुटबॉलर बने थे। पुर्तगाल के विश्व कप से बाहर होने के बाद वह काफी भावुक हो गए थे और रोने लगे थे, क्योंकि इस हार के साथ ही रोनाल्डो के विश्व चैंपियन बनने का सपना टूट गया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एर्दोगन ने पूर्वी एरजुरम प्रांत में एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, उन्होंने रोनाल्डो को बर्बाद कर दिया है। दुर्भाग्य से, उन्होंने उन पर राजनीतिक प्रतिबंध लगा दिया है। रोनाल्डो फिलिस्तीनी के समर्थन में खड़े हैं। मीडिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि रोनाल्डो ने कभी भी इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष पर कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया है।

जिनेदिन जिडान ब्राजील फुटबॉल टीम के कोच बन सकते हैं: वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कोच टीटे ने इस्तीफा दे दिया था

नई दिल्ली।
फ्रांस के जिनेदिन जिडान ब्राजील फुटबॉल टीम के नए कोच बन सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्राजील फुटबॉल बोर्ड की नजर में 50 साल के जिडान उनकी टीम के लिए सबसे बेहतर दावेदार लग रहे हैं। अभी, ब्राजील के पास कोई कोच नहीं है। वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कोच टीटे ने इस्तीफा दे दिया था। जिडान स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड के कोच रह चुके हैं। वे बतौर कोच रियल को 3 बार चैम्पियंस लीग जिता चुके हैं। रियल की टीम से ब्राजील के केसमिरो और विनिसियस जूनियर खेल चुके हैं। जिडान 1998 में वर्ल्ड चैम्पियन बनने वाली फ्रांस की फुटबॉल टीम के सदस्य थे। उन्होंने फाइनल में दो गोल कर टीम को ब्राजील के खिलाफ 3-0 से जीत दिलाई थी।

सेमीफाइनल तक का सफर नहीं कर पाई थी ब्राजील

फीफा वर्ल्ड कप में ब्राजील सेमीफाइनल तक का सफर भी तय नहीं कर पाई। क्रोएशिया ने क्वार्टर फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। निर्धारित समय तक दोनों टीमों गोल करने में सफल नहीं हो पाई। जिसके बाद मैच एक्सट्रा टाइम पर गया। वहां पर दोनों टीमों की ओर से 1-1 गोल हुए। 106वें मिनट पर ब्राजील की ओर से नेमार जूनियर ने गोल किया। इस गोल के 11 मिनट बाद मैच के 117वें मिनट पर क्रोएशिया की ओर से ब्रूनो पेटकोविच ने गोल किया और इस तरह दोनों ही टीमें बराबरी के स्कोर पर आ गईं।

नतीजे के लिए पेनल्टी का सहारा लिया गया। दोनों ही टीमों को 4-4 पेनल्टी शूट मिला। क्रोएशिया ने सभी चार पेनल्टी गोल मारे और ब्राज़ील दो पेनाल्टी गोल मिस करके वर्ल्ड कप से बाहर हो गया।

भारतीय हॉकी टीम विश्व कप के लिए ओडिशा पहुंची

भुवनेश्वर।
एफआईएच ओडिशा हॉकी विश्व कप 2023 से पहले भारतीय हॉकी टीम मंगलवार सुबह बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम का यहां जोरदार स्वागत किया गया। टीम राउरकेला के लिए रवाना होगी, जहां वह 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले विश्व कप के लिए अभ्यास करेगी।

भारतीय टीम अपने अभियान की शुरूआत 13 जनवरी को राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में स्पेन के खिलाफ मैच से करेगी।

यहां पहुंचने पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, हमने मैच की शुरूआत में गोल करने के लिए अपनी रणनीति को जारी रखने का फैसला किया है। हमें नहीं पता कि भारत में फिर से विश्व कप कब आयोजित किया जाएगा, इसलिए हमारा लक्ष्य इस विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। भारतीय हॉकी टीम के उपकप्तान अमित रोहिदास ने कहा कि वह बहुत खुश हैं क्योंकि उनका गृह राज्य ओडिशा लगातार दूसरी बार हॉकी वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है। उन्होंने कहा कि टीम विश्व कप के लिए बेंगलुरु में अभ्यास कर रही थी और अब राउरकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम में नए टर्फ पर अभ्यास करेगी।

रोहिदास ने कहा, हम राउरकेला में स्पेन और इंग्लैंड के साथ आगामी मैचों में निश्चित रूप से बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हमने इस विश्व कप में कदम दर कदम आगे बढ़ने का फैसला किया है। हमारा प्राथमिक लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में पहुंचना है। फिर, हम अपने भविष्य की रणनीति तय करेंगे।

एफआईएच ओडिशा हॉकी विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला में स्पेन से भिड़ने के बाद, भारतीय हॉकी टीम 15 जनवरी को राउरकेला में इंग्लैंड से भिड़ेगी।

स्टोक्स बोले- टी-20 लीग की लोकप्रियता टेस्ट के लिए खतरा

लेकिन, 22 साल में टेस्ट में गिरावट 6प्रतिशत, टी-20 शुरू होने के बाद 397 गुना बढ़े

नई दिल्ली।
इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने दुनिया में क्रिकेट संचालित करने वाली संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के ऊपर टेस्ट शेड्यूलिंग पर ध्यान नहीं देने के आरोप लगाए हैं।

31 साल स्टोक्स ने दुनिया में लगातार बढ़ रही टी-20 लीग की लोकप्रियता को टेस्ट क्रिकेट के अस्तित्व के लिए खतरा बताया है। इस बयान ने फिर टी-20 लीग टेस्ट की चर्चा को हवा दे दी है। स्टोक्स ने बिजी शेड्यूल का भी मामला उठाया। आपको याद दिला दें कि स्टोक्स ने जुलाई माह में वनडे से यह कहते हुए संन्यास ले लिया था कि बिजी शेड्यूल के बीच मेरी फिटनेस जवाब दे रही है।

इस स्टोरी में हमने जाना क्या वाकई में टी-20 लीग टेस्ट को प्रभावित कर रही हैं। इसके लिए हमने पिछले दो दशकों में तीनों फॉर्मेट के मैचों का डेटा खंगाला और लीग आने से पहले और बाद के ट्रेंड देखे। हमने पाया- लीग आने के बाद टेस्ट मैचों की संख्या में 6प्रतिशत की गिरावट आई। जबकि टी-20 इंटरनेशनल मैच 2005 के बाद से 397 गुना तक बढ़ गए। हां, अब टेस्ट के परिणाम निकलने की संख्या भी बढ़ी है।

बेन स्टोक्स ने कहा-

दुनिया में टी-20 लीग की बढ़ती लोकप्रियता टेस्ट के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। टेस्ट शेड्यूल पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता, जितना देना चाहिए। दुनिया में बहुत ज्यादा ही क्रिकेट हो रहा है। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के ठीक बाद ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड में वनडे सीरीज हो गई। वह आयोजन क्या समझदारी भरा था, जबकि सीरीज की अहमियत कम थी। उसे सिर्फ एंटरटैनमेंट के कारण आयोजित किया गया। फैंस भी टेस्ट की जगह नए फॉर्मेट और फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिताओं को महत्व दे रहे हैं। बाकी टेस्ट प्लेइंग नेशंस को भी टेस्ट क्रिकेट को रोचक बनाने के लिए आक्रामक क्रिकेट खेलना चलना चाहिए। इसे लोकप्रिय बनाने के लिए भी प्रयास करने हेंगे। हर दिन को मनोरंजक बनाने पर ही ध्यान देना चाहिए।

2003 में पहली टी-20 लीग, 2008 में पहली प्रोफेशनल लीग

दुनिया की पहली टी-20 लीग इंग्लैंड की टी-20 ब्लास्ट को कहा जाता है। इसकी शुरुआत 2003 में हुई थी। हालांकि, यह (इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड) का घरेलू टूर्नामेंट है। फ्रेंचाइजी बेस पहली प्रोफेशनल लीग भारत में 2008 में शुरू हुई। जिसे इंडियन प्रीमियर लीग के नाम से जाना जाता है। टी-20 लीग आने से पहले टेस्ट क्रिकेट कल्चर जानने के लिए हमने साल 2000 के टेस्ट आंकड़े खंगाले। उस साल सभी टीमों ने 92 टेस्ट मैच खेले। इनमें से 68 के रिजल्ट निकले। जबकि 24 मैच ड्रॉ रहे। 2022 में लीग क्रिकेट की बाढ़ आने के बाद टेस्ट मैचों की संख्या घटकर 86 हो गई। यानी कि करीब 6प्रतिशत की गिरावट। वहीं, 2003 में टी-20 ब्लास्ट शुरू होने के बाद 17 फरवरी 2005 को पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला गया। उस साल 4 टी-20 खेले गए थे। जबकि 2022 में 792 टी-20 इंटरनेशनल खेले जा चुके हैं। इस हिसाब से पिछले 17 साल में टी-20 इंटरनेशनल में 397 गुना की बढ़ोत्तरी हुई है। टीमों की संख्या भी बढ़ी है। 2005 में 8-10 टीमें टी-20 खेलती थीं। 2022 तक 85 से ज्यादा टीमें क्रिकेट के छोटे फॉर्मेट को खेलती हैं।

मैचों में गिरावट नहीं, लेकिन टेस्ट के परिणाम बढ़े

हमने पाया कि लीग आने के बाद टेस्ट मैचों की संख्या में कुछ खास गिरावट नहीं आई है। लेकिन, टी-20 क्रिकेट आने से टेस्ट क्रिकेट और भी रोचक हो गया है। अब रिजल्ट ज्यादा निकलने लगे हैं। नीचे दिए ग्राफिक में नजर डालें तो हम पाते हैं कि 2000 में 92 मैच खेले गए है।

सौंदर्य

स्किन टैग को खत्म करें ये टिप्स

शरीर या चेहरे के किसी हिस्से पर मौजूद स्किन टैग, तिल, ब्लैकहेड्स, स्पॉट और मस्से आपकी सुंदरता को बिगाड़ देते है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ इनकी गिनती भी बढ़ती जाती है। इनसे छुटकारा पाने के लिए बहुत सी लड़कियां सर्जरी या मंहगे ब्यूटी ट्रीटमेंट का सहारा लेती है लेकिन इसका अच्छा असर दिखने की बजाए कई साइड-इफेक्ट्स नजर आने लगते है। अगर आप इन समस्याओं से परेशान तो हम आपको कुछ घरेलू तरीके बताएंगे, जिनसे आप इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते है।

मस्से:- मस्से की समस्यां को दूर करने के लिए एक सोक्ड बेंडेज पर

एप्पल साइडर सिरका लगाकर हफ्ते में 2 बार मस्से पर लगाएं। इसके बाद पिमिस स्टेन की मदद से इसे निकाल दें। 1 हफ्ते में ही आपको मस्से से छुटकारा मिल जाएगा।

स्किन टैग्स: कॉटन की मदद से लगातार दिन में 2 स्किन टैग्स पर एप्पल साइडर सिरका लगाएं। लगातार 10 दिन तक इसे लगाने से स्किन टैग्स झड़ जाएंगे।

तिल: अनचाहें तिल से छुटकारा पाने के लिए दिन में 4 घंटे रोजाना

लहसुन पीस कर लगाएं। कुछ ही दिनों में तिल गायब हो जाएंगे।

ब्लैकहेड्स: ब्लैकहेड्स को दूर करने के लिए चेहरे पर स्टीम लेकर 5 मिनट तक शहद लगा लें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो कर साफ करें। रोजाना 1 हफ्ते तक इसका इस्तेमाल ब्लैकहेड्स को हमेशा के लिए गायब कर देगा।

स्पॉट: ब्लैक स्पॉट के लिए नींबू के रस को रोजाना चेहरे पर लगाएं। नेचुरल ब्लीच की तरह काम करने वाला नींबू के रस आपको चेहरे के भद्दे स्पॉट से छुटकारा मिल जाएगा।

यह है कपल्स के बीच डिवॉर्स की बड़ी वजह

शादी के बाद जल्द ही डिवॉर्स लेने के केसेज अब बढ़ रहे हैं। यूं तो इसकी कई वजहें हैं लेकिन एक कॉमन रीजन है कपल्स के बीच पैसों का झगड़ा। अक्सर देखा गया है कि कपल्स पर्सनल खर्चों और सेविंग से जुड़ी बातें एक-दूसरे से शेयर ही नहीं करते। यही बात आगे चलकर उनके बीच मनमुटाव का कारण बन जाती है। लेकिन अगर सही मनी मैनेजमेंट के साथ ही थोड़ी सी ट्रांसपैरेसी बरती जाए, तो रिश्ता अच्छा होगा।

मंथली बजट

मनी मैनेजमेंट की शुरुआत करने का सबसे अच्छा तरीका मंथली बजट बनाना है। इसमें आप अपने सभी जरूरी खर्चे लिखें। इसके बाद आपको सिर्फ बचे हुए पैसे को इन्वेस्ट करने के बारे में सोचना होता है। हालांकि यह पैसा तब बचेगा, जब आप फिजूलखर्ची से दूर रहें। मंथली बजट से आपको पता रहेगा कि किन चीजों पर खर्च करना और कहां आप लिमिट क्रॉस कर रहे हैं। साथ ही इससे साथी के सामने आपका खर्चा पारदर्शी भी रहेगा।

चेक एंड बैलेंस

अगर आप पर्सनल फाइनैंस मैनेज करते हैं, तो खर्च पर चेक एंड बैंलेंस की पॉलिसी अपनाएं। अगर हजबैंड ज्यादा खर्च करता है, तो उसको उसी समय पर बताना जरूरी है कि वह बजट और जरूरत से अधिक खर्च कर रहा है। अगर वाइफ अधिक खर्च करती है, तो हसबैंड का फर्ज बनता है कि वह उसे कंट्रोल करे। ऐसे में खर्चे पर कंट्रोल करना आसान हो सकता है।

सेविंग फंड बॉक्स

अगर आपने किसी काम के लिए कोई अमाउंट फिक्स किया है लेकिन खर्चा उससे कम होता है, तो उस पैसे को फालतू उड़ाने की जगह सेविंग फंड बॉक्स में डाल दें। इस बॉक्स को उस अमाउंट के लिए ही यूज करें, जो आप इस तरह इधर-उधर से बचा पाते हैं।

शेयर करें

समय-समय पर दोनों मिलकर बात करें। एक-दूसरे के खर्चों, तरीकों और फ्यूचर इन्वेस्टमेंट के बारे में एक-दूसरे को बताएं। इससे आपसी अंडरस्टैंडिग बढ़ेगी।

इन्वेस्टमेंट

आप जितना पैसा इन्वेस्ट करेंगे, आगे उसकी वैल्यू बढ़ना तय है। ये इन्वेस्टमेंट किसी पॉलिसी या सेविंग सर्टिफिकेट के रूप में हो सकता है।

डिसेबल हो बच्चा तो जरूर दें ये स्पेशल ट्रीटमेंट

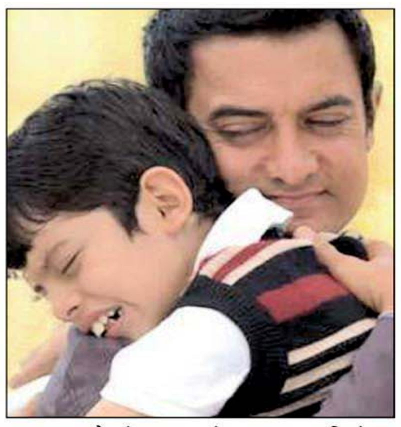

1992 से संयुक्त राष्ट्र संघ हर साल 3 दिसंबर को वर्ल्ड डिसेबिलिटी-डे मनाता और उसे प्रचारित करता आ रहा है। इंटरनैशनल प्लेटफॉर्म पर शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के प्रति समाज के रवैये को बदलने और ऐसे लोगों के जीवन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाने के लिए लोगों को जागरूक करना ही इसका मुख्य लक्ष्य है।

चार तरह की मानसिक अक्षमता

माइल्ड : ऐसे बच्चों का आईक्यू 50-70 के बीच होता है, हालांकि इन बच्चों को शिक्षण और प्रशिक्षण दोनों दिया जा सकता है। ये बच्चे थोड़ी मुश्किलों के बाद समाज में अच्छे से अपना जीवन यापन कर सकते हैं।

मॉडरेट : ऐसे बच्चों का आईक्यू 35-50 के बीच होता है। ऐसी स्थिति में बच्चों को शिक्षण से इतर प्रशिक्षण दिया जा सकता है, ताकि वे आगे चलकर आत्मनिर्भर बन सकें।

सीवियर: ऐसे बच्चों का आईक्यू 20-35 होता है। इन्हें न तो शिक्षण दिया जा सकता है और न ही प्रशिक्षण। ऐसे बच्चों को उनके रोजमर्रा के काम जैसे टॉयलेट हैबिट, खाने-पीने के तरीकों के बारे में भी सिखाया जाता है। ऐसे बच्चों को एजुकेटर उनके रोजमर्रा के काम के बारे में ही अच्छी तरह से सिखाते हैं।

प्रोफाउंड: ऐसे बच्चों का आईक्यू 20 से नीचे होता है। इन बच्चों को पूरे जीवन दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे बच्चों का पूरा जीवन बिस्तर पर ही रहकर गुजर जाता है।

रखें खास खयाल

» अगर बच्चे में प्रारंभिक विकास यानी बोलने, चलने, उठने, बैठने में छह महीने से ज्यादा की देर हो रही हो तो क्लीनिकल साइकॉलजिस्ट से तुरंत बात करें।

» बच्चे पढ़ाई में मेहनत कर रहे हैं और रिजल्ट खराब आता है तो टीचर्स को उन पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर वे बच्चे में कुछ भी असामान्य देखते हैं तो तुरंत पैरेंट्स से बात करें।

» स्पेशल बच्चों को कुछ भी सीखने में थोड़ा ज्यादा वक्त चाहिए होता है, इसलिए हर कदम पर धैर्य रखें।

» बच्चों को सोशल करने के लिए पैरेंट्स को उन्हें ज्यादा से ज्यादा बाहर ले जाना चाहिए। समाज में घुलने मिलने देना चाहिए, जिससे सोसायटी में उन्हें एक्सेप्टेंस मिल सकें। समाज से अलग रखने से उनका विकास और धीमा हो सकता है।

» आमतौर पर लोग स्पेशल बच्चों का मजाक बनाते हैं। उनको समाज में वैसी इज्जत नहीं देते जिनके वे हकदार हैं। लोगों को समझना चाहिए कि इस दुनिया में सबको सम्मान से जीने का हक है। इसलिए उनका माखौल उड़ाने या गलत व्यवहार करने की जगह उनको सपोर्ट करें। हिकारत से न देखें। उनकी अक्षमताओं को नहीं बल्कि क्षमताओं को उन्हें समझने का आधार बनाएं।

» बच्चे से कभी यह न कहें या कि वह कमजोर है। हमेशा सपोर्ट करें और छोटी-मोटी गलती करने पर भी हौसला बढ़ाएं।

ये होता है आईक्यू

20 से नीचे प्रोफाउंड
50-35- आईक्यू मॉडरेट
35-20- आईक्यू सीवियर
70-50- आईक्यू माइल्ड

ये हो सकते हैं कारण

ऐसे बच्चे जिनकी सोचने-समझने की क्षमता उनकी उम्र के सामान्य बच्चों से कम होती है और जो न्यूरोडिवेलपमेंटल डिसऑर्डर के शिकार होते हैं, उन्हें स्पेशल बच्चे कहा जाता है। बच्चों के ऐसा होने के और भी कई कारण हो सकते हैं

गर्भावस्था के दौरान कोई संक्रामक रोग

» जन्म के बाद किसी इंफेक्शन के कारण
» प्रेग्नेंसी के दौरान शारीरिक» मानसिक विसंगतियां » प्रेग्नेंसी के दौरान और जन्म के बाद भी पोषण की कमी

वास्तु

मानसिक स्थिति बार-बार बिगड़ने लगें तो समझो मकान में है वास्तुदोष

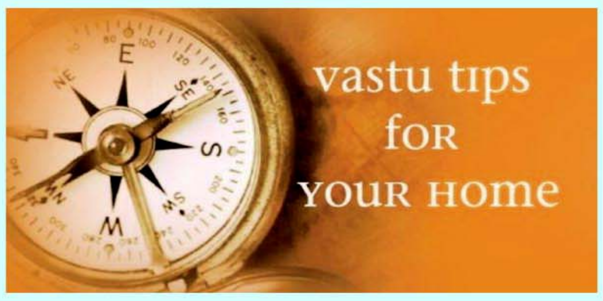

अगर मकान में रहने वाले लोग बार-बार बीमार पड़ने लगें, घर में झगडे ज्यादा होने लगें, लाभ से ज्यादा व्यय हो, ज्यादातर लोगों की मानसिक स्थिति बार-बार बिगड़ने लगे, घर में डर लगने लगे, अकेले या रात में मकान में अजीब सी आवाजें आने लगे, चलते काम रूकने लगे, मकान में आत्माएं दिखने लगे, लगातार घर में क्लेश रहने लगे, बुरे सपने दिखें, शादी या संतान में रुकावट हो या घर में भारीपन रहे तो समझिए कि घर में वास्तु दोष है। ऐसे में ज्योतिष सलाह लें और बताए खास उपायों को भी अपनाने की कोशिश करें।

मकान में अजीब एहसास होना-

यदि आपके मकान के सामने किसी प्रकार का वेध यानी खंभा, बड़ा पेड़ या बहुमंजिला इमारत हो तो इसकी वजह से आपका स्वास्थ्य या आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है।

यदि वेध दोष हो तो निम्न उपाय करना कारगर होगा। अपने मकान के सामने लैम्प पोस्ट लगा लें, यदि यह संभव नहीं हो, तो घर के आगे अशोक का वृक्ष और सुगंधित फूलों के पेड़ के गमले लगा दें। तुलसी का पौधा स्वास्थ्य के लिए शुभ होता है।

यदि मकान के पास में फैक्टरी का धुआं निकलता हो, तो एग्जास्ट पंखा या वृक्ष लगा लें। यदि मकान में बीम इसी जगह हो जिसके कारण आप मानसिक तनाव महसूस करते हो तो बीम से उत्पन्न होने वाले दोषों से बचाव के लिए यह उपाय अपना सकते हैं।

शयनकक्ष में वास्तु दोष

सशयनकक्ष में बीम हो, तो इसके नीचे अपना बैड या डाइनिंग टेबल नहीं लगाएं। यदि ऑफिस हो तो मेज व कुर्सियां नहीं रखें। बीम के दोनों ओर बांसुरी लगा दें, इससे वास्तुदोष निवारण हो जाता है। पवन घंटी बीम के नीचे लटका दें या बीम को सीलिंग टायलस से ढक दें।

बीम के दोनों ओर हरे रंग की गणपति प्रतिमा लगा दें, यह वास्तु दोषनाशक मानी जाती है। यदि मकान का कोई कोना आपके मुख्य द्वार के सामने आए, तो स्पॉट लाइट लगाएं। जिससे प्रकाश आपके घर की ओर रहे तथा सीधा ऊंचा वृक्ष बीच में लगा दें।

शयनकक्ष में घी का दीपक व अगरबत्ती करें जिससे मन प्रसन्न रहे, इस बात का घ्यान रखें कि झाड़ू शयनकक्ष में नहीं रखें। मकान में मुख्य द्वार पर देहरी बना लें, इससे बुरे व अन्य दोष घर में प्रवेश नहीं कर पाते हैं।

पूर्व-उत्तर (ईशान) कोण दोष

सईशान कोण के दोष के लिए इस दिशा में पानी से भरा मटका रखें. इस कोण को साफ-सुथरा रखें। अग्नि कोण दोष निवारण के लिए कोने में एक लाल रंग का बल्ब लगा दें जो दिन-रात जलता रहे। वायव्य कोण दोष निवारण के लिए इस ओर की खिड़कियां खुली रखें, ताकि वायु आ सके। एग्जॉस्ट पंखा भी लगा सकते हैं।

नैऋत्य कोण दोष निवारण के लिए इस कोने को भारी बनाएं, स्टोर बनाना यहां शुभ होता है। शयनकक्ष में दर्पण का प्रतिबिंब पलंग पर न पड़े तथा डबल बेड पर एक ही गद्दा रखें, तो ठीक रहेगा।

पूजा घर पूर्व-उत्तर (ईशान कोण) में होना चाहिए तथा पूजा यथासंभव प्रात: 06 से 08 बजे के बीच भूमि पर ऊनी आसन पर पूर्व या उत्तर की ओर मुंह करके बैठ कर ही करनी चाहिए। पूजा घर के पास उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में सदैव जल का एक कलश भरकर रखना चाहिए इससे घर में सपन्नता आती है।

मकान के उत्तर पूर्व कोने को हमेशा खाली रखना चाहिए। घर में कहीं भी झाड़ू को खड़ा करके नहीं रखना चाहिए, उसे पैर नहीं लगना चाहिए, न ही लांघा जाना चाहिए, अन्यथा घर में बरकत और धनागम के स्त्रोतों में वृद्धि नहीं होगी।

पूजा घर में तीन गणेशों की पूजा नहीं होनी चाहिए, अन्यथा घर में अशांति उत्पन्न हो सकती है। तीन माताओं तथा दो शंखों का एक साथ पूजन भी वर्जित है। धूप, आरती, दीप, पूजा अग्नि आदि को मुंह से फूंक मारकर नहीं बुझाएं, पूजा कक्ष में, धूप, अगरबत्ती व हवन कुंड हमेशा दक्षिण पूर्व में रखें।

पति-पत्नी में प्रेम के लिए प्रेमी परिंदे का चित्र या मेडरिन बतख का जोड़ा रखें अथवा सपरिवार प्रसन्नचित मुद्रा वाला चित्र लगाएं। डायनिंग टेबल को प्रतिबिंबित करने वाला आईना आपके सद्भाव व भाग्य में वृद्धि करता है, इसे लगाएं।

जीपीएस सिग्नल में आ रही समस्या का करें समाधान

आप घर से निकलने के साथ ही पूरा पता और नक्शा अपने फोन पर सर्च कर लेते हैं, जिससे कि आपका फोन हर छोटे-बड़े मोड़ और रास्तों की जानकारी देता रहे। इतना ही नहीं, आज फोन में कई एप्लिकेशन्स हैं, जो लोकेशन सर्विस का उपयोग करते हैं। ऐसे में यदि जीपीएस सिग्नल में थोड़ी भी परेशानी हो, तो आपके लिए बड़ी मुश्किल हो जाती है। जानिए कैसे जीपीएस सिग्नल को बेहतर किया जा सकता है।

क्या है जीपीएस

जीपीएस का आशय है ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम। यह तकनीक आपकी उपस्थिति को बताता है, जैसे- आप कहां हैं और किस दिशा में बढ़ रहे हैं आदि। जीपीएस तकनीक का डेवलपमेंट सबसे पहले यूएस आर्मी द्वारा किया गया था। वर्ष 1973 में अमेरिकन आर्मी ने इसे नेवी के लिए बनाया था, लेकिन 1995 में इस सेवा को आम उपभोक्ताओं के लिए भी पेश किया गया।

पता करें जीपीएस की परेशानी

यदि आपके फोन के जीपीएस में कोई भी समस्या है, तो उसका भी पता लगा सकते हैं। हालांकि, इसके लिए फोन में जीपीएस इसेन्शल एप्लिकेशन डाउनलोड करना होगा। इससे जीपीएस में समस्या कमजोर सिग्नल की वजह से है या फिर यह हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर की वजह से, इसकी जानकारी मिल जाएगी। एप मेन्यू में सैटेलाइट का विकल्प मिलेगा। उस पर क्लिक करने से फोन सैटेलाइट से कनेक्ट हो जाएगा। यदि फोन सैटेलाइट से कनेक्ट नहीं हो रहा है, तो इसका मतलब है कि फोन के आसपास कोई मेटैलिक वस्तु है, जो सिग्नल को रोक रहा है। स्मार्टफोन केस या फिर कुछ और भी हो सकता है। ऐसे में फोन केस को हटाएं। यदि सैटेलाइट सही दिखा रहा है, लेकिन जीपीएस सही तरह से कार्य नहीं कर रहा है, तो समझें कि यह सॉफ्टवेटर की समस्या है।

जीपीएस डाटा को करें रिफ्रेश

कभी-कभी सैटेलाइट सिग्नल न होने की वजह से भी फोन का जीपीएस फ्रीज हो जाता है। ऐसी स्थिति में फोन में जीपीस स्टेटस या टूलबॉक्स जैसे एप्स डाउनलोड कर सकते हैं। ये फोन के जीपीएस डाटा को क्लियर कर उसे फिर से सैटेलाइट से कनेक्ट करने में सक्षम बनाते हैं।

हाई एक्यूरेसी मोड से हटाए

कई बार लोग फोन में बैटरी की खपत को कम करने के लिए जीपीएस सिग्नल को हाई एक्यूरेसी मोड से हटा देते हैं। बैटरी बचाने के लिए तो यह सही है, लेकिन इससे कभी-कभी जीपीएस सटीक जानकारी नहीं देता। यदि कभी लाकेशन सर्च के दौरान आपको लगता है कि जीपीएस सही तरह से कार्य नहीं कर रहा है, तो हाई एक्यूरेसी पर ही उसे रखें। हाई एक्यूरेसी का विकल्प आपको फोन की सेटिंग में जाकर लोकेशन में मिलेगा।

स्मार्टफोन में जीपीएस

स्मार्टफोन में जीपीएस के लिए एक सेंसर लगा होता है। यह सेंसर अंतरिक्ष में स्थापित जीपीएस से कम्युनिकेशन कर आपकी उपस्थिति को बताता है। इस सेंसर को फोन में लगे अन्य हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर द्वारा कंट्रोल किया जाता है। ऐसे में कभी-कभी जीपीएस सिग्नल में समस्या आ जाती है।

रेसिपी

हरे प्याज का पराठा

सामग्री

मैदा: 280 ग्राम, नमक: 3/4 छोटा चम्मच
चीनी: 1 छोटा चम्मच, गर्म पानी: 80 मिलीलीटर, शीत पानी: 70 मिलीलीटर
तेल: फ्राई करने के लिए
हरा प्याज: स्वादानुसार
तेल: ब्रश करने के लिए

विधि

एक बाउल में 280 ग्राम मैदा, 3/4 छोटा चम्मच नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी, 80 मिलीलीटर गर्म पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 70 मिलीलीटर ठंडा पानी डालकर नरम आटे की तरह गूंथ लें। इसे 20 मिनट के लिए रख दें। अब आटे को बराबर भागों में विभाजित करके उन्हें गेंद की तरह रोल करें। इस पर थोड़ा सा सूखा आटा लगाकर बेलन की सहायता से रोटी की तरह बेल लें। इस पर हरा प्याज छिड़कें और गोल-गोल रोल कर लें। फिर इसे दबाकर दोबारा बेलन की सहायता से परांठे की तरह बेलें। मध्यम आंच पर एक पैन रखें और उसमें ब्रश की सहायता से थोड़ा सा तेल लगाकर गर्म करें। इसके बाद इस पर परांठा रखकर 3 मिनट तक पकाएं। फिर इसे पलटकर दूसरी तरफ से पकाएं। अब परांठे के दोनों तरफ तेल लगाकर अच्छे से सेंक लें या जब तक यह सुनहरा भूरा नहीं हो जाता। आपका हरे प्याज का पराठा तैयार है, इसे हरे प्याज के साथ गार्निश करके सर्व करें।

एप्पल रबड़ी

सामग्री

3 कप वसा भरपुर दूध
2 1/2 टेबल-स्पून शक्कर
3/4 कप छिले और कसे हुए सेब
3 टेबल-स्पून हल्के उबाले और स्लाईस्ड बादाम
1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर

विधि

एक चौड़ा नॉन-स्टिक पैन गरम करें, दूध डालकर मध्यम आंच पर 20 से 25 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए या मिश्रण के गाढ़े होने तक पका लें। शक्कर और सेब डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। बादाम और इलायची पाउडर छिड़क कर अच्छी तरह मिला लें। कम से कम 2 घंटे के लिए फिज में रखें और ठंडा परोसें।

सुलभ सुझाव: इस बात का ध्यान रखें कि आप सेब को रबड़ी में डालने से तुरंत पहले ही कसे, क्योंकि सेब का रंग भूरा हो सकता है।

सर्दी में जुकाम से बचाएगी लौंग वाली चाय

आपकी सुबह की शुरुआत में मिठास घोलने वाली चाय, स्वाद के साथ सेहत से भी भरपूर होती है। अपने फायदों के साथ चाय के कई प्रकार बाजार में उपलब्ध हैं और कुछ विशेष स्वाद के लिए आप घर पर भी कुछ अलग तरह से चाय बनाते हैं। लौंग की चाय भी इन्हीं में से एक है, जो खास तौर से सर्दियों में बेहद फायदेमंद होती है। जानिए लौंग की चाय के फायदे।

1. सर्दी से बचाने के लिए लौंग की चाय बेहद लाभकारी है। लौंग की तासीर गर्म होती है, इसलिए सर्दी के मौसम में दिन में 2 से 3 बार पीने पर आप सर्दी से बचे रह सकते हैं साथ ही खांसी और जुकाम से भी।

2. अगर आप बुखार से पीड़ित हैं, तो लौंग की चाय पीना आपके लिए काफी फायदेमंद होगा। इसका प्रयोग करने से आपका बुखार अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा।

3. शरीर के अंगों और मांस पेशियों में होने वाले दर्द से निजात पाना चाहते हैं तो लौंग की चाय जरूर पिएं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो लौंग की चाय से दर्द वाले स्थान की सिकाई कर सकते हैं। इससे आपको काफी फायदा होगा।

4. पाचन संबंधी समस्याओं में लौंग की चाय असरकारक है। पेट में एसिडिटी होने और पाचन तंत्र की धीमी गति होने पर लौंग की चाय पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे पाचन तंत्र बेहतर तरीके से कार्य करता है।

5. दांतों में दर्द होने पर अक्सर लौंग के तेल का प्रयोग किया जाता है। लेकिन लौंग की चाय भी इसके लिए फायदेमंद हो सकती है। इसके अलावा कफ और गले के विकारों के लिए भी लौंग की चाय लाभदायक है।

ऐसे बनाएं

एक चम्मच लौंग को पहले खुरदुरा पीस लें, फिर एक कप पानी में इसे डालकर पांच से 10 मिनट तक उबालें। जब पानी उबलने लगे तो आधा चम्मच चाय की पत्ती डाल दें। फिर कुछ मिनट तक इसे पकाएं, अब चाय बनकर तैयार है। इसे ठंडा कर छान लीजिए। आप चाहें तो इसे फ्रिज में भी स्टोर कर सकते हैं। लौंग की चाय साइनस की समस्या में भी राहत पहुंचाती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)